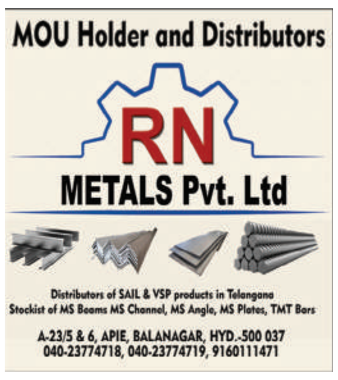

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 20 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-347

शपथ ग्रहण

एपी महेश कोआपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, बंजारा हिल्स, हैदराबाद के नव निर्वाचित निदेशक मंडल ने बैंक के मुख्यालय में कार्यभार संभाल किया। अपनी पहली बैठक में निदेशकों ने सर्वसम्मति से श्री मुरली मनोहर पलोड को चेयरमैन और श्री गोविन्द नारायण राठी को वाईस चेयरमैन चुना।

बैंक के इतिहास में संभवतः पहली बार शपथ-ग्रहण की औपचारिकता बंजारा हिल्स स्थित बैंक के भव्य मुख्यालय में नहीं, अपितु जिलाधीश कार्यालय में जाकर पूरी करनी पड़ी।

हाईकोर्ट के आदेश पर नियुक्त रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी श्री राम नारायण बुग्गा व मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) वी. अरविन्द ने निवर्तमान चेयरमैन श्री रमेश कुमार बंग व वाईस चेयरमैन श्री लक्ष्मी नारायण राठी की उपस्थिति में श्री

विश्वास पर खरे उतरेंगे : चेयरमैन पलोड

पलोड व श्री गोविन्द राठी सहित समस्त निदेशक मंडल को बैंक की कमान सौंपते हुए आशा व्यक्त की कि संस्था अपनी खोई प्रतिष्ठा पुनः हासिल कर दिन दुनी रात चौगुनी तरक्की करेगी। अवसर पर नवनिर्वाचित चेयरमैन श्री मुरली मनोहर पलोड ने सभी अंशधारकों के विश्वास पर खरा उतरने की कड़ी चुनौती स्वीकारते हुए कहा कि उनकी पूरी टीम जोश से भरी है और अपने चुनावी वादों को पूरा करने में जी-जान लगा देंगे। उन्होंने फाउंडर पैनल के एकमात्र विजयी निदेशक श्री कैलाश नारायण जी भाँगडिया से पूर्ण सहयोग की अपेक्षा की, जिस पर गर्मजोशी के साथ श्री भाँगडिया ने अपना सिर हिलाकर न केवल कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग का ठोस आश्वासन दिया, बल्कि सभी को आश्वस्त किया कि वे बैंक को ऊँचाई तक ले जाने में कोई कसर नहीं छोडेंगे।

उत्साह से आगे बढ़ेंगे : वाईस चेयरमैन राठी

वाईस चेयरमैन श्री गोविन्द नारायण राठी ने भी अंशधारकों व शुभचिंतकों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि नई टीम उमंग और उत्साह के साथ आगे बढ़ेगी। श्री राठी ने जोर देकर कहा कि बैंक का पुराना वैभव लौटाने तक हम चैन से नहीं बैठेंगे। पूर्व चेयरमैन श्री रमेश कुमार बंग ने टीम संस्थापक को मिली अपार सफलता के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि अब हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम उन वादों को जल्द से जल्द पूरा करें, जो हमने लोगों को दिए हैं।

इससे पूर्व दोपहर 1.00 बजे सभी नवनिर्वाचित निदेशक सर्वश्री सीए मुरली मनोहर पलोड, गोविन्द नारायण राठी, देवेंद्र झँवर, अमित लड्डा (गग्गु), कैलाश नारायण भाँगडिया, दीपक कुमार बंग, कैलाश मंत्री, मनोज लोया, मुकुंद लाल बाहेती, पवन कुमार लोहिया, रूपेश सोनी, विनोद कुमार बंग, सीए अल्का झँवर व कविता तोष्णीवाल सीधे लकड़ी का पुल स्थित जिलाधीश कार्यालय पहुंचे, जहाँ निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी हरिचंदना दासरी ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए नियुक्ति पत्र सौंपे। यही औपचारिक शपथ-ग्रहण कार्यक्रम भी था।

यहाँ से बैंक मुख्यालय बंजारा हिल्स पहुंचने पर नये निदेशकों का गाजे-बाजे के साथ परिजनों, शुभचिंतकों, बैंक के स्टाफ कर्मियों व पूर्व चेयरमैन श्री रमेश बंग आदि ने भव्य स्वागत किया। कई समाजों की ओर से भी नये निदेशक मंडल का स्वागत किया गया।

गौरतलब है कि गत 7 दिसंबर को हुए मतदान और 8 को हुई मतगणना के नतीजे 16 को जारी किए गये थे। 18 को चेयरमैन व वाईस चेयरमैन पदों के लिए दो ही नाम आये, जिन पर सर्वसम्मति से मुहर लग गई। चूंकि सहकारी कानून में बदलाव हुआ है इसलिए इस बार कोई सीनियर वाईस चेयरमैन पद नहीं होगा।

ज्ञातव्य है कि इससे पूर्व वर्ष 2020 में पुरुषोत्तमदास मानधना को सीनियर वाईस चेयरमैन बनाया गया था, जबकि लक्ष्मीनारायण राठी वाईस चेयरमैन थे।

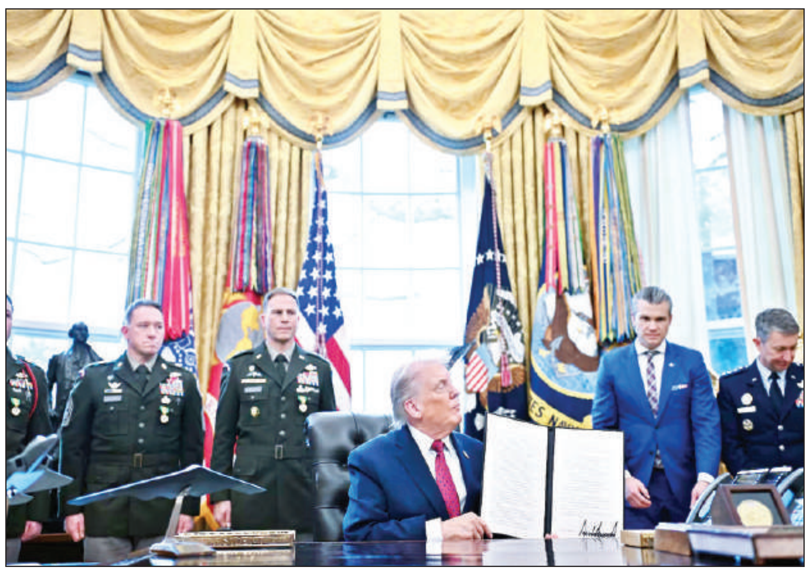

ट्रंप ने फेंटानिल को घोषित किया सामूहिक विनाश का हथियार

वाशिंगटन,19 दिसंबर (एजेंसियां) ।

फेंटानिल के बढ़ते खतरे को देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस खतरनाक ड्रग्स को आधिकारिक तौर पर 'सामूहिक विनाश का हथियार' घोषित किया गया है। यह आदेश ओवल ऑफिस में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन, व्हाइट हाउस के सीमा मामलों के प्रमुख टॉम होमन और अन्य शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में जारी किया गया। हस्ताक्षर के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि फेंटानिल वास्तव में सामूहिक विनाश का हथियार है, क्योंकि यह जिस पैमाने पर अमेरिकी नागरिकों की जान ले रहा है, वह किसी पारंपरिक बम या हथियार से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई भी बम वह तबाही नहीं मचा सकता, जो यह खतरनाक सिंथेटिक ड्रग कर रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस नए वर्गीकरण के व्यावहारिक प्रभाव क्या होंगे, इस पर अभी पूरी तस्वीर साफ नहीं है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इससे फेंटानिल की लत के शिकार लोगों के इलाज, पुनर्वास या तस्करी में शामिल अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में किस तरह के ठोस बदलाव आएंगे।

आमतौर पर 'सामूहिक विनाश का हथियार' शब्द का इस्तेमाल परमाणु, रासायनिक, जैविक या साइबर हथियारों के लिए किया जाता है, जो बड़े पैमाने पर जनसंहार और दीर्घकालिक नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखते हैं। ऐसे में फेंटानिल को इस श्रेणी में शामिल करना अमेरिकी नीति में एक असाधारण कदम माना जा रहा है। इस कार्यकारी आदेश में गृह सुरक्षा मंत्री को निर्देश दिया गया है कि वे उन्हीं खुफिया संसाधनों और तरीकों का इस्तेमाल करें, जिनका उपयोग अब तक सामूहिक विनाश के अन्य हथियारों का पता लगाने में किया जाता रहा है, ताकि फेंटानिल की तस्करी में शामिल गिरोहों की पहचान की जा सके। इसके साथ ही आदेश में विदेश विभाग और वित्त विभाग को भी अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों विभागों को फेंटानिल की तस्करी से जुड़े वित्तीय संस्थानों, नेटवर्क और संगठनों पर प्रतिबंध लगाने तथा उनकी संपत्तियां जब्त करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में यह भी कहा गया है कि फेंटानिल और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए पेंटागन और न्याय विभाग के बीच सहयोग और समन्वय को और मजबूत किया जाए। गौरतलब है कि इससे पहले भी ट्रंप प्रशासन ने साल की शुरुआत में कुछ ड्रग तस्करी गिरोहों को आतंकवादी संगठनों के रूप में नामित किया था। इस फैसले से सशस्त्र बलों और घरेलू कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिला, लेकिन कई कानूनी विशेषज्ञों ने इसकी वैधता और दायरे पर सवाल खड़े किए थे। आलोचकों का मानना है कि इस तरह के कदमों से सैन्य और नागरिक कानून प्रवर्तन की सीमाएं धुंधली हो सकती हैं। इसी बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने एक और संकेत दिया है कि उनका प्रशासन गांजे को फिर से कम खतरनाक मादक पदार्थ के रूप में वर्गीकृत करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग इस बदलाव की मांग कर रहे हैं और सरकार इस पर गंभीरता से विचार कर रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

बेलारूस में तैनात हुई रूस की नई 'ओरेशनिक' मिसाइल, लुकाशेंको का दावा

मीन्स्क। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने दावा किया है कि रूस ने अपनी नवीनतम परमाणु क्षमता वाली बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली 'ओरेशनिक' को बेलारूस में तैनात कर दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने यह जानकारी दी, हालांकि मिसाइलों की संख्या या उनकी तैनाती से जुड़े अन्य तकनीकी विवरण साझा नहीं किए गए। बेलारूस लंबे समय से मॉस्को का करीबी सहयोगी रहा है। वर्ष 2022 में यूक्रेन पर रूस के व्यापक हमले के दौरान बेलारूस की भूमि का उपयोग सैन्य अभियानों के लिए किया गया था। इसके अलावा, बेलारूस ने रूसी सेना को रसद सहायता, कपड़े और उपकरण भी उपलब्ध कराए हैं, हालांकि उसने अपने सैनिक सीधे तौर पर युद्ध में नहीं उतारे। रूस ने पहली बार 'ओरेशनिक' मिसाइल का इस्तेमाल नवंबर 2024 में यूक्रेन के दिनीप्रो शहर में एक रक्षा उद्योग से जुड़े ठिकाने पर किया था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तब कहा था कि यह हमला यूक्रेन द्वारा अमेरिकी और ब्रिटिश लंबी दूरी की मिसाइलों के रूसी क्षेत्र में उपयोग के जवाब में किया गया। पुतिन ने इस मिसाइल को रोक पाना असंभव बताते हुए इसकी मारक क्षमता की तुलना परमाणु हथियार से की है। हालांकि, कई सैन्य विशेषज्ञ इन दावों पर सवाल उठा रहे हैं। बेलारूस में इस मिसाइल की तैनाती से क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताएं और गहरी हो सकती हैं।

पाकिस्तानी सेना को किराए के गुंडे बनाने वाला असीम मुनीर फिर ट्रंप से मिलने जा रहा

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना को किराए के गुंडे बनाने वाला कोई और नहीं बल्कि खुद उसका सेना

प्रमुख मुल्ला आसिम मुनीर है जो वर्तमान में अपने ही जांल में फंस चुका है। जिस अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ लंच कर करके मुल्ला मुनीर अपनी तारीफें बटोरने में लगा था। उसी ट्रंप ने अब मुनीर को कहीं का नहीं छोड़ा है। दरअसल पाकिस्तान में मुल्ला मुनीर पर इस वक्त डबल मार पड़ी है। जहां उसके एक तरफ कुआं है, दूसरी तरफ खाई है। पाकिस्तान की सेना एक सेना नहीं बल्कि किराए के गुंडे बनकर रह गई। जिसे जब मन होता है भाड़े पर बुला लेता है और यह हम नहीं खुद पाकिस्तानी कह रहे हैं। पीओके की जनता आजादी मांग रही है, तब वहीं आसिम मुनीर फिर ट्रंप के चरणों में गिरने के लिए अमेरिका जा रहा है। पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर जल्द ही अमेरिका दौरे पर जा सकते हैं। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात करने वाले है। जिसमें गाजा में प्रस्तावित इंटरनेशनल फोर्स में पाकिस्तानी सैनिकों की तैनाती पर चर्चा होगी। ट्रम्प के सत्ता में आने के बाद मुनीर अब तक 2 बार अमेरिका जा चुके हैं। यह उनकी तीसरी अमेरिका यात्रा होगी। लेकिन जैसे पहले भी कहा गया था कि ट्रंप का कोई लंच फ्री नहीं होता। वैसे ही इस बार भी ट्रंप उनसे बड़ी कीमत वसूलने वाले हैं। क्योंकि अमेरिका चाहता है कि पाकिस्तान गाजा में अपने सैनिक भेजे और इसी को लेकर चर्चा करने के लिए ट्रंप ने मुनीर को बुलाया है।

फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम को चकमा दे रहे हैं थे कर्मचारी, मचा हंगामा

बीजिंग। चीन के झेजियांग प्रांत के वेनझोउ शहर की नेबरहुड कमेटी के एक ऑफिस में ऐसा फर्जीवाड़ा सामने आया, जिसने पूरे देश में डिजिटल सुरक्षा, ईमानदारी और वर्क-कल्चर पर तीखी बहस छेड़ दी है। मामला तब उजागर हुआ जब ली नाम के एक स्थानीय निवासी ने अधिकारियों को जानकारी दी कि ऑफिस के कई कर्मचारी फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम को चकमा दे रहे हैं। आरोप है कि कर्मचारियों ने अपने सहकर्मियों के चेहरों की हाई-क्वालिटी तस्वीरें प्रिंट करवाई और उन्हें मास्क की शक्ल दे दी। इन नकली चेहरों को पहनकर वे अटेंडेंस मशीन के सामने खड़े हो जाते थे और एक-दूसरे की जगह हाजिरी दर्ज कर देते थे। इसका नतीजा यह हुआ कि कुछ कर्मचारी ऑफिस आए बिना ही अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहे थे और आराम से सैलरी का फायदा उठा रहे थे। यह चाल इतनी शातिर थी कि अगर अटेंडेंस मशीन के ऊपर लगे सर्विलांस कैमरे में पूरी गतिविधि रिकॉर्ड न होती, तो शायद यह फर्जीवाड़ा लंबे समय तक पकड़ में ही नहीं आता।

हादी का पार्थिव शरीर ढाका पहुंचेगा, पूरी रात हिंसा में मीडिया संस्थान आवामी लीग बनी निशाना, बंगबंधु के पैतृक आवास पर भी आगजनी

ढाका, 19 दिसंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश के इंकलाब मंच के नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद देश के विभिन्न हिस्सों में एकबार फिर उपद्रव और हिंसक घटनाओं का दौर शुरू हो गया है। पिछली शाम से जारी यह उपद्रव शुक्रवार सुबह भी जारी रहने की खबर है। हादी समर्थकों ने शुक्रवार तड़के ढाका के कारवान बाजार स्थित डेली स्टार अखबार की इमारत में आग लगा दी।शुक्रवार शाम उस्माद हादी के पार्थिव शरीर के सिंगापुर से बांग्लादेश पहुंचने पर हिंसा की घटनाएं भड़कने का अंदेशा है।एकदिन पहले गुरुवार को सिंगापुर में इलाज के दौरान उस्मान हादी की मौत की खबर मिलते ही विभिन्न हिस्सों में व्यापक रूप से आगजनी और उपद्रव की घटनाएं हुईं।खासतौर पर आवामी लीग के कार्यालयों व नेताओं को निशाना बनाया गया और मीडिया प्रतिष्ठानों को में भी आगजनी की घटनाएं हुई हैं।

चुनाव प्रचार के दौरान हमलावर ने मारी थी गोली – 12 दिसंबर को ढाका के बिजॉयनगर इलाके में चुनाव प्रचार के दौरान अज्ञात हमलावरों ने हादी के सिर में गोली मार दी थी और गंभीर हालत में उन्हें पहले ढाका में भर्ती कराया गया और स्थिति बिगड़ने पर 15 दिसंबर को एयर एम्बुलेंस से सिंगापुर ले जाया गया जहां इलाज के दौरान गुरुवार को हादी की मौत हो गई। गुरुवार रात राष्ट्र को संबोधित करते हुए अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने हादी की मौत की पुष्टि की। इंकलाब मंच के आधिकारिक फेसबुक पेज ने भी गुरुवार रात इस खबर की घोषणा की।

शाम सिंगापुर से ढाका पहुंचेगा हादी का पार्थिव शरीर – हादी का पार्थिव शरीर सिंगापुर से बांग्लादेश पहुंचेगा। इंकलाब मंच के आधिकारिक

फेसबुक पेज के जरिये बताया गया है कि उस्मान हादी को बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस की वाणिज्यिक उड़ान से वापस लाया जाएगा।

हादी की मौत की खबर के साथ पिछली रात से देश में उपद्रव और हिंसक घटनाओं का दौर शुरू हो गया जो शुक्रवार तड़के तक जारी रहा। इस दौरान पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और भारत के खिलाफ नारेबाजी की गई। इस बात की आशंका जताई जा रही है कि शाम हादी के पार्थिव शरीर के सिंगापुर से बांग्लादेश पहुंचने पर नये सिरे से हंगामे का दौर शुरू हो सकता है।

बंगबंधु के पैतृक आवास पर आगजनी – हादी की मौत की खबर से भड़के समर्थकों ने धनमंडी 32 स्थित बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के पैतृक घर में आग लगा दी। इससे पहले भी दंगाइयों ने पिछले साल इस घर में आगजनी की थी।

मीडिया समूह डेली स्टार कार्यालय पर हमला – उधर, ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार तड़के ढाका के कारवान बाज़ार स्थित डेली स्टार अखबार की इमारत में गुस्साई भीड़ ने आग लगा दी। दमकल कर्मियों की छह इकाइयों ने सुबह तक आग पर काबू पा लिया। घटना के दौरान पत्रकारों समेत कई कर्मचारी इमारत के अंदर फंस गए थे। बांग्लादेश सेना के जवान इलाके की सुरक्षा में जुटे रहे, जबकि भीड़ इमारत के सामने जमा हो गई।

प्रोथोम आलो कार्यालय पर हमला व आगजनी – इससे पहले पिछली रात एक अन्य प्रतिष्ठित मीडिया समूह प्रोथोम आलो को हादी के उग्र समर्थकों ने निशाना बनाया। राजधानी के कावरान बाज़ार स्थित बांग्ला दैनिक प्रोथोम आलो के मुख्य कार्यालय पर गुरुवार देर रात हमला, तोड़फोड़ और आगजनी की घटना घटी। उग्र भीड़ ने प्रोथोम आलो कार्यालय पहुँचकर पूरी इमारत को घेर कर नारेबाजी की। उसके बाद रात करीब 11:45 बजे लाठी-डंडों और छड़ों से लैस प्रदर्शनकारियों ने कार्यालय में तोड़फोड़ की। मेजें, कुर्सियाँ और महत्वपूर्ण दस्तावेज निकालकर सड़क पर आग लगा दी। इस दौरान काफी संख्या में पत्रकार और दूसरे कर्मचारी कार्यालय के भीतर फंसे हुए थे।

प्रोथोम आलो की तरफ से पाठकों से माफी मांगते हुए कहा गया है कि गुरुवार रात कार्यालय में हुए बड़े पैमाने पर हमले, तोड़फोड़ और आगजनी के कारण सामान्य कामकाज संभव नहीं हो पाया। नतीजतन, अखबार का का संस्करण प्रकाशित नहीं हो सका। इसका ऑनलाइन पोर्टल भी अस्थायी रूप से अनुपलब्ध है। क्षतिग्रस्त तकनीकी प्रणालियों को यथाशीघ्र ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है।

बीएनपी महासचिव ने मीडिया पर हमले की निंदा की – बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) महासचिव मिर्ज़ा फ़खरुल इस्लाम आलमगीर ने द डेली स्टार, प्रोथोम आलो, न्यू एज के संपादक नूरुल कबीर और अन्य मीडियाकर्मियों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की हिंसा करने वाले 'बांग्लादेश के दुश्मन' हैं। उन्होंने कहा कि जब शोक संतप्त राष्ट्र शरीफ उस्मान हादी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहा था, तब द डेली स्टार और प्रोथोम आलो सहित मीडिया संगठनों, साथ ही सम्मानित पत्रकार नूरुल कबीर और कई अन्य लोगों पर शर्मनाक हमले किए गए। एक फेसबुक पोस्ट में फ़खरुल ने कहा कि बांग्लादेश एक संप्रभु और स्वतंत्र देश है और सरकार प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि जो लोग राष्ट्रीय संकट का फायदा उठाने के लिए उसका इंतजार करते हैं, वे देश के दुश्मन हैं। उन्होंने इस दुखद क्षण को विनाश के कृत्य में बदल दिया। बीएनपी नेता कहा कि हादी आगामी राष्ट्रीय चुनाव में उम्मीदवार थे और लोगों से वोट मांगने गए थे। उन्होंने कहा कि चुनाव होंगे और बांग्लादेश में जनता द्वारा चुनी गई लोकतांत्रिक सरकार बनेगी।

शरीफ उस्मान हादी का परिचय – जुलाई 2024 के शेख हसीना सरकार के खिलाफ आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने वाले हादी ने अवामी लीग पर संवैधानिक प्रतिबंध की मांग की थी। शेख हसीना के कट्टर विरोधी रहे हादी भारत के खिलाफ भी समय-समय पर जहर उगलते रहे थे।

काठमांडू से भैरहवा ले जाकर पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने को किया जाएगा रिहा

काठमांडू, 19 दिसंबर (एजेंसियां) ।

नेपाल में काठमांडू स्थित नक्खु कारागार में हिरासत में रखे गए राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के नेता एवं देश के उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने को उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार रिहाई की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए शुक्रवार को भैरहवा जिला अदालत में पेश किया जाएगा। लंबे समय तक चली हिरासत और कानूनी जटिलताओं के बाद उच्च न्यायालय के आदेश के साथ ही रवि लामिछाने की रिहाई होनी है।

उच्च न्यायालय तुलसीपुर की बुटवल पीठ द्वारा जमानत लेकर लामिछाने को रिहा करने का आदेश दिए जाने के बाद उन्हें काठमांडू से रुपन्देही ले जाया गया है। उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार जिला स्तर पर आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें रिहा करने की व्यवस्था की गई है। उच्च न्यायालय के सूचना अधिकारी रामबहादुर कुँवर के अनुसार, लामिछाने की रिहाई के लिए आवश्यक बैंक जमानत पहले ही जमा कर दी गई है। अब केवल उन्हें अदालत में उपस्थित कराने और प्रशासनिक औपचारिकताएँ पूरी करना बाकी है।

इससे पहले लामिछाने ने जिला अदालत के माध्यम से जमानत पर रिहा होने के लिए बैंक गारंटी प्रस्तुत की थी, लेकिन जिला अदालत ने उसे पर्याप्त आधार न मानते हुए रिहा करने से इनकार कर दिया था। जिला अदालत के फैसले के खिलाफ लामिछाने उच्च अदालत पहुँचे थे। उच्च अदालत के न्यायाधीश वासुदेव आचार्य और तेजनारायण पौडेल की पीठ ने शर्तों के साथ उनकी रिहाई का रास्ता खोल दिया। अदालत ने यह शर्त भी रखी है कि यदि मामले के अंतिम फैसले के दौरान धरौटी से अधिक राशि तय होती है, तो उसे भी स्वीकार करना होगा। लामिछाने की ओर से सभी कानूनी शर्तें और वित्तीय जमानत की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुक्रवार को उन्हें भैरहवा लाकर रिहा किया जाएगा।

19 को पृथ्वी के सबसे करीब से गुजरेगा सौरमंडल के बाहर से आया 'एलियन' धूमकेतु

वाशिंगटन। इन दिनों वैज्ञानिकों की नजरें अंतरिक्ष के दुर्लभ और रहस्यमय मेहमान पर टिकी हैं, जो सौरमंडल के बाहर से आया है और अब पृथ्वी के करीब पहुंचने वाला है। इस इंटरस्टेलर धूमकेतु का नाम 3आई/एटल्स है, जो शुक्रवार 19 दिसंबर को पृथ्वी के सबसे करीब से गुजरेगा। यह घटना इसलिए खास है क्योंकि ऐसा धूमकेतु किसी दूसरे तारा मंडल में बना होता है, कुछ समय के लिए हमारे सौरमंडल में प्रवेश करता है और फिर वापस अंतरिक्ष की गहराइयों में चला जाता है। इसी वजह से वैज्ञानिक इसे 'एलियन मेहमान' भी कह रहे हैं। 3आई/एटल्स की खोज 1 जुलाई को चिली में स्थित नासा द्वारा फंड किए गए एटल्स टेलीस्कोप से की गई थी। यह अब तक तीसरा इंटरस्टेलर ऑब्जेक्ट है। इससे पहले 2017 में 1आई/ओउमुआमुआ और 2019 में कॉमेट 2आई/बोरिसोव ने वैज्ञानिकों को चौंकाया था। 3आई/एटल्स की गति और कक्षा का अध्ययन करने के बाद वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि यह हमारे सौरमंडल का नहीं है, बल्कि किसी अन्य तारे के आसपास बना और अब संयोगवश हमारे क्षेत्र से होकर गुजर रहा है।

एक संप्रभु और स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना के पक्ष में भारत-ओमान

मस्कट, 19 दिसंबर (एजेंसियां) ।

ओमान की राजधानी मस्कट स्थित अल बराका पैलेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद के बीच एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई। जिसमें सबसे पहले दोनों देशों के बीच हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीपा) का दोनों शीर्ष नेताओं ने स्वागत किया। वहीं, उनकी चर्चा में द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न मुद्दों के अलावा साझा हितों से संबंधित महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक मामले (गाजा संकट, आतंकवाद) भी प्रमुखता के साथ शामिल किए गए। बैठक के बाद विदेश मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संयुक्त बयान के मुताबिक, पीएम मोदी और सुल्तान अल सईद ने गाजा में बने हुए मानवीय संकट पर चिंता जताते हुए क्षेत्र में रह रहे आम लोगों तक सुरक्षित और समयबद्ध ढंग से मानवीय सहायता पहुंचाने पर

जोर दिया है। गाजा शांति समझौते के पहले चरण का दोनों नेताओं ने स्वागत करते हुए इसके लिए अपनी ओर से समर्थन देने का ऐलान किया। इलाके में शांति-स्थिरता बहाली के लिए जारी सभी प्रयासों में समर्थन देने के लिए भी पीएम मोदी और ओमान के सुल्तान बैठक में एकमत नजर आए और उन्होंने बातचीत और कूटनीति के जरिए इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की आवश्यकता पर भी बल दिया है। जिसमें एक संप्रभु और स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना भी शामिल है। बैठक के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने ओमान के सुल्तान को उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया। आतंकवाद की कड़ी निंदा की बैठक में दोनों ने आतंकवाद की उसके सभी रूपों, प्रकारों और अभिव्यक्तियों के साथ कड़ी निंदा की और इस बात को दोहराया कि ऐसे कृत्यों के समर्थन में दी जाने वाली किसी भी दलील या तर्क को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

एच1बी वीजा को लेकर बढ़ेंगी भारतीयों की मुश्किलें, साक्षात्कारों को अक्टूबर तक के लिए टाला

वाशिंगटन,19 दिसंबर (एजेंसियां) ।

एच1बी वीजा के मामले में भारतीयों को अमेरिका की तरफ से फिलहाल कोई राहत मिलती हुई नजर नहीं आ रही है। उलटा अब उसके एक नए कदम ने इस वीजा के माध्यम से हर साल बड़ी तादाद में अमेरिका जाने का सपना देखने वाले देश के नागरिकों (खासकर छात्रों, पेशेवरों) की मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। जिसमें अमेरिका ने एच1बी और एच-4 वीजा से जुड़े हुए सभी आवेदकों को साक्षात्कार के लिए पूर्व में प्रदान की गई फरवरी-मार्च 2026 की समयसीमा को अब आगे बढ़ाकर अक्टूबर-2026 तक के लिए टाल दिया है। भारत में अमेरिका के वाणिज्य दूतावास ने वीजा संबंधी इंटरव्यू को री-स्केड्यूल करने के पीछे की वजह आवेदकों की सोशल मीडिया स्क्रीनिंग का दायरा बढ़ाया जाना बताया है। अमेरिका के इस कदम से इन दोनों वीजा को पाने के इंतजार में बीते काफी वक्त से बैठे हुए भारतीयों के मन में गंभीर असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो

गई है। पूर्व में इस संबंध में उन्हें अगले साल फरवरी और मार्च महीने में इंटरव्यू की तारीख दी गई थी। लेकिन अब एक बार फिर से इसे अक्टूबर-2026 तक के लिए टाल दिया गया है।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अवैध प्रवासियों के मामले में अपने सख्त रुख पर कायम हैं। इसी के तहत उन्होंने पहले लिए गए अपने एक निर्णय में एच1बी वीजा की फीस को कई गुना बढ़ाकर 1 लाख डॉलर यानी लगभग 88 लाख रुपए तक कर दिया था और उसके बाद हाल ही में इससे जुड़े तमाम वीजा आवेदकों के सोशल मीडिया खातों की भी गहन जांच-पड़ताल को भी अनिवार्य कर दिया है। जिसके पीछे अमेरिकी प्रशासन ने यह तर्क दिया है कि इससे अमेरिका का उद्देश्य हमारे देश में आने वाले लोगों की मानसिकता, विचारों का पता लगाना है कि वो अमेरिका के लिए हितकर भी रहेंगे या नहीं। साथ ही ये भी कहा कि अमेरिका का वीजा कोई अधिकार नहीं बल्कि एक विशेषाधिकार है।

फिल्म 'धुरंधर' के बाद फिर चर्चा में रहमान डकैत, मौत की कहानी पर उठे सवाल

इस्लामाबाद। आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' के रिलीज होते ही पाकिस्तान के आपराधिक अंडरवर्ल्ड और माफिया नेटवर्क को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। खास तौर पर फिल्म में दिखाए गए ल्यारी इलाके के कुख्यात गैंगस्टर रहमान डकैत को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं। फिल्म में उसकी मौत को जिस तरह दिखाया गया है, उसे लेकर कहा जा रहा है कि कहानी अधूरी और सरल बनाई गई है, जबकि असल जिंदगी में रहमान डकैत की मौत का मामला कहीं ज्यादा जटिल और विवादों से भरा हुआ था। फिल्म की कहानी के अनुसार, ल्यारी पर कब्जे की जंग में हमजा नाम का किरदार रहमान डकैत के खिलाफ साजिश रचता है। इस साजिश के तहत रहमान को सुनसान इलाके में ले जाया जाता है, जहां एक पुलिस अधिकारी उसे गोली मारता है। फिल्म में यह दिखाया गया है कि रहमान को इस तरह घायल किया जाता है कि वह कुछ समय तक जीवित रहे और हमजा अपनी योजना को अंजाम दे सके। अंत में अस्पताल पहुंचने के बाद उसकी मौत हो जाती है।

योग ने पूरी दुनिया को स्वास्थ्य, संतुलन और सामंजस्य का रास्ता दिखाया : मोदी

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली में आयोजित विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरे वैश्विक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। उन्होंने वैश्विक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज डब्ल्यूएचओ ग्लोबल समिट ऑन ट्रेडिशनल मेडिसिन समिट का समापन दिन है। पिछले तीन दिनों में यहां पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े दुनियाभर के विशेषज्ञों ने गंभीर और सार्थक चर्चा की है। मुझे खुशी है कि इसके लिए भारत एक मजबूत प्लेटफॉर्म का काम कर रहा है और इसमें डब्ल्यूएचओ की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं इस सफल आयोजन के लिए डब्ल्यूएचओ का, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय का और यहां उपस्थित सभी प्रतिभागियों के हृदय से आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए गौरव की बात है कि डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन भारत के जामनगर में स्थापित हुआ है। 2022 में ट्रेडिशनल मेडिसिन की पहली समिट को विश्व ने बड़े भरोसे के साथ भारत को सौंपा था। हम सबके लिए खुशी की बात है कि इस ग्लोबल सेंटर का यश और प्रभाव ग्लोबली एक्सपेंड कर रहा है। इस समिट की सफलता इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि इस समिट में ट्रेडिशनल नॉलेज और मॉर्डन प्रैक्टिस का संगम हो रहा है। समिट में विभिन्न देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों और प्रतिनिधियों के बीच विस्तार से संवाद भी हुआ है। इस संवाद ने जॉइंट रिसर्च को बढ़ावा दिया है, नियमों को सरल बनाया है, और ट्रेनिंग और नॉलेज शेयरिंग के लिए नए रास्ते खोले हैं। ये सहयोग

आगे चलकर ट्रेडिशनल मेडिसिन को अधिक सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि इस समिट में कई अहम विषयों पर सहमति बनना हमारी मजबूत साझेदारी का प्रतिबिंब है, रिसर्च को मजबूत करना, ट्रेडिशनल मेडिसिन के क्षेत्र में डिजिटल टेक्नोलॉजी का यूज बढ़ाना, और ऐसे रेगुलेटरी फ्रेमवर्क तैयार करना जिन पर पूरी दुनिया भरोसा कर सके। ऐसे मुद्दे ट्रेडिशनल मेडिसिन को सशक्त करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली का एक अहम हिस्सा योग भी है। योग ने पूरी दुनिया को स्वास्थ्य, संतुलन और सामंजस्य का रास्ता दिखाया है। भारत के प्रयासों और 175 से ज्यादा देशों के सहयोग से संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को योग दिवस घोषित किया गया था। बीते वर्षों में हमने योग को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचते देखा है। योग पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों का अभिन्न अंग है। इसने विश्व को स्वास्थ्य, संतुलन और सामंजस्य का मार्ग दिखाया है।

उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में डब्ल्यूएचओ के साउथ-ईस्ट एशिया रीजनल ऑफिस का उद्घाटन भी किया गया है। ये भारत की तरफ से एक विनम्र उपहार है। यह एक ऐसा ग्लोबल हब है, जहां से रिसर्च, रेगुलेशन और कैपेसिटी बिल्डिंग को बढ़ावा मिलेगा। आयुर्वेद में बैलेंस, अर्थात् संतुलन, को स्वास्थ्य का पर्याय कहा गया है। जिसके शरीर में ये बैलेंस बना रहता है, वही स्वस्थ है, वही हेल्दी है। रिस्टोरिंग बैलेंस आज ये केवल एक ग्लोबल कॉज ही नहीं है, बल्कि ये एक ग्लोबल अर्जेंसी भी है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जीवन शैली में अचानक से आ रहे इतने बड़े बदलाव, शारीरिक श्रम के बिना संसाधनों और सुविधाओं की सहूलियत, इससे मानव शरीर के लिए अप्रत्याशित चुनौतियां पैदा होने जा रही हैं, इसलिए ट्रेडिशनल हेल्थकेयर में हमें केवल वर्तमान की जरूरतों पर ही फोकस नहीं करना है।

उन्होंने कहा कि हमारी साझा जिम्मेदारी आने वाले भविष्य को लेकर भी है। जब पारंपरिक चिकित्सा की बात होती है, तो एक सवाल स्वाभाविक रूप से सामने आता है। ये सवाल सुरक्षा और प्रमाण से जुड़ा है। भारत आज इस दिशा में भी लगातार काम कर रहा है। यहां इस समिट में आप सभी ने अश्वगंधा का उदाहरण देखा है।सदियों से इसका उपयोग हमारी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में होता रहा है।

कोविड-19 के दौरान इसकी वैश्विक मांग तेजी से बढ़ी और कई देशों में इसका प्रयोग होने लगा। भारत अपनी रिसर्च और साक्ष्य-आधारित सत्यापन के माध्यम से अश्वगंधा को प्रामाणिक रूप से आगे बढ़ा रहा है।

बांग्लादेश की स्थिति पर करीब से नजर, भारत किसी भी हालात से निपटने को तैयार : त्रिपुरा सीएम

अगरतला,19 दिसंबर (एजेंसियां)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शुक्रवार को कहा कि भारत सरकार बांग्लादेश में उभरती स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है और किसी भी संभावित चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद पड़ोसी देश में कई चिंताजनक और विध्वंसक घटनाएं सामने आई हैं। मौजूदा हालात पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम साहा ने बताया कि त्रिपुरा सरकार सीमा पार उत्पन्न हालात से जुड़े सभी घटनाक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट नियमित रूप से केंद्र सरकार को भेज रही है।

सीएम ने एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान कहा, बांग्लादेश की जेलों से कुख्यात आतंकियों, अपराधियों और विभिन्न मामलों में शामिल लोगों को रिहा किया गया है।

उन्होंने कहा कि भारत और उसकी सशस्त्र सेनाएं हर स्थिति से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल बांग्लादेश में हो रहे घटनाक्रम से पूरी तरह अवगत है और स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है।

सीएम साहा ने कहा, हमारी ड्रोन निगरानी प्रणालियों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। एस-

400 मोबाइल लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एसएएम) प्रणाली पहले ही अपनी क्षमताएं साबित कर चुकी है। उन्होंने जोड़ा कि सीमा पर सुरक्षा इंतजाम मजबूत हैं और सभी आवश्यक उपाय किए गए हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि जून-जुलाई 2024 में बांग्लादेश में हिंसा भड़कने के बाद, विशेषकर 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद, अर्धसैनिक बलों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है और सीमा प्रभुत्व को और सख्त किया गया है।

गौरतलब है कि त्रिपुरा की बांग्लादेश के साथ 856 किलोमीटर लंबी सीमा है और राज्य तीन ओर से पड़ोसी देश से घिरा होने के कारण सीमा पार घटनाक्रमों के प्रति अत्यंत संवेदनशील बना हुआ है।इस बीच, मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कट्टरपंथी संगठन 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की 18 दिसंबर को गोली लगने से मौत के बाद बांग्लादेश के विभिन्न शहरों में हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। हादी सिंगापुर के एक अस्पताल में इलाजरत थे।

इससे पहले 17 दिसंबर को विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के भारत स्थित उच्चायुक्त रियाज़ हमीदुल्लाह को तलब कर बांग्लादेश में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर नई दिल्ली की गंभीर चिंताओं से अवगत कराया था।

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत बांग्लादेश में हिंसा में तेज वृद्धि और कानून-व्यवस्था की स्थिति के और खराब होने की खबरें सामने आ रही हैं।

मासूम बच्ची नूर के दोषियों को मिले सख्त से सख्त सजा : दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़,19 दिसंबर (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि डबवाली में मासूम बच्ची नूर का अपहरण के बाद हत्या करने वाले सभी दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। वे शुक्रवार को गांव रामपुरा बिश्नोईयां पहुंचकर पीड़ित परिवार से मिले। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि यह घटना बेहद हृदयविदारक है और इस अमानवीय कृत्य ने पूरे समाज की आत्मा को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घृणित और असंवेदनशील मानसिकता का सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं हो सकता। दिग्विजय चौटाला ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि इस जघन्य अपराध में शामिल दोषियों के खिलाफ कानून के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें सख़्त से सख़्त सजा दी जाए, ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी घटनाओं को अंजाम देने का दुस्साहस न कर सके। दिग्विजय ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया और कहा कि जेजेपी इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज को एकजुट होकर ऐसे अपराधों के खिलाफ आवाज बुलंद करनी होगी, ताकि बेटियां सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण में जीवन जी सके।

भारत-ओमान फ्री ट्रेड एग्रीमेंट अगले तीन महीनों में लागू होगा : गोयल

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और ओमान कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) अगले तीन महीनों में लागू हो सकता है। इससे भारत और ओमान के बीच ज्यादातर वस्तुओं में शून्य शुल्क के साथ व्यापार हो पाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा,ओमान और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता 2006 में साइन हुआ था और इससे लागू होने में तीन साल का समय लगा था। इस अनुभव से सीखते हुए भारत और ओमान ने नए सीईपीए को जितना जल्दी तो उतना जल्दी लागू करने का फैसला किया है। इस समझौते में उन भारतीय दवा उत्पादों और मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स के लिए 90 दिनों के भीतर ऑटोमेटिक एप्रूवल का प्रावधान है जिन्हें कई देशों द्वारा मान्यता प्राप्त है।

भारत और ओमान सीईपीए गुरुवार को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मस्कट यात्रा के दूसरे दिन साइन हुआ था।

यह समझौता भारत को ओमान के बाजारों तक पहुंच प्रदान करता है, जिसमें ओमान की 98.08 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर जीरो ड्यूटी की पेशकश की गई है, जो वैल्यू के हिसाब से भारत के 99.38 प्रतिशत निर्यात को कवर करती है। इससे लेबर-इंटेंसिव सेक्टर्स को काफी फायदा होगा, रोजगार पैदा होंगे और एमएसएमई, कारीगरों और महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को मजबूती मिलेगी।

सीईपीए से टेक्सटाइल, लेदर, फुटवियर, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, प्लास्टिक, फर्नीचर, कृषि उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, मेडिकल डिवाइस और ऑटोमोबाइल जैसे प्रमुख एक्सपोर्ट सेक्टर को पूरी तरह से टैरिफ खत्म होने से फायदा होगा, जिससे भारत की मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट कॉम्पिटिटिवनेस मजबूत होगी। साथ ही हमारे किसानों और छोटे व्यवसायों के हितों की रक्षा के लिए भारत के संवेदनशील सेक्टरों को सुरक्षा दी गई है।

वहीं, भारत की ओर से ओमान के लिए अपनी 77.79 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर टैरिफ कम किया गया है, जो वैल्यू के हिसाब से भारत के ओमान से 94.81 प्रतिशत आयात को कवर करती हैं।

यह समझौता सेवाओं के व्यापार के लिए एक व्यापक और भविष्योन्मुखी ढांचा प्रदान करता है, जिसमें आईटी, व्यावसायिक और पेशेवर सेवाएं, आरएंडडी, शिक्षा, स्वास्थ्य और ऑडियो-विजुअल सेवाएं शामिल हैं। सीईपीए की एक मुख्य बात यह है कि कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले सर्विस सप्लायर्स के लिए रहने की अनुमति की अवधि को 90 दिन से बढ़ाकर दो साल कर दिया गया है और इसे दो साल और बढ़ाया जा सकता है। इससे दोनों देशों को फायदा होगा।

वीबी-जी राम जी के जरिए केंद्र सरकार देश को राम के भरोसे छोड़ना चाहती है : डिंपल

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां)। सपा सांसद डिंपल यादव ने केंद्र सरकार के 'जी राम जी' बिल को लेकर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा इस बिल के जरिए सरकार पूरे देश के लोगों, युवाओं, किसानों और महिलाओं को भगवान राम की दया पर छोड़ना चाहती है। यह एक तरह से महात्मा गांधी का अपमान है। नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जिस तरह मनरेगा गांव-गांव तक पहुंची थी, भाजपा को इसमें अब कुछ नया नहीं करना था पर उसे प्रचार-प्रसार में बस राम का प्रयोग करना है। इसका कोई औचित्य नहीं है। यह गलत हो रहा है। सपा सांसद आरके चौधरी के 'शव जलाने और होलिका दहन से वायु प्रदूषण' वाले बयान पर जब सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा कि हमें प्रदूषण को गंभीरता से लेना होगा। हम हर बार किसानों पर ठीकरा नहीं फोड़ सकते। दिल्ली और केंद्र में भाजपा की सरकार है। प्रदूषण को लेकर गंभीरता से सोचते हुए जरूरी और ठोस कदम उठाने की जरूरत है। प्रदूषण के कारण बच्चों और बुजुर्गों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़

रहा है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर और दीपेंद्र हुड्डा ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर अपनी बात रखी। शशि थरूर ने कहा कि हम एक लोकतंत्र हैं। हमारे पास अपने विचार व्यक्त करने के कई तरीके हैं। हमारे पास कई रास्ते हैं, इसलिए मुझे अस्थिरता की चिंता नहीं है। हम बांग्लादेश नहीं हैं, लेकिन साथ ही हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि बांग्लादेश में शांति बनी रहे।

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि सच तो यह है कि बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता उस देश के हित में नहीं है और वहां कुछ ताकतें हैं जो इसका इस्तेमाल अपने स्वार्थी हितों के लिए कर रही हैं। इनमें भारत-विरोधी ताकतें भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और हिंदुस्तान की दोस्ती रही है। 1971 में बांग्लादेश अलग देश बना, उस समय भारत ने पूरी दुनिया के सामने स्टैंड लिया। अच्छी दोस्ती रही है। दोनों मुल्कों की दोस्ती दक्षिण एशिया के लिए महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश में जो लोग हैं, वे दोनों मुल्कों के संबंध खराब नहीं चाहते।

प्रदूषण को लेकर उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य है कि सत्र की समाप्ति पर वायु प्रदूषण पर चर्चा नहीं की गई। मैंने कोशिश की, लेकिन सरकार को वायु प्रदूषण दिखाई नहीं दे रहा है। अगर हम जनता और संसद की आवाज को लेकर नहीं चलेंगे तो अमेरिकी संसद में चर्चा होगी। मुझे दुख है कि इस सत्र में प्रदूषण पर चर्चा के लिए समय नहीं था।

केएमवीएसटीडीसीएल घोटाला: पूर्व मंत्री बी नागेंद्र की 8.07 करोड़ की संपत्ति कुर्क

बेंगलुरु,19 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बेंगलुरु जोनल ऑफिस ने कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम (केएमवीएसटीडीसीएल) के फंड में कथित गबन और हेराफेरी के मामले में बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत पूर्व मंत्री बी नागेंद्र की लगभग 8.07 करोड़ रुपए की चार अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर दिया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कुर्क की गई संपत्तियों में आवासीय एवं वाणिज्यिक जमीन और इमारतें शामिल हैं। ईडी की ओर से जारी प्रेस नोट में बताया गया कि यह कार्रवाई उन मामलों की जांच का हिस्सा है, जिनमें कर्नाटक पुलिस तथा सीबीआई, बेंगलुरु की बैंकिंग सिक्योरिटीज एंड फ्रॉड ब्रांच ने केएमवीएसटीडीसीएल फंड के दुरुपयोग तथा धन के गैरकानूनी हस्तांतरण को लेकर कई एफआईआर दर्ज की थीं। शिकायतों के अनुसार, निगम के लिए जारी धनराशि का उपयोग अनुसूचित जनजाति समुदायों के कल्याण के बजाय निजी फायदे और अवैध लेनदेन में किया गया।फंड घोटाले के संदर्भ में ईडी ने पहले कर्नाटक सहित कई राज्यों में तलाशी अभियान चलाया था और फिर बी नागेंद्र सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 9 सितंबर 2024 को 25 आरोपियों और संबंधित संस्थाओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने अभियोजन शिकायत दाखिल की, जिसमें बी नागेंद्र को भी आरोपी बनाया गया। पांच अक्टूबर 2024 को बेंगलुरु की अदालत ने इस शिकायत पर संज्ञान भी ले लिया।इससे पहले, ईडी ने 26 अगस्त को एक अस्थायी कुर्की आदेश जारी कर अन्य आरोपियों की लगभग 4.94 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्तियों को अटैच किया था।

ऑनलाइन पोर्नोग्राफी रोकने के लिए सरकार उठाए कड़े कदम : हनुमान बेनीवाल

नागौर,19 दिसंबर (एजेंसियां)। कानून, नियम, तकनीक और जागरूकता,इन चारों स्तरों पर प्रभावी उपाय करने से ही ऑनलाइन पोर्नोग्राफी व उससे जुड़ी हानियों पर प्रभावी नियंत्रण हो सकेगा यह बात राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने शुक्रवार को समाप्त हुए लोक सभा के शीतकालीन सत्र में उनके द्वारा ऑनलाइन पोर्नोग्राफी पर रोक लगाने हेतु की गई मांग से जुड़े प्रश्न पर इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद द्वारा दिए गए जवाब के बाद कही , सांसद हनुमान बेनीवाल ने अपने मूल सवाल में महिलाओं और नाबालिगों के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देने वाले ऑनलाइन पोर्नोग्राफी पर रोक लगाने व सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर बच्चों तक ऐसी सामग्री पहुंचने से रोकने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों के बारे में भी जानकारी पूछी जिस पर मंत्री जितिन प्रसाद ने यह भी बताया किमंत्री ने यह भी बताया कि आईटी अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 (आईटी नियम, 2021) ने मिलकर डिजिटल स्पेस में गैरकानूनी और हानिकारक सामग्री से बचने के ढांचा तैयार किया है,यह जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए मध्यस्थों पर

स्पष्ट दायित्व लगाता है। आईटी अधिनियम विभिन्न साइबर अपराधों जैसे पहचान की चोरी (धारा 66ख), प्रतिरूपण (धारा 66घ), गोपनीयता उल्लंघन (धारा 66ड़), अश्लील या यौन रूप से स्पष्ट सामग्री को प्रकाशित या प्रसारित करने (धारा 67, 67क, 67ख) के लिए सजा प्रदान करता है। यह पुलिस को अपराधों की जांच करने (धारा 78), सार्वजनिक स्थान पर प्रवेश करने और संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी लेने और गिरफ्तार करने का अधिकार देता है ,आईटी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और आईटी नियम, 2021 सोशल मीडिया मध्यस्थों सहित मध्यस्थों पर उचित परिश्रम दायित्वों को डालते हैं, और उन्हें इन दायित्वों को प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता होती है ताकि गैरकानूनी सामग्री की होस्टिंग या प्रसारण को रोका जा सके। सुप्रीम कोर्ट में 8785 तो राजस्थान हाईकोर्ट में 1,08,757 मामले दस वर्षों से अधिक समय से लंबित,सांसद हनुमान बेनीवाल के सवाल के जवाब में मिली जानकारीसुप्रीम कोर्ट में 7449 मामले सिविल तथा 1306 मामले दांडिक श्रेणी व राजस्थान हाईकोर्ट में 2,39,941 मामले सिविल तथा 2,04,343 मामले दांडिक श्रेणी के है जो दस वर्षों से लंबित है,केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने यह जानकारी शुक्रवार को लोक सभा में आरएलपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल के सवाल के जवाब में दी,सांसद ने अपने मूल सवाल में जनहित याचिका से जुड़े फैसलों में हो रही अवमानना से जुड़े मामलों में निगरानी तंत्र बनाने की मांग भी सरकार से की।

बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआई कोर्ट का सख्त फैसला: चार आरोपियों को 4 साल कैद और 1 लाख जुर्माना

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की विशेष सीबीआई कोर्ट ने बैंक धोखाधड़ी के एक पुराने मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 18 दिसंबर 2025 को चार आरोपियों को चार-चार साल की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक आरोपी पर 1-1 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने संजय चतुर्वेदी, अमित चतुर्वेदी, सुमित चतुर्वेदी और प्रवीण जुनेजा को दोषी करार देते हुए प्रत्येक को चार साल की कैद की सजा सुनाई। यह मामला इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (आईडीबीआई) से 15 करोड़ रुपए के टर्म लोन की धोखाधड़ी से जुड़ा है। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने 9 फरवरी 2009 को प्रारंभिक जांच के बाद मामला दर्ज किया था। आरोप था कि इन चारों आरोपियों ने आपस में साजिश रचकर आईडीबीआई बैंक को धोखा दिया। आरोपियों ने लोन लेने के लिए झूठी जानकारी और जाली दस्तावेज जमा किए।

लोन की राशि को उस उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करने की बजाय अन्य कार्यों में डायवर्ट कर दिया, जिसके लिए लोन स्वीकृत हुआ था। इससे बैंक को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। सीबीआई की जांच में यह साफ हुआ कि आरोपियों की मिलीभगत से बैंक की प्रक्रियाओं का दुरुपयोग किया गया।जांच पूरी होने पर सीबीआई ने 22 अप्रैल 2010 को आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। लंबे ट्रायल के बाद कोर्ट ने सबूतों और गवाहों के आधार पर सभी आरोपियों को दोषी ठहराया और सजा सुनाई। यह फैसला बैंकिंग सेक्टर में धोखाधड़ी के खिलाफ सख्त संदेश देता है।देश में बैंक फ्रॉड के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, और ऐसे फैसले जांच एजेंसियों की मुस्तैदी को दिखाते हैं। जाली दस्तावेज और फंड डायवर्जन जैसे तरीके आम हैं, जिससे सार्वजनिक बैंकों को करोड़ों का नुकसान होता है।इससे पहले सीबीआई ने पुणे स्थित मेसर्स हाउस ऑफ लैपटॉप्स (आई) प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक आशुतोष पंडित को गिरफ्तार किया था। आशुतोष बैंक धोखाधड़ी मामले में आरोपी है और वह फरार चल रहा था।यह मामला पुणे स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक में 17 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी से संबंधित है। केस पहले मुंबई स्थित आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में दर्ज किया गया था और बाद में इसे पुणे स्थित सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया गया, जहां फिलहाल मुकदमा चल रहा है।

यादों में नलिनी : ब्यूटी में मधुबाला को पछाड़ा, फिल्मों में सुपरस्टार, तीन दिन बाद चला मौत का पता

हिंदी सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जिनकी चमक समय के साथ फीकी नहीं पड़ती। 40 और 50 के दशक की जानी-मानी अभिनेत्री नलिनी जयवंत भी उन्हीं नामों में शामिल हैं। एक ऐसा दौर था जब उनकी मुस्कान, अदाएं और सादगी ने लाखों दिलों को अपना दीवाना बना लिया था। उस समय उनकी खूबसूरती की तुलना मधुबाला जैसी महान अभिनेत्री से की जाती थी। यही नहीं, साल 1952 में जब एक लोकप्रिय फिल्म मैगजीन ने ब्यूटी पोल कराया, तो नलिनी जयवंत ने मधुबाला को पीछे छोड़ दिया। उस दौर में यह बात किसी चमत्कार से कम नहीं मानी गई थी। नलिनी जयवंत का जन्म 18 फरवरी 1926 को मुंबई में हुआ था, जिसे तब बॉम्बे कहा जाता था। वह एक मराठी परिवार से थीं। उनके पिता कस्टम ऑफिसर थे और फिल्मों से जुड़ी दुनिया को पसंद नहीं करते थे। इसके बावजूद, नलिनी का झुकाव बचपन से ही संगीत और नृत्य की ओर ज्यादा था। उन्होंने शास्त्रीय संगीत की ट्रेनिंग भी ली। उनका रिश्ता फिल्मी दुनिया से पहले से जुड़ा हुआ था। वह मशहूर अभिनेत्री शोभना समर्थ की चचेरी बहन थीं, जो अभिनेत्री तनुजा की मां थीं। तनुजा काजोल की मां हैं। इस तरह वह काजोल के परिवार का हिस्सा भी थीं।

नलिनी ने बहुत कम उम्र में फिल्मों में कदम रखा। साल 1941 में महबूब खान की फिल्म 'बहन' से उन्होंने बतौर अभिनेत्री अपनी पहचान बनाई। उस समय वह उम्र में छोटी थीं, लेकिन कैमरे के सामने उनका आत्मविश्वास देखते ही बनता था। फिल्मों में उनका अभिनय देख दर्शकों ने मान लिया था कि नलिनी सिर्फ खूबसूरत ही नहीं, बल्कि एक बेहतरीन अदाकारा भी हैं। धीरे-धीरे उनका नाम इंडस्ट्री में फैलने लगा।

1950 का दशक नलिनी जयवंत के करियर का सबसे चमकदार दौर रहा। अशोक कुमार के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। 'समाधि' और 'संग्राम' जैसी फिल्मों ने उन्हें सुपरस्टार बना दिया। साल 1950 में निर्देशक ज्ञान मुखर्जी की फिल्म 'संग्राम' में उन्होंने अपनी बोल्ड इमेज से खूब सनसनी मचाई थी। उस दौर में उनकी खूबसूरती इतनी मशहूर हो गई कि फिल्मफेयर मैगजीन के ब्यूटी पोल में उन्हें देश की सबसे सुंदर अभिनेत्री चुना गया। पोल में मधुबाला जैसी बड़ी स्टार को पीछे छोड़ना इस बात का सबूत था कि नलिनी जयवंत उस समय दर्शकों के दिलों पर राज कर रही थीं।

इसके बाद नलिनी ने 'जलपरी', 'सलोनी', 'काफिला', 'नाज', 'लकीरें', 'नौ बहार', 'शेरू' और 'मिस्टर एक्स' जैसी कई सफल फिल्मों में काम किया। वह सिर्फ अभिनय ही नहीं करती थीं, बल्कि कई फिल्मों में उन्होंने गाने भी खुद गाए। हालांकि समय के साथ फिल्म इंडस्ट्री बदलने लगी और 60 के दशक के बाद नलिनी को पहले जैसे रोल मिलने बंद हो गए। साल 1965 में फिल्म 'बॉम्बे रेस कोर्स' के बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। करीब 18 साल बाद वह फिल्म 'नास्तिक' में नजर आईं, जहां उन्होंने अमिताभ बच्चन की मां का किरदार निभाया। इसके बाद उन्होंने पूरी तरह अभिनय से संन्यास ले लिया।

नलिनी जयवंत की निजी जिंदगी भी आसान नहीं रही। उन्होंने दो शादियां कीं, लेकिन उन्हें संतान का सुख नहीं मिला। पहली शादी साल 1945 में निर्देशक वीरेंद्र देसाई से हुई, जो कुछ साल बाद टूट गई। उसके बाद उन्होंने दूसरी शादी 1960 में अभिनेता प्रभु दयाल से की।दूसरे पति प्रभु दयाल के निधन के बाद वह पूरी तरह अकेली हो गईं। 22 दिसंबर 2010 को 84 साल की उम्र में नलिनी जयवंत का निधन हो गया। उनकी मौत का पता तीन दिन बाद चला।

कैसा था अक्षय खन्ना के साथ सौम्या टंडन का पहला सीन? सात नहीं, एक्टर को मारा था सिर्फ एक थप्पड़

डायरेक्टर आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' का क्रेज खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। रिलीज होने के बाद से अब तक फिल्म ने वर्ल्ड वाइड 674.5 करोड़ रुपए (भारत में 524.5 करोड़) की कमाई कर चुकी है। फिल्म की सफलता से खुश एक्ट्रेस सौम्या टंडन ने शूटिंग के दिनों को याद किया है और अक्षय खन्ना के साथ काम करने को सपना सच होने जैसा बताया। फिल्म में सौम्या टंडन ने रहमान डकैत (अक्षय खन्ना) की पत्नी का रोल प्ले किया है। सौम्या टंडन ने फिल्म से जुड़ी चार फोटो शेयर की हैं, और चारों अलग कहानियों को दिखाती हैं। पहली और दूसरी फोटो में अभिनेत्री अक्षय खन्ना के साथ हवेली वाला सीन कर रही हैं। फोटो को शेयर कर अभिनेत्री ने खुलासा किया कि अक्षय खन्ना से उनकी ज्यादा बात नहीं होती थी, लेकिन कैमरा ऑन होते ही ऐसा लगता है कि हम एक-दूसरे को कितना जानते हैं। सौम्या टंडन ने कैप्शन में लिखा, यह फिल्म का पहला सीन था जिसे मैंने अमृतसर में शूट किया था, जहां हम रहमान डकैत की हवेली देखते हैं। यह पिछले साल नवंबर का महीना था और मैं घबराहट और एक्साइटमेंट दोनों महसूस कर रही थी। मेरा पहला मॉर्निंग शॉट अक्षय के साथ था, जिसमें वह सिगरेट जला रहे थे और मैं उन्हें बदला लेने के लिए उकसा रही थी।

अभिनेता अक्षय खन्ना की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि हमें बात करने का ज्यादा मौका नहीं मिला, लेकिन जैसे ही कैमरा ऑन हुआ, एक इंस्टेंट कनेक्शन बन गया। मुझे सच में लगता है कि हमारी केमिस्ट्री बहुत अच्छी है। उनके जैसा को-एक्टर मिलना एक सपने जैसा है-इतने प्योर आर्टिस्ट, जिनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। अक्षय खन्ना के साथ दोबारा काम करने को लेकर वे काफी एक्साइटेड हैं।

सौम्या ने बताया कि सीन को परफेक्ट बनाने के लिए उन्होंने बहुत मेहनत की थी और एक जोरदार थप्पड़ भी अक्षय खन्ना को मारा, क्योंकि आदित्य ने जोर दिया कि सीन असली लगना चाहिए। कई मीडिया चैनलों ने दावा किया था कि अभिनेत्री ने अक्षय खन्ना को एक बार नहीं बल्कि सात बार थप्पड़ मारा था, हालांकि सेट पर ऐसा कुछ नहीं हुआ।

सौम्या ने ये सीन एक टेक में साथ पूरा किया था। फिल्म सेट की तारीफ करते हुए सौम्या ने बताया कि सेट का काम इतना बारीक और रियल तरीके से किया गया था कि देखने पर लगता था कि पुराने समय में पहुंच गए हैं। उन्होंने लिखा, आर्ट डिपार्टमेंट ने इतना ऑथेंटिक पाकिस्तानी डेकोर बनाकर बहुत बढ़िया काम किया। मुझे सच में उम्मीद है कि आप सब उनके खूबसूरत काम को देखेंगे और उसकी तारीफ करेंगे।

फिल्म रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स हुई रिलीज

सस्पेंस से भरपूर फिल्म, सिस्टम और भ्रष्टाचार पर सवाल उठाती कहानी

फिल्म: रात अकेली है - द बंसल मर्डर्स, निर्देशक: हनी त्रेहान, कलाकार: राधिका आप्टे, रजत कपूर, संजय कपूर, अखिलेंद्र मिश्रा, दीप्ति नवल, रेवती, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, चित्रांगदा सिंह, प्रियंका सेतिया, कहां देखें: नेटफ्लिक्स, रिलीज डेट: 19 दिसंबर 2025, रन टाइम: 2 घंटे 15 मिनट, रेटिंग्स: 4 स्टार्स। 'रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स' ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यह फिल्म 2020 में रिलीज हुई पहली हिट फिल्म 'रात अकेली है' का सीक्वल है। हालांकि, फिल्म को इस तरह बनाया गया है कि अगर आपने पहली फिल्म नहीं देखी है, तब भी आप इसे आसानी से समझ सकते हैं। फिल्म की कहानी बंसल परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। यह एक अमीर और प्रतिष्ठित परिवार है, लेकिन एक रात अचानक वहां कई हत्याओं की घटनाएं घटती हैं। इस घटना से पूरे परिवार और समाज में हलचल मच जाती है। पुलिस इंस्पेक्टर जटिल यादव (नवाजुद्दीन सिद्दीकी) मामले की जांच करते हैं। वह जल्दी ही अपराधी का पता लगा लेते हैं। इस दौरान वे महसूस करते हैं कि सिस्टम और समाज ऐसे लोगों के बचाव में होते हैं, जो धन और सत्ता में मजबूत हैं। फिल्म सिर्फ यह नहीं दिखाती कि 'कौन अपराधी है', बल्कि यह भ्रष्ट प्रशासन और अमीर घरानों के अंदर छुपी गहरी सच्चाई को भी उजागर करती है।(अभिनय के मामले में फिल्म ने दर्शकों को प्रभावित किया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी भूमिका में पूरी तरह से फिट हैं। सिस्टम के खिलाफ लड़ाई में जटिल यादव की थकान और निराशा को इतनी सहजता से दिखाते हैं कि दर्शक सीधे उनके अनुभवों से जुड़ जाते हैं। इसके अलावा, चित्रांगदा सिंह का अभिनय भी गंभीर है। उनके किरदार की हर झलक प्रभावशाली लगती है।फिल्म के सहायक कलाकारों में रजत कपूर, दीप्ति नवल और रेवती शामिल हैं, जिन्होंने अपने-अपने किरदारों को सच्चाई और गहराई के साथ निभाया है। हालांकि राधिका आप्टे का स्क्रीन टाइम कम है, लेकिन उनकी मौजूदगी फिल्म में अपनी खास पहचान छोड़ती है।

तकनीकी रूप से फिल्म काफी अलग है। यह तेज-तर्रार थ्रिलर नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे कहानी को पेश करती है। निर्देशक हनी त्रेहान ने फिल्म की धुन और माहौल पर ज्यादा ध्यान दिया है। फिल्म के दृश्य और कैमरे का इस्तेमाल दर्शक को रहस्य और डर की दुनिया में खींचते हैं। संगीत और बैकग्राउंड स्कोर भी इस डर और तनाव को बढ़ाते हैं।

निष्कर्ष: यह क्राइम पर आधारित एक गंभीर और बेहतरीन कहानी है, जो दर्शकों को कुछ नया देती है।

मां से आइकॉनिक अनुपमा बनने का सफर

पांच साल की मेहनत के बाद रुपाली गांगुली को मिला बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब

पिछले 5 साल से 'अनुपमा' टीवी का सबसे मशहूर शो बना हुआ है। समय के साथ शो में बहुत कुछ बदला, लेकिन दर्शकों का प्यार अनुपमा के लिए हर दिन के साथ बढ़ता जा रहा है। 'अनुपमा' की बदौलत अब रुपाली गांगुली को अपनी मेहनत का फल मिला है और उन्हें भारतीय टेलीविजन अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। अवॉर्ड मिलने के बाद अभिनेत्री बहुत खुश है और उन्होंने दिवंगत सतीश शाह को याद किया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रुपाली गांगुली ने अवॉर्ड के साथ कुछ फोटोज पोस्ट की हैं, जिसमें वे हाथ में ट्रॉफी लिए चेहरे पर चमकती खुशी के साथ पोज कर रही हैं। अनुपमा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का आईटीए अवॉर्ड मिलने की खुशी अभिनेत्री ने अपने कोस्टार, प्रोड्यूसर राजन शाही और अपने चाहने वालों के साथ शेयर की है।

रुपाली ने कैप्शन, आभार, आभार और ढेर सारा आभार। यह लेजेंड, मेरे रॉकस्टार- मेरे सतीश काका के लिए है। 25 साल की लगन, कड़ी मेहनत, सपने, उम्मीद, संघर्ष, असुरक्षा, निराशा, खुशी के बीच कुछ चीजें हमेशा पहली जैसे बनी रही, वो थे अश्विन। जब मैं हार मानना चाहती थी, तब उनके विश्वास ने ही आगे बढ़ने की ताकत दी। बता दें कि अश्विन अभिनेत्री के पति हैं, जिन्होंने हमेशा एक्टिंग के करियर में आगे बढ़ने में उनकी मदद की है।टीवी की अनुपमा ने आगे लिखा, 25 साल पहले टेलीविजन की खूबसूरत दुनिया में कदम रखा, तब के डेब्यू डायरेक्टर राजन शाही के साथ और शानदार मेकर ने इस घर पर रहने वाली मां पर भरोसा किया और मुझे अपनी आइकॉनिक 'अनुपमा' बना दिया। इतने प्यार और सपोर्ट के लिए सबका धन्यवाद। बता दें कि रुपाली गांगुली और दिवंगत सतीश शाह का रिश्ता बहुत खास रहा है। रुपाली ने सतीश शाह को हमेशा अपने पिता का दर्जा दिया है और उनके आखिरी समय में मिलने भी पहुंची थीं। दोनों ने साथ में सिटकॉम शो 'साराभाई वर्सेज साराभाई' में एक साथ काम किया था। रुपाली ने शो में सतीश की बहू मोनिषा का रोल प्ले किया था। दोनों की कॉमेडी टाइमिंग सभी को खूब पसंद आई थी। सिटकॉम शो का सीक्वल भी आया था, लेकिन सतीश शाह के जाने के बाद साराभाई का परिवार अधूरा हो गया है।

80 दशक से अब तक फिल्म इंडस्ट्री में क्या-क्या आए बदलाव?: माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री माधुरी दीक्षित चार दशकों से भी ज्यादा समय से फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। उन्होंने न सिर्फ कई सुपरहिट फिल्में दीं, बल्कि बदलते दौर के साथ खुद को भी लगातार ढालती रहीं। इस बीच, इंटरव्यू में उन्होंने अपने करियर के सफर, फिल्ममेकिंग में आए बदलाव और आज के समय में फिल्मों के चयन को लेकर बात की। उन्होंने इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों से लेकर अब तक के अनुभव साझा किए। माधुरी दीक्षित ने अपने करियर की शुरुआत साल 1984 में आई फिल्म 'अबोध' से की थी। उस दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा, तब फिल्म इंडस्ट्री आज जैसी व्यवस्थित नहीं थी। 80 और 90 के दशक में सिर्फ कुछ ही प्रोड्यूसर ऐसे थे, जो काम को बहुत प्रोफेशनल तरीके से करते थे। इनमें यश चोपड़ा, बी. आर. चोपड़ा, सुभाष घई और राजश्री प्रोडक्शन्स जैसे नाम शामिल थे। ज्यादातर फिल्में बिना ज्यादा प्लानिंग और सुविधाओं के बनती थीं। आज की तुलना में उस समय सब कुछ काफी अव्यवस्थित हुआ करता था।

माधुरी ने कहा, पहले फिल्मों में काम करते समय कलाकारों को बहुत ज्यादा तैयारी का मौका नहीं मिलता था। शूटिंग अक्सर अचानक शुरू हो जाती थी और कलाकारों को मौके पर ही सीन समझकर शूट करना पड़ता था। आज के समय में स्थिति बिल्कुल बदल चुकी है। अब कलाकारों को पहले से पूरी स्क्रिप्ट मिल जाती है, किरदार पर विस्तार से काम करने का समय मिलता है और शूटिंग से पहले अच्छी तैयारी की जाती है। इससे कलाकार अपने रोल को बेहतर तरीके से निभा पाते हैं।

उन्होंने कहा, पहले शूटिंग के दौरान कलाकारों की सुविधाओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था। न वैनिटी वैन होती थी और न ही आराम करने की कोई खास जगह। कलाकारों को तेज धूप में छाता लगाकर बैठना पड़ता था। इसके मुकाबले आज फिल्म सेट पर हर सुविधा उपलब्ध होती है। कलाकारों के लिए आरामदायक वैनिटी वैन होती हैं, जहां वे शॉट्स के बीच आराम कर सकते हैं या तैयार हो सकते हैं। इससे काम का माहौल भी बेहतर हो जाता है।''माधुरी ने कहा, आज फिल्मों में किरदारों पर बहुत ज्यादा मेहनत की जाती है। अब यह पहले से तय होता है कि कलाकार क्या पहनेंगे, उनका लुक कैसा होगा, और वे किस तरह से स्क्रीन पर नजर आएंगे। शूटिंग से पहले रीडिंग सेशन और रिहर्सल भी होती है, जो पहले के समय में नहीं हुआ करती थी। इन सब बदलावों से फिल्ममेकिंग का स्तर काफी ऊपर चला गया है।

नए साल में शनिदेव खुशियों से भर देंगे वृषभ सहित अन्य राशियों की झोली

धन संपत्ति के साथ मिलेगा राजसी सुख

शनि साल 2026 में मीन राशि में गोचर करेंगे और इस पूरे साल वक्री मार्गी चाल के साथ मीन राशि में ही संचार करते रहेंगे। इसी के साथ इस बार शनि का पाया भी कई राशियों के लिए शुभ रहने वाला है। वहीं, शनि मीन राशि में बैठकर कई राशियों के लिए शुभ स्थिति बनाएंगे। साल के आरंभ में शनि मार्गी चाल के साथ गोचर करेंगे जबकि 26 जुलाई 2026 से शनि वक्री चाल से चलने लगेंगे और 10 दिसंबर को मार्गी हो जाएंगे। इस वर्ष शनि के साथ साथ कई राशियों पर गुरु की शुभ दृष्टि भी बनी रहेगी। ऐसे में शनि साल 2026 में वृषभ समेत 4 राशियों को अपार धन दौलत और सफलता देने वाले हैं। इन राशियों पर शनिदेव की विशेष कृपा रहने वाली है। आइए जानते हैं शनि गोचर से साल 2026 में किन-किन राशियों की किस्मत चमकेगी।

वृषभ राशि : धर्म कर्म में बढ़ेगी रुचि

शनि आपके एकादश भाव में गोचर कर रहे हैं ऐसे में वृषभ राशि के जातकों की धर्म कर्म के कार्यों में रुचि बढ़ेगी। सुख के साधनों बढ़ेंगे। जून के बाद घर परिवार में कोई शुभ कार्य की योजना बनेगा। विद्यार्थी के लिए यह साल अच्छा साबित होगा। उन्हें अपने कार्यों में सफलता मिल सकती है। किसी सरकारी परीक्षा में भी कामयाबी मिलने के योग हैं। हालांकि, आपको छोटी मोटी पारिवारिक समस्याएं रह सकती हैं। जिस वजह से आपको मानसिक तनाव रहेगा।

मिथुन राशि : आय में वृद्धि होगी

मिथुन राशि के लोगों के लिए शनि दशम भाव में रहेंगे। ऐसे में आपकी मनोकामना पूरी हो जाएगी। आपको अपनी सभी योजनाओं में सफलता मिलेगी। साथ ही आपको उच्च प्रतिष्ठा भी मिलेगी। साथ ही पुराने मित्रों के साथ अच्छे संबंध बनेंगे। आपकी आय में वृद्धि होने की संभावनाएं हैं और यात्राओं पर आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। अपने पार्टनर के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। साथ ही व्यापारियों को भी अच्छी वृद्धि होगी।

तुला राशि : अचानक लाभ मिलेगा

तुला राशि के लोगों के लिए शनि षष्ठ भाव में गोचर कर रहे हैं। साथ ही 1 जून 2026 से आपकी राशि पर गुरु की दृष्टि भी रहने वाली हैं। ऐसे में तुला राशि के लोगों को अचानक लाभ मिलेगा। साथ ही पदोन्नति के अच्छे अवसर भी मिलेंगे। आपके विदेश यात्रा के योग भी बनेंगे। आपको सलाह है कि फिलहाल, अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। आपके खर्चों में भी वृद्धि देखने को मिल सकती है।

मकर राशि : कारोबार में अच्छा लाभ मिलेगा

मकर राशि के लोगों के लिए शनि तृतीय भाव में गोचर कर रहे हैं। ऐसे में साल 2026 में मकर राशि के जातकों के घर परिवार में कोई मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। आपके लिए धन लाभ के साथ साथ सुख साधनों में वृद्धि होगी। आपकी राशि में शनि का ताम्र पाया रहेगा साथ ही इस साल गुरु की दृष्टि भी आपकी राशि पर होगी ऐसे में साल के मध्य में आपको कारोबार में अच्छा लाभ मिल सकता है।

शनिवार के दिन भूलकर भी किसी से ना लें ये 6 सामान

शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में शनि को कर्म, दंड और न्याय का देव कहा गया है। मान्यता है कि शनिवार के दिन की गई छोटी-सी भूल भी लंबे समय तक आपको परेशान कर सकती है। इस दिन कुछ वस्तुओं को किसी दूसरे से लेना अशुभ माना गया है। ऐसा करने से शनिदेव नाराज हो जाते हैं और व्यक्ति के जीवन में आर्थिक, मानसिक या शारीरिक परेशानियां शुरू हो सकती हैं।

रुमाल – रुमाल बहुत निजी उपयोग की वस्तु होती है। रुमाल पसीना और नकारात्मक ऊर्जा को सोखता है। शनिवार को किसी का इस्तेमाल किया हुआ या नया रुमाल लेना अशुभ माना गया है। ऐसा करने से दूसरे की परेशानियां आपके जीवन में आ सकती हैं। शनिवार के दिन नया रुमाल खरीदकर किसी गरीब को दान करना बेहतर रहेगा।

उड़द दाल– काली उड़द को शनि से जुड़ी वस्तु मानी जाती है। शनिवार को किसी से उड़द लेना पारिवारिक कलह और आर्थिक तंगी का कारण बन सकता है। हालांकि, इसी दिन काली उड़द का दान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इससे शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या का प्रभाव शांत होता है।

चमड़े की वस्तुएं – चमड़े की वस्तुएं भी शनि से संबंधित मानी जाती हैं। शनिवार को जूते, बेल्ट या अन्य चमड़े की वस्तु लेना दुर्भाग्य को निमंत्रण देने माना गया है। इससे जीवन में संघर्ष और अपमान की स्थिति बन सकती है। इसके साथ ही आर्थिक स्थिति पर भी इसका असर पड़ता है। ऐसे में शनिवार के दिन नया सामान लेने से बचें और हो सके तो पुराने जूते या चप्पल दान करें।

लोहे का सामान – लोहा शनि का धातु माना जाता है। शनिवार के दिन किसी से लोहा लेना शनि दोष को सक्रिय कर सकता है। इससे करियर में बाधा, विवाद और दुर्घटना के योग बनते हैं। व्यापारियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए ऐसा करना हानिकारक माना गया है। मान्यता है कि शनिवार के दिन किसी से लोहे का सामान, औज़ार, ताला, बर्तन लेना शनि के अशुभ प्रभाव को बढ़ाता है।

लौंग – शनिवार के दिन किसी से लौंग लेना आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। मान्यता है कि शनिवार को किसी से लौंग लेने पर ग्रह दशा पर असर पड़ सकता है। इससे कार्यों में बार-बार रुकावटें, जीवन में तनाव या अनचाहे उतार-चढ़ाव आने लगते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि खुद लौंग खरीदकर शनिवार को हनुमान जी या शनिदेव को अर्पित करें।

सरसों तेल – शनिवार के दिन किसी से सरसों का तेल लेना अत्यंत अशुभ माना गया है। ज्योतिष के अनुसार, सरसों का तेल शनि देव से सीधा जुड़ा होता है और इसे लेने से दूसरे व्यक्ति के कष्ट और नकारात्मक ऊर्जा आपके जीवन में प्रवेश कर सकती है। ऐसा करने से जीवन में अचानक खर्चे और कर्ज बढ़ने लगते हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं सामने आ सकती हैं। शनि दोष से बचने के लिए शनिवार को शनि मंदिर में सरसों के तेल का दान करें।

शनिवार को पीपल के पेड़ से जुड़े करें ये उपाय, दूर होंगी सभी परेशानियां

शनि दोष का प्रभाव कुंडली में हो तो व्यक्ति को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। शनि का अशुभ प्रभाव न केवल आर्थिक समस्याओं को जन्म देता है, बल्कि जीवन में मानसिक तनाव, स्वास्थ्य समस्याएं और रिश्तों में खटास भी ला सकता है। धार्मिक और शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार शनि दोष को शांत करने के लिए शनिवार के दिन पीपल के पेड़ से जुड़े उपाय अत्यंत प्रभावी माने गए हैं। इन उपायों को सही विधि और श्रद्धा से करने पर शनि के कुप्रभावों से मुक्ति मिल सकती है। गरुड़ पुराण और बृहद पाराशर होरा शास्त्र के अनुसार पीपल की पूजा और शनि मंत्र का जाप करने से कुंडली में शनि की महादशा, साढ़ेसाती और ढैय्या के दुष्प्रभाव कम होते हैं।

पीपल का महत्व

पीपल का वृक्ष सनातन धर्म में अत्यंत पवित्र और देवताओं का वास स्थल माना गया है। स्कंद पुराण, पद्म पुराण और अन्य ग्रंथों में इसका विशेष उल्लेख मिलता है। इसे विष्णु, शिव और ब्रह्मा का स्वरूप माना जाता है। विशेष रूप से शनि दोष शांति के लिए पीपल की पूजा करना फलदायी होता है।

शनिवार के दिन पीपल से जुड़े उपाय

पीपल पर जल चढ़ाना

शनिवार के दिन सूर्योदय से पहले स्नान कर शुद्ध वस्त्र धारण करें। इसके बाद पीपल के वृक्ष के पास जाकर उसके मूल (जड़) में जल अर्पित करें। इसमें गंगाजल मिलाना शुभ माना जाता है। इस प्रक्रिया से शनि देव प्रसन्न होते हैं और जीवन की बाधाएं दूर होती हैं।

दीपक प्रज्वलित करना

शाम के समय पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं। दीपक प्रज्वलित करते समय ॐ शं शनैश्चराय नमः मंत्र का जाप करें। यह उपाय शनि दोष को शांत करता है और व्यक्ति के जीवन में स्थायित्व लाता है।

पीपल की परिक्रमा

शनिवार के दिन पीपल के वृक्ष की सात बार परिक्रमा करें। परिक्रमा करते समय शनि मंत्र ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः का जाप करें। यह उपाय शनि दोष के कारण उत्पन्न कष्टों को कम करता है।

पीपल को काला तिल चढ़ाना

शनिवार को पीपल के वृक्ष पर काले तिल, काला कपड़ा और सरसों का तेल चढ़ाएं। यह शनि देव के क्रोध को शांत करने का एक प्रभावी उपाय है।

भोग अर्पित करना

पीपल के पेड़ के नीचे गुड़ और चने का भोग लगाएं और इसे कौओं, कुत्तों या गरीबों में बांट दें। यह उपाय शनि दोष से मुक्ति पाने और सौभाग्य में वृद्धि करने में सहायक होता है।

ध्यान देने योग्य बातें

पीपल की पूजा करते समय मन को शुद्ध और शांत रखें।

पीपल के पत्तों को तोड़ने या नुकसान पहुंचाने से बचें।

शनिवार के दिन पीपल की पूजा के साथ-साथ दान का विशेष महत्व है। काले तिल, कंबल, जूते और लोहे से बने वस्त्र दान करें।

नववर्ष 2026 का राशिफल कैसा रहेगा

कन्या राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि कन्या राशि के लोगों के लिए साल 2026 सपनों को साकार करने का समय लेकर आने वाला है। आप अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए अपना शत प्रतिशत योगदान देंगे और इस साल अपना एक अच्छा मकान बना पाएंगे। कैरियर हो या परिवार हो रिश्ते सभी में आपको इस साल अच्छे परिणाम मिलेंगे। सप्तम भाव में पूरे साल शनि का गोचर साल के अंत तक राहु छठे भाव में और साल की शुरुआत में 10वें भाव में बृहस्पति आपको सफलता देंगे। साल के पूर्व भाग में आपकी धार्मिक गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी और आस्था बढ़ेगी। घर में पूजा पाठ ज्ञान से संबंधित गतिविधियां अधिक होगी। पारिवारिक संबंध अनुकूलता की ओर बढ़ेंगे। साल के दूसरे भाग में कुछ चुनौतियां रहेंगी। साल के आरंभिक समय में गुरु मिथुन राशि में होते हुए कर्म भाव को प्रभावित करते हैं। इसके बाद जून माह के आरंभिक समय में ही गुरु कर्क राशि के ग्यारहवें भाव में चले जाएंगे और लाभ पर असर करेंगे। अक्टूबर के अंतिम भाग में गुरु महाराज तेज गति को अपनाते हुए सिंह राशि में चले जाएंगे और द्वादश भाव पर असर डालने लगेंगे। मंगल का प्रभाव शुरुआती समय में धनु राशि से होते हुए साल के अंतिम पड़ाव में भी धनु पर ही अपनी यात्रा को समाप्त करेंगे जो सामान्य चाल से चलते हुए आपको प्रभावित कर सकते हैं। सूर्य, बुध और शुक्र की स्थिति हर माह के दौरान अपने हर राशि को प्रभावित करने वाली रहेगी। शुक्र और बुध का वक्री होना या अस्त होना आपके जीवन के कई पहलुओं पर असर डालने वाला होगा। साल के शुरुआती दौर में शनि और बृहस्पति की दृष्टि का प्रभाव चतुर्थ भाव पर आपके परिवार के लिए बहुत शुभ है। चतुर्थ भाव घर, परिवार, संपत्ति और माता का स्थान होता है और इन दोनों ग्रहों का मिलाजुला प्रभाव आपके घर में प्रेम को बढ़ाने वाला, संपत्ति का सुख दिलाने वाला और शांतिपूर्ण स्थिति को देने में सहयोग कर सकता है। इस समय आप कुछ वाहन संपत्ति या कुछ अन्य वस्तुओं की खरीद फरोख्त कर सकते हैं। परिवार में किसी प्रकार की अशांति या विवाद की संभावना कम रहेगी। घर के लोग एक-दूसरे के साथ सहयोग देने वाले और मिलजुल कर काम करने में आगे रह सकते हं। घर में कुछ सुखमय वातावरण बना रहेगा। घर के साथ-साथ, समाज में भी आपका प्रभाव बढ़ेगा। वर्ष के पहले भाग में समाज में आपकी प्रतिष्ठा और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। बृहस्पति का शुभ प्रभाव आपके तृतीय भाव पर रहेगा, जो सामाजिक संपर्क, सहयोग और नेटवर्किंग का प्रतीक है। इससे आपको अपने समाज में अधिक सम्मान मिलेगा और आप अपने सामाजिक दायित्वों को सही तरीके से निभा सकेंगे। आप समाज में सक्रिय रूप से भाग लेंगे और अपने कार्यों से दूसरों की मदद करेंगे। समाज में आपकी पहचान और स्थिति मजबूत होगी, और लोग आपकी सलाह और विचारों को महत्व देंगे। इस समय आपके लिए सामाजिक कार्यों में शामिल होने, किसी अच्छे कार्य में योगदान देने और समाज के कल्याण के लिए कुछ करने के अवसर मिल सकते हैं।

कैरियर – इस वर्ष नौकरी करने वाले लोगों के लिए स्थिति अच्छी रहेगी। विशेष रूप से लाभ के अवसर भी होंगे जिससे इनकम में बढ़ोत्तरी का सुख मिल सकता है। गुरु के दसवें भाव में स्थित होने से आपको अपनी मेहनत का सही फल मिल पाएगा। दशम भाव करियर, प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा का भाव होता है और विस्तार शुभता के स्वामी गुरु का यहां स्थित होना नौकरी और कार्यक्षेत्र में उन्नति के संकेत देता है। आप जो भी कोशिश करेंगे उस पर आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। लेकिन कुछ मामलों में जब कार्य क्षेत्र के भाव स्वामी की स्थिति वक्री होगी तब कुछ स्थानों में रोक भी बनेगी या फिर मेहनत में वृद्धि का समय होगा लेकिन बुध ग्रह का प्रभाव जब भी अपनी मजबूत स्थिति में होगा ये बेहतरीन परिणाम देने वाला होगा। संचार या कारोबार से जुड़े लोग जैसे मीडिया, वस्त्र उद्योग, फैशन और एंटरटेनमेंट कम्युनिकेशन के कामों में पदोन्नति के अवसर मिल सकते हैं या आप किसी नई भूमिका में नियुक्त हो सकते हैं। किसी नई नौकरी या काम की तलाश में होंगे तो इस वर्ष सफलता मिल सकती है। बृहस्पति का प्रभाव आपके लिए नए अवसर लाएगा, और आपको बेहतर नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यदि आप किसी कंपनी में कार्यरत हैं, तो इस वर्ष आपके कार्यों को उच्च अधिकारियों द्वारा सराहा जाएगा, जिससे आपकी स्थिति मजबूत होगी। मई जून के बाद शनि देव और गुरु का मिलाजुला असर सप्तम भाव पर पड़ेगा, जो पार्टनरशिप, सहयोग और साझेदारी में सफलता का प्रतीक बन सकता है। इससे आपके काम काज में दूसरों के साथ सहयोग और समर्थन प्राप्त होगा, खासकर उच्च अधिकारियों और वरिष्ठ व्यक्तियों से। इस समय में आपके लिए यह बहुत महत्वपूर्ण होगा कि आप अपने सहयोगियों और उच्च अधिकारियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखें। कन्या राशि के लोगों को साल 2026 में बिजनेस और कैरियर में अच्छे परिणाम मिलेंगे। नौकरी करने वाले लोगों को भी अच्छे पद की प्राप्ति हो सकती है।

आर्थिक स्थिति – कन्या राशि के लोगों को साल 2026 में आर्थिक रूप से समृद्धि देखने को मिलेगी। धन को लेकर थोड़ी स्थिरता भी आएगी और आय के स्रोतों में निरंतर बढ़ोतरी आपको सफलता देगी। परिवार का सपोर्ट भी आपके धन प्राप्ति की राह में मददगार बनेगा। सप्तम भाव में शनि छठे भाव में और राहु साल की शुरुआत में दसवें घर का बृहस्पति आपको आपके काम में तरक्की देगा, जिससे धन प्राप्त होने लगेगी। साल के बीच में जब बृहस्पति का गोचर 11वें घर में होगा, तो आपकी इन्कम बढ़ती चली जाएगी। बैंकों में जमा धनराशि पर अच्छा ब्याज मिलेगा। सेविंग स्कीम से लाभ मिलेगा। स्टॉक मार्केट से बेनिफिट देखने को मिलेंगे। आपकी इच्छा पूर्ति होगी। सोसाइटी में आपका स्टेटस बढ़ेगा। आप अच्छा खाने-पीने के शौकीन बनेंगे और नेटवर्किंग का बहुत फायदा मिलेगा, लेकिन किसी को अपना धन उधार देने से बचना अच्छा होगा, नहीं तो वह नुकसानदायक रहेगा। साल के बीच में कोई लोन लेना चाहते हैं, तो उसमें सफलता मिलेगी और उससे आपकी इच्छाएं पूरी होगी। साल के बीच में ही खर्च भी ज्यादा बढ़ेंगे। आप अपनी भौतिक सुख सुविधाओं पर ज्यादा खर्च कर देंगे, जिस पर ध्यान देना आपके लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण होगा, लेकिन यह खर्च सामाजिक तौर पर आपको लाभ पहुंचाएंगे और साल के अंतिम महीनो में धन की स्थिति सुधर जाएगी। इस वर्ष आपको आय के स्रोतों में निरंतरता और कुछ खास अवसरों का लाभ मिल सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। ग्रहों के गोचर और उनकी स्थिति आपके धन से जुड़े मामलों में सहायक सिद्ध होंगे। साल की शुरुआत आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अनुकूल रह सकती है। इस समय परिवार का सहयोग भी मिलेगा कुछ महंगी वस्तुओं की खरीद भी कर सकते हैं अथवा किसी वस्तु से मुनाफा भी हो सकता है। संपत्ति में पैसा लगाना आर्थिक लाभ दिलाने वाला होगा। शेयर मार्किट या रियल एस्टेट में शामिल होकर कुछ लाभ की प्राप्ति होगी। पहले कुछ महीने आपके लिए अच्छे अवसर लेकर आएंगे जो आपकी बैंक में जमा धन राशि को मजबूती देंगे। इस समय

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

बृहस्पति की दृष्टि आपके दूसरे और चौथे भाव पर होने के कारण आय में वृद्धि के साथ-साथ भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति का संकेत देती है। आपको इस समय भूमि, भवन, वाहन, रत्न और आभूषणों की प्राप्ति हो सकती है। इसके साथ ही, किसी संपत्ति के संबंध में निवेश करने का भी योग बन सकता है, जिससे आपको लंबे समय में लाभ होगा। आपके पास नए आर्थिक अवसर आएंगे, जिससे आपकी आय में वृद्धि होगी। आप अपने काम में अधिक मेहनत करेंगे और इसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिलेंगे। इस समय आपके पास अपने खर्चों को संभालने का पर्याप्त साधन होगा, और आप महंगी या अच्छी वस्तु का आनंद लेने में सक्षम होंगे। सुख-सुविधाओं पर खर्च बढ़ने की संभावना है, इसलिए आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता होगी ताकि आप आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकें।

परिवार– कन्या राशि वालों के पारिवारिक जीवन के लिए वर्ष 2026 सामान्य रहेगा। इस अवधि में किसी बड़े ग्रह का नकारात्मक प्रभाव दूसरे भाव पर नहीं होगा। वहीं, दूसरे भाव के स्वामी शुक्र साल के अधिकांश समय आपको अनुकूल परिणाम देना चाहेंगे जबकि बृहस्पति साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक दशम भाव में बैठकर अपनी पंचम दृष्टि से दूसरे भाव को प्रभावित करेंगे। ऐसे में, यह पारिवारिक जीवन में सौहार्द और सामंजस्य को बढ़ाने का काम करेंगे। साथ ही, 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर तक गुरु ग्रह पारिवारिक जीवन समेत सभी मामलों में आपको शुभ फल प्रदान करेंगे। इसके बाद यानी कि 31 अक्टूबर के बाद की अवधि में गुरु देव की स्थिति आपका सहयोग नहीं कर पाएगी इसलिए इस समय आपको सावधानी बरतनी होगी। हालांकि, दूसरे भाव पर लंबे समय तक किसी अन्य पापी ग्रह का प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में, आपको पारिवारिक जीवन में वर्ष 2026 काफ़ी हद तक अच्छे परिणाम दे सकता है और किसी बड़ी समस्या के योग नहीं हैं। शनि की दशम दृष्टि पूरे वर्ष आपके चतुर्थ भाव पर रहेगी जो गृहस्थ जीवन में समस्याएं पैदा कर सकती है। सप्तम भाव में शनि का गोचर चतुर्थ से चतुर्थ भाव में होता है। ऐसे में, यह स्थिति संकेत कर रही हैं कि गृहस्थ जीवन में कुछ परेशानियां बनी रह सकती हैं। हालांकि, चतुर्थेश बृहस्पति इस साल के ज्यादातर समय चतुर्थ भाव की रक्षा करने का प्रयास करेंगे क्योंकि साल की शुरुआत में बृहस्पति सप्तम दृष्टि से चतुर्थ भाव पर दृष्टि डालेंगे। वहीं, 02 जून से 31 अक्टूबर के बीच चतुर्थेश बृहस्पति उच्च अवस्था में होंगे और इसके बाद गुरु ग्रह पंचम दृष्टि से चतुर्थ भाव को देखेंगे। कन्या राशि के विवाह योग्य जातकों के लिए वर्ष 2026 ठीक-ठाक रहेगा। लेकिन इस साल में कुछ महीने ही आपके लिए फलदायी रहेंगे। विवाह भाव के स्वामी शुक्र ग्रह 02 जून 2026 से लेकर 31 अक्टूबर 2026 तक उच्च अवस्था में लाभ भाव में रहेंगे।

प्रेम – रोमांस – कन्या राशि के लोगों की लव लाइफ शुरुआत में थोड़ी ठंडी और नीरस रहेगी। साल के पहले भाग में कुछ मुश्किल सामने आ सकती हैं, लेकिन तीसरे चौथे महीने में रिश्ते में सुधार दिखेगा, जो आपकी लव लाइफ को सुलझाएगा। बृहस्पति का गोचर आपकी लव लाइफ के लिए सबसे अच्छे परिणाम लेकर आएगा और आपकी लव मैरिज भी करा सकता है। साल के बीच से लेकर अंतिम महीनो तक बृहस्पति की कृपा आपके लव रिलेशन को मजबूत बनाएगी। आपके प्रियजन से आपको प्रेम के साथ-साथ अच्छा सपोर्ट और अंडरस्टैंडिंग देखने को मिलेगी। इसी दौरान आपकी लव मैरिज के योग भी बनेंगे। कुंवारे लोगों का विवाह इस साल हो सकता है। दांपत्य जीवन के नजरिए से साल की शुरुआत थोड़ी धीमी होगी और शुरुआती 2 महीनों में कुछ समस्याएं सामने आएंगी, लेकिन साल के बीच तक वह स्थितियां ठीक हो जाएगी। रिश्ते में शुभता आएगी और आपकी लाइफ पार्टनर से आपकी अंडरस्टैंडिंग देखने को मिलेगी। कन्या राशि वालों का प्रेम जीवन वर्ष 2026 में औसत रहेगा। अगर आप सीमाओं में रहकर अपना रिश्ता निभाएंगे और बेकार की जिद से बचेंगे, तो यह समय और भी बेहतर बन सकता है। पंचम भाव के स्वामी शनि सप्तम भाव में रहेंगे और सप्तम भाव में शनि की उपस्थिति को शुभ नहीं माना जाता है। लेकिन, पंचमेश का सप्तम भाव में जाना दर्शाता है कि प्रेम विवाह के इच्छुक जातक प्रयास करने पर सफल हो सकते हैं। वहीं, जो लोग अपने रिश्ते को लेकर गंभीर हैं और आगे की जिंदगी साथ में बिताना चाहते हैं, शनि देव उनकी सहायता कर सकते हैं। इसके विपरीत, जो लोग प्यार को लेकर गंभीर नहीं हैं, उनके रिश्ते में खटास आ सकती है। पंचमेश का अपने से तीसरे भाव में गोचर पुराने साथी से आपका रिश्ता टूटने की तरफ संकेत करता है और कोई नया शख़्स आपके जीवन में दस्तक दे सकता है। हालांकि, यह सब उतनी आसानी से नहीं होगा, जितना आप सोच रहे हैं क्योंकि आपको विवादों और समस्याओं के बाद नए साथी का साथ मिलेगा।

शिक्षा– विद्यार्थियों के लिए साल 2026 मेहनत, लगन और समर्पण का साल रहेगा। आपको अपनी पढ़ाई और प्रतियोगिताओं में इस साल फोकस और कड़ी मेहनत की जरूरत होगी। बीच-बीच में ऐसा भी हो सकता है कि आप थकावट महसूस करें या मन पढ़ाई से हटे, लेकिन ऐसे समय में थोड़ा ब्रेक लें और फिर से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें। जो विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें खासतौर पर ज्यादा मेहनत करनी होगी। किसी से कोई मदद या शॉर्टकट की उम्मीद करना नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए खुद पर भरोसा रखें और अपनी तैयारी ईमानदारी से करें। इसके साथ ही, इस साल लापरवाही से बचना बहुत जरूरी रहेगा। किसी छोटी सी गलती या ध्यान भटकने से आपके अच्छे रिजल्ट पर प्रभाव पड़ सकता है। कभी-कभी आप अपनी क्षमता को कम आंक सकते हैं या फिर ज़रूरत से ज्यादा आत्मविश्वास में आ सकते हैं, दोनों ही स्थितियां आपके लिए हानिकारक साबित हो सकती हैं। शिक्षा की दृष्टि से वर्ष 2026 कन्या राशि वालों के लिए सामान्य तौर पर औसत से बेहतर रहेगा। हालांकि, आपका स्वास्थ्य अच्छा होने पर आप मन लगाकर पढ़ाई करने का प्रयास करेंगे, तो आप इस साल को शिक्षा की दृष्टि से बेहतर बना सकेंगे। आपके चतुर्थ भाव के स्वामी बृहस्पति देव जो उच्च शिक्षा के कारक ग्रह भी हैं, वह साल की शुरुआत में करियर भाव में बैठकर चतुर्थ भाव पर दृष्टि डालेंगे। ऐसे में, पेशेवर कोर्स की पढ़ाई करने वाले छात्रों को अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है, तब ही वह सफलता प्राप्त करने में सक्षम होंगे। हालांकि, इन छात्रों को साल की शुरुआत से 02 जून तक शिक्षा में अनुकूल परिणाम मिलने की संभावना है जबकि 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर की अवधि में गुरु ग्रह की मज़बूत स्थिति शिक्षा के लिए बहुत अच्छी कही जाएगी। वहीं, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति कमज़ोर रहेंगे। लेकिन द्वादश भाव में गुरु देव के बैठे होने के कारण यह अवधि घर से दूर रहकर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों, विशेषकर विदेश में पढ़ाई करने वालों के लिए सकारात्मक रहेगी। ऐसे में, अगर यह छात्र मन लगाकर पढ़ाई करने का प्रयास करेंगे, तो अच्छा प्रदर्शन करने के साथ-साथ सफलता भी प्राप्त कर सकेंगे। अगर पंचम भाव के स्वामी शनि की स्थिति को देखें तो, पंचमेश शनि बृहस्पति की राशि में और अपने से तीसरे भाव में विराजमान होंगे। इनकी यह स्थिति अनुकूल कही जाएगी। बता दें कि शनि ग्रह मेहनत के बाद ही परिणाम देते हैं, तो ऐसे में, मेहनती छात्रों को शिक्षा में सफलता मिलने की संभावना है। साल की शुरुआत से लेकर 20 जनवरी 2026 तक शनि ग्रह बृहस्पति के नक्षत्र में रहेंगे। ऐसे में, यह अवधि आपको सकारात्मक परिणाम देने का काम करेगी।

स्वास्थ्य – कन्या राशि के लोगों को साल 2026 में सेहत को लेकर ज्यादा चिंता करने की कोई जरूरत नहीं होगी, क्योंकि यह साल आपके लिए उत्तम स्वास्थ्य की स्थिति को दर्शा रहा है। आपके छठे भाव में राहु का प्रभाव होने के कारण आपको रोगों से लड़ने की क्षमता मिलेगी, लेकिन आप खुद अपनी गलतियों और अपनी लापरवाही से बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। आपको अपनी मानसिक स्थिति पर ध्यान देना होगा, क्योंकि वही आपको परेशान कर सकती है। पेट के निचले हिस्से से जुड़े रोग ज्यादा परेशान कर सकते हैं। वर्ष की शुरुआत में स्वास्थ्य सामान्य दिखाई देता है, लेकिन मानसिक तनाव बढ़ा हुआ रहेगा। छाती अथवा गले में कोई समस्या हो सकती है। मौसमी बीमारियों से बचने के लिए आपको अपनी सेहत पर ध्यान रखना होगा। कन्या राशि के जातकों के लिए स्वास्थ्य के मामले में ये समय अपने बेहतरीन स्तर को दिखा सकता है। छठे भाव का राहु रोगों से लड़ने की मजबूत क्षमता देगा। लेकिन रोग भाव का स्वामी आपकी राशि को देखते हुए कुछ स्वास्थ्य समस्याओं को देने की कोशिश करेगा तो कुल मिलर चीजें आपके सामने मिले जुले असर तो देने वाली होंगी लेकिन साथ ही में आप का बचाव भी संभव हो पाएगा। मानसिक तनाव और मानसिक चिंताओं से प्रभावित हो सकते हैं, जिससे आपकी सेहत पर नकारात्मक असर पड़ेगा। खासकर, वर्ष के पहले भाग में शनि की दृष्टि आपके लग्न पर होने के कारण मौसम जनित बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। इन बीमारियों में मौसमी बुखार, जुकाम, खांसी या एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, आपको इस समय मानसिक तनाव और सुस्ती का अनुभव भी हो सकता है, जो आपके सामान्य स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है। यदि आप ज्यादा चिंतित रहते हैं या अपने काम के दबाव में रहते हैं, तो आपको मानसिक थकावट और ऊर्जा की कमी महसूस हो सकती है। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए आपको अपनी दिनचर्या को बेहतर बनाना होगा और मानसिक शांति के लिए योग, ध्यान या आरामदायक समय बिताने की कोशिश करनी होगी।

ज्योतिष उपाय– भगवान गणपति को दूर्वा अर्पित करके करें साथ ही आप गौशाला में हरे चारे की व्यवस्था कराएं । अपने बड़े-बुजुर्गों, गुरुओं का आशीर्वाद लें। दुर्गा चालीसा का पाठ करें। माता के मंदिर में जाकर माता रानी को लाल फूल और लाल फल अर्पित करें। ॐ बुधाय नमः मंत्र का 108 बार जाप करें। बुधवार को साबुत मूंग, मूंग की दाल, या हरी चूड़ियों का दान करें।

संपादकीय

गांधी परिवार को राहत

राजधानी दिल्ली की राउज एवेन्यु अदालत ने 'नेशनल हेराल्ड केस' में आरोप-पत्र का संज्ञान लेने से इंकार कर दिया। आरोप-पत्र प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दाखिल किया था। सालों की जांच-पड़ताल, साक्ष्यों के संग्रह और आरोपितों से सवाल-जवाब के बाद यह आरोप-पत्र तैयार किया गया था। अदालत का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज किए बिना किसी आरोप-पत्र पर संज्ञान लेना संभव नहीं है, क्योंकि पूरी जांच एक निजी शिकायत के आधार पर की गई है। वह निजी शिकायत 2012 में डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी ने दर्ज कराई थी। यदि यह तर्क उचित है, तो इतने लंबे सालों तक सरकारी जांच एजेंसियां जांच क्यों करती रहीं? गौरतलब यह है कि 2019 में 'धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002' में यह संशोधन किया गया था कि जांच एजेंसी निजी शिकायत के आधार पर भी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर सकती है, लिहाजा वह अदालत में आरोप-पत्र भी दाखिल कर सकती है। ऐसे संसदीय संशोधन के बावजूद निचली अदालत ने संज्ञान क्यों नहीं लिया? बहरहाल इस सवाल पर ईडी उच्च न्यायालय में चुनौती दे सकता है, लेकिन निचली अदालत ने केस के मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की और जांच को जारी रखने के आदेश दिए। बेशक सोनिया-राहुल गांधी के लिए फिलहाल एक बड़ी राहत है, क्योंकि अदालत में आरोप तय नहीं होंगे, तो केस कैसे चलेगा? गांधी द्वय को सजा भी नहीं दी जा सकती। घोटाले का यह केस किसी भी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाएगा। 'नेशनल हेराल्ड केस' गांधी परिवार और कांग्रेस के लिए बेहद संवेदनशील है, क्योंकि उसे 2000 करोड़ रुपए के घपले के तौर पर चित्रित किया जाता रहा है। सोनिया-राहुल गांधी को अभियुक्त नंबर 1 और 2 बनाया गया है। 2000 करोड़ रुपए का आरोप न तो ईडी का है और न ही किसी अदालत में साबित हुआ है। ईडी ने भी करीब 900 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की हैं और केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने इसे 359 करोड़ रुपए की गड़बड़ी का मामला बताया था। तो फिर 2000 करोड़ रुपए का आंकड़ा कहां से उदित हुआ है? 'नेशनल हेराल्ड' अखबार 1938 में जवाहर लाल नेहरू ने शुरू किया था। 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' (एजेएल) कंपनी बनाई गई थी, जिसके शेयर नेहरू के अलावा, 5000 से अधिक स्वतंत्रता सेनानियों ने भी खरीदे थे। उसे 'आजादी का मुखपत्र' बनाने की कोशिशें थीं। मौजूदा संदर्भ में एजेएल के तमाम शेयर 'यंग इंडियन लिमिटेड' को हस्तांतरित कर दिए गए थे, जिसके 38-38 फीसदी (कुल 76 फीसदी) शेयर सोनिया-राहुल गांधी के नाम हैं। कंपनी एक्ट की धारा 25 के तहत पंजीकृत यह कंपनी ऐसी है, जिसमें कोई वेतन, लाभांश आदि नहीं लिया जा सकता। एजेएल की तमाम संपत्तियां लीज के तहत हैं, लिहाजा उन्हें बेचा नहीं जा सकता। संपत्तियों से 60 लाख रुपए का किराया दिखाया गया है। वह पैसा कहां जाता है, इस पर भी एजेंसी के सवाल हैं। यह मामला 2016 में सर्वोच्च अदालत में भी गया था, लेकिन अदालत ने गंभीर आपराधिक आरोपों के मद्देनजर कोई भी राहत देने से इंकार कर दिया। दिसंबर, 2015 में सोनिया-राहुल गांधी को 'पटियाला हाउस कोर्ट' ने जमानत दी। ईडी 2014 से जांच शुरू कर चुका था। सवाल है कि प्राथमिकी और आरोप-पत्र के अंतर्संबंधों का उल्लेख किसी ने भी क्यों नहीं किया? आरोप-पत्र के बिना गांधी परिवार 'आरोपित' कैसे करार दिया गया और जमानत किस आधार पर दी गई? कोई तो वजह होनी चाहिए कि जिसके आधार पर किसी को घोटाले का आरोपी कहा जाए? अब ऐसे सवाल नए सिरे से उठेंगे। आयकर, सीबीआई, ईडी सभी प्रमुख जांच एजेंसियां जांच कर चुकी हैं। उनके बावजूद दिल्ली पुलिस की 'आर्थिक अपराध शाखा' ने बीती 3 अक्तूबर को आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार की धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की है। तो इससे पहले की जांच एजेंसियों के तात्कालिक निष्कर्ष किन कानूनी धाराओं के तहत थे? नतीजतन अब राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस इसे राजनीतिक दुर्भावना, दुष्प्रचार करने और गांधी द्वय पर कानूनी दबाव बनाए रखने का मामला बता रही है। भाजपा इसे तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने का संकल्प दोहरा रही है। क्या अब यह मामला नए सिरे से उठेगा अथवा उच्च अदालत हस्तक्षेप करेगी, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। वैसे जहां तक कांग्रेस का संबंध है, वह इसे राजनीतिक रंजिश का केस बताती है। उसका कहना है कि मोदी सरकार उन लोगों को सहन नहीं करती है, जो उसकी जनविरोधी नीतियों की खिलाफत करते हैं। इसीलिए सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर यह केस चलाया गया है, जबकि इसमें गड़बड़ वाली कोई बात नहीं है। दूसरी ओर भाजपा इसे धोखाधड़ी बताती है।

सालों की जांच-पड़ताल, साक्ष्यों के संग्रह और आरोपितों से सवाल-जवाब के बाद यह आरोप-पत्र तैयार किया गया था। अदालत का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज किए बिना किसी आरोप-पत्र पर संज्ञान लेना संभव नहीं है, क्योंकि पूरी जांच एक निजी शिकायत के आधार पर की गई है। वह निजी शिकायत 2012 में डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी ने दर्ज कराई थी। यदि यह तर्क उचित है, तो इतने लंबे सालों तक सरकारी जांच एजेंसियां जांच क्यों करती रहीं? गौरतलब यह है कि 2019 में 'धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002' में यह संशोधन किया गया था कि जांच एजेंसी निजी शिकायत के आधार पर भी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर सकती है, लिहाजा वह अदालत में आरोप-पत्र भी दाखिल कर सकती है। ऐसे संसदीय संशोधन के बावजूद निचली अदालत ने संज्ञान क्यों नहीं लिया? बहरहाल इस सवाल पर ईडी उच्च न्यायालय में चुनौती दे सकता है, लेकिन निचली अदालत ने केस के मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की और जांच को जारी रखने के आदेश दिए। बेशक सोनिया-राहुल गांधी के लिए फिलहाल एक बड़ी राहत है, क्योंकि अदालत में आरोप तय नहीं होंगे, तो केस कैसे चलेगा? गांधी द्वय को सजा भी नहीं दी जा सकती। घोटाले का यह केस किसी भी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाएगा।

विधेयकों के बिना पर्याप्त चर्चा पारित होने और सदन के समय से पहले स्थगन ने इसकी गरिमा और प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए

संसद का अवरुद्ध स्वर और लोकतंत्र की कसौटी

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय संसद लोकतंत्र की आत्मा मानी जाती है। यही वह मंच है जहाँ जनता की विविध आकांक्षाएँ, असहमतियाँ और अपेक्षाएँ बहस के माध्यम से नीति और कानून का रूप लेती हैं। किंतु हाल के वर्षों में संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित होने, प्रश्नकाल के स्थगित रहने, विधेयकों के बिना पर्याप्त चर्चा पारित होने और सदन के समय से पहले स्थगन ने इसकी गरिमा और प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। संसद, जो संवाद और सहमति का प्रतीक होनी चाहिए थी, वह अनेक अवसरों पर टकराव और अवरोध का अखाड़ा बनती दिखी है। यह स्थिति केवल संसदीय परंपराओं का क्षरण नहीं, बल्कि प्रतिनिधि लोकतंत्र की जड़ों के कमजोर होने का संकेत भी है। भारतीय व्यंजन संसद में व्यवधान कोई नया विषय नहीं है। विरोध, असहमति और सरकार को जवाबदेह ठहराने के लिए प्रतिपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में अनिवार्य है। किंतु जब विरोध का प्रमुख औजार निरंतर हंगामा, नारेबाजी और कार्यवाही ठप करना बन जाए, तब यह प्रश्न उठता है कि क्या संसद अपने मूल उद्देश्य को पूरा कर पा रही है। बार-बार स्थगित होने वाली कार्यवाही का सबसे बड़ा नुकसान जनता को होता है, क्योंकि संसद का हर खोया हुआ घंटा नीतिगत विमर्श, जनहित के मुद्दों और विधायी समीक्षा से चूक का प्रतीक बन जाता है। यह स्थिति कार्यपालिका को अधिक शक्तिशाली बनाती है और विधायिका की निगरानी भूमिका को कमजोर करती है। लोकतांत्रिक शासन में संसद केवल कानून पारित करने की मशीन नहीं होती, बल्कि वह कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने, नीतियों की आलोचनात्मक समीक्षा करने और समाज के विभिन्न वर्गों की आवाज़ को सामने लाने का मंच भी होती है। जब संसद बाधित होती है, तब कार्यपालिका पर सवाल पूछने के अवसर कम होते हैं, अध्यादेशों और 'गिलोटिन' जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से विधायी निगरानी कमजोर पड़ती है और निर्णय कुछ सीमित हाथों में केंद्रित होने लगते हैं। इस संदर्भ में संस्थागत सुधारों की आवश्यकता केवल तकनीकी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता से जुड़ा प्रश्न है। संसदीय समितियों की भूमिका इस बहस में अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में संसदीय समितियाँ सदन के बाहर अपेक्षाकृत शांत वातावरण में विधेयकों की बारीकी से जांच करने, विशेषज्ञों और हितधारकों की राय लेने तथा राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर व्यावहारिक सुझाव देने का मंच प्रदान करती हैं। जब अधिकाधिक विधेयकों को बिना समिति जांच के पारित किया जाता है, तो कानून निर्माण की गुणवत्ता प्रभावित होती है। संस्थागत सुधार के रूप में सभी प्रमुख विधेयकों को अनिवार्य रूप से समितियों को भेजना न केवल विधायी प्रक्रिया को मजबूत करेगा, बल्कि संसद के भीतर होने वाले टकराव को भी कम कर सकता है, क्योंकि असहमति का समाधान बहस और प्रमाण के माध्यम से बाहर संभव होगा। प्रश्नकाल को संसदीय लोकतंत्र की रीढ़ कहा जाता है। यही वह समय होता है जब निर्वाचित प्रतिनिधि सीधे-सीधे मंत्रियों से जनता से जुड़े सवाल पूछते हैं और सरकार को अपने निर्णयों का स्पष्टीकरण देना पड़ता है। प्रश्नकाल का बार-बार बाधित होना या औपचारिकता में सिमट जाना कार्यपालिका की जवाबदेही को कमजोर करता है। संस्थागत सुधार के तहत प्रश्नकाल की सुरक्षा और उसकी अनिवार्यता तय करना आवश्यक है, ताकि किसी भी परिस्थिति में इसे स्थगित न किया जाए। इससे सरकार और विपक्ष दोनों को संवाद के लिए बाध्य होना पड़ेगा। संसद में अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने के लिए आचार-संहिता और दंडात्मक प्रावधान भी आवश्यक हैं। वर्तमान में नियम तो मौजूद हैं, किंतु उनका निष्पक्ष और सुसंगत क्रियान्वयन अक्सर विवादों में घिर जाता है। यदि सांसदों के लिए स्पष्ट, पारदर्शी और सर्वसम्मति से तय आचार-संहिता हो तथा उसके उल्लंघन पर समान रूप से कार्रवाई हो, तो अव्यवस्थित आचरण पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। यह सुधार केवल दंड देने का नहीं, बल्कि संसदीय संस्कृति को पुनर्जीवित करने का माध्यम बन सकता है। संसद के कार्यदिवसों की संख्या भी एक महत्वपूर्ण संस्थागत मुद्दा है। भारत की संसद कई विकसित लोकतंत्रों की तुलना में अपेक्षाकृत कम दिन बैठती है। सीमित सत्रों में भारी विधायी एजेंडा न केवल सांसदों पर दबाव बढ़ाता है, बल्कि सार्थक बहस की संभावना को भी कम करता है। न्यूनतम निश्चित बैठक दिनों वाला कैलेंडर तय करना और उसका सख्ती से पालन करना विधायी गुणवत्ता को बेहतर बना सकता है। अधिक बैठकों का अर्थ केवल अधिक कानून नहीं, बल्कि अधिक संवाद, अधिक प्रश्न और अधिक जवाबदेही है। हालाँकि, इन संस्थागत सुधारों की राह आसान नहीं है। राजनीतिक दल अक्सर संसद के भीतर व्यवधान को एक वैध राजनीतिक हथियार मानते हैं। विपक्ष को यह आशंका रहती है कि सुधारों के नाम पर उसके विरोध के अधिकार को सीमित किया जाएगा, जबकि सत्ता पक्ष पर यह आरोप लगता है कि वह संस्थागत नियमों का उपयोग असहमति को दबाने के लिए कर सकता है। इसके अतिरिक्त, स्पीकर या सभापति की निष्पक्षता पर उठने वाले सवाल भी सुधारों के प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा बनते हैं। यदि पीठासीन अधिकारी पर पक्षपात का आरोप लगे, तो अनुशासनात्मक कार्रवाई भी विवाद का कारण बन जाती है। कार्यपालिका का बढ़ता प्रभुत्व भी एक गंभीर चिंता है। अध्यादेशों का बढ़ता प्रयोग, धन विधेयकों के दुरुपयोग और समयाभाव के नाम पर बहस सीमित करने की प्रवृत्ति संसद की भूमिका को कमजोर करती है। ऐसे में केवल नियम बदलना पर्याप्त नहीं होगा; सत्ता और विपक्ष दोनों को संसदीय मर्यादाओं के प्रति प्रतिबद्धता दिखानी होगी। संस्थागत सुधार तभी सार्थक होंगे जब उन्हें राजनीतिक इच्छाशक्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों का समर्थन प्राप्त हो। अंततः संसद की मजबूती किसी एक सुधार या नियम से सुनिश्चित नहीं हो सकती। यह एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें संस्थाएँ, परंपराएँ और राजनीतिक आचरण तीनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। संसद को फिर से बहस, सहमति और उत्तरदायित्व का मंच बनाने के लिए आवश्यक है कि विरोध संवाद में बदले, असहमति अवरोध में नहीं, और शक्ति संतुलन संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप बना रहे। तभी भारतीय संसदीय लोकतंत्र न केवल व्यवधानों से उबर पाएगा, बल्कि एक जीवंत, प्रतिनिधिक और जवाबदेह संस्था के रूप में अपनी भूमिका को पुनः स्थापित कर सकेगा।

भारतीय व्यंजन संसद में व्यवधान कोई नया विषय नहीं है। विरोध, असहमति और सरकार को जवाबदेह ठहराने के लिए प्रतिपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में अनिवार्य है। किंतु जब विरोध का प्रमुख औजार निरंतर हंगामा, नारेबाजी और कार्यवाही ठप करना बन जाए, तब यह प्रश्न उठता है कि क्या संसद अपने मूल उद्देश्य को पूरा कर पा रही है। बार-बार स्थगित होने वाली कार्यवाही का सबसे बड़ा नुकसान जनता को होता है, क्योंकि संसद का हर खोया हुआ घंटा नीतिगत विमर्श, जनहित के मुद्दों और विधायी समीक्षा से चूक का प्रतीक बन जाता है। यह स्थिति कार्यपालिका को अधिक शक्तिशाली बनाती है और विधायिका की निगरानी भूमिका को कमजोर करती है। लोकतांत्रिक शासन में संसद केवल कानून पारित करने की मशीन नहीं होती, बल्कि वह कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने, नीतियों की आलोचनात्मक समीक्षा करने और समाज के विभिन्न वर्गों की आवाज़ को सामने लाने का मंच भी होती है।

देश दुनिया से

आतंक का कहर पहलगाम से ऑस्ट्रेलिया तक

दुनिया के मानचित्र पर जब-जब निर्दोष नागरिकों का खून बहता है, तब-तब एक ही प्रश्न उठता है, आखिर आतंकवाद का यह सिलसिला कब थमेगा? भारत के कश्मीर स्थित पहलगाम से ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर के बोंडी बीच जैसे सुरक्षित माने जाने वाले पर्यटन स्थल तक, हिंसा का पैटर्न एक जैसा है, भीड़, निहत्थे लोग और अंधाधुंध हमला। न कोई युद्धभूमि, न कोई सैन्य ठिकाना, फिर भी गोलियां चलती हैं, लाशें गिरती हैं और मानवता शर्मसार होती है। बोंडी बीच की घटना ने पश्चिमी दुनिया को झकझोर दिया है, तो पहलगाम घटनाक्रम भारत के लिए कोई नई त्रासदी नहीं थी। भारत दशकों से इस आग में जल रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि जो दर्द भारत लंबे समय से झेल रहा था, उसकी आंच अब वैश्विक चौखटों तक पहुंच चुकी है। अब मौका है कि, दुनिया को आत्ममंथन करना चाहिए और भावनात्मक संवेदना से आगे बढ़कर आतंकवाद की पोषक सरकारों से ठोस सवाल पूछने चाहिए। आज सबसे असहज करने वाला और विवादास्पद प्रश्न यही है कि अधिकांश अंतरराष्ट्रीय आतंकी घटनाओं में कट्टर इस्लामिक विचारधारा से प्रेरित तत्वों की संलिप्तता क्यों बार-बार सामने आती है। यह सच है कि इस्लाम एक वैश्विक धर्म है और उसके अनुयायियों की अधिकांश विशाल आबादी शांति से जीवन जीती है। यह भी उतना ही सच है कि दुनिया में आतंकवाद का शिकार स्वयं मुस्लिम समाज भी है, अफगानिस्तान, इराक, सीरिया और अफ्रीका के कई देश इसकी गवाही देते हैं। लेकिन इन तथ्यों के बावजूद इससे इनकार नहीं किया जा सकता है कि, अल कायदा, आईएसआईएस, लश्कर ए तैयबा, जैश ए मोहम्मद जैसे संगठनों ने धर्म की आड़ में हिंसा को वैध ठहराने की जो कोशिशें की हैं, यहीं से आतंकवाद रूपी वैश्विक समस्या जन्म लेती है। आज आतंकवाद एक वैश्विक समस्या बन चुकी है क्योंकि यह किसी एक देश तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर के सभी देशों को प्रभावित करती है। इस खतरनाक समस्या के समाधान के लिए विश्व के सभी देशों को एकजुट होकर बहुआयामी रणनीति अपनाने की जरूरत है, जिसमें सुरक्षा, संचार, गरीबी उन्मूलन और अन्याय का समाधान शामिल हो। भारत दशकों से आतंकवाद झेल रहा है। कश्मीर में पहलगाम, उड़ी, पुलवामा और मुंबई जैसे हमले केवल सुरक्षा चूक नहीं, बल्कि सीमा-पार प्रायोजित आतंकवाद की परिणति रहे हैं। भारत ने बार-बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह प्रश्न उठाया है कि जब आतंकवादी संगठनों की जड़ें और प्रशिक्षण शिविर स्पष्ट रूप से कुछ देशों और कट्टर नेटवर्कों से जुड़े हों, तो वैश्विक समुदाय कठोर कार्रवाई करने से क्यों बचता है? पहलगाम जैसे पर्यटन स्थल पर हमला यह दर्शाता है कि आतंकवादियों का उद्देश्य सैन्य जीत नहीं, बल्कि डर का वातावरण बनाना है, ताकि भारत की अर्थव्यवस्था, पर्यटन और सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचे। कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों और जांचों में यह बात सामने आती रही है कि दक्षिण एशिया में सक्रिय अनेक आतंकी संगठनों को पाकिस्तान स्थित कट्टरपंथी नेटवर्कों से वैचारिक या लॉजिस्टिक समर्थन मिलता है। यही कारण है कि भारत बार-बार यह कहता रहा है कि आतंकवाद को 'अच्छा' और 'बुरा' में बांटना अंततः पूरी दुनिया के लिए घातक सिद्ध होगा। दुर्भाग्यवश, जब तक यह आग दूसरों के घर में लगी रहती है, तब तक वैश्विक शक्तियां कूटनीतिक औपचारिकताओं से आगे नहीं बढ़ती हैं। बोंडी बीच जैसी घटनाएं इसी उदासीनता का परिणाम हैं। आज जो कट्टरता दक्षिण एशिया में पन रही है, वह वैश्वीकरण के दौर में सीमाओं से बंधी नहीं रह सकती। इंटरनेट, फंडिंग नेटवर्क और वैचारिक प्रचार ने आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय बना दिया है। ऐसे में यह मान लेना कि समस्या 'किसी और की' है, आत्मघाती भ्रम के अलावा कुछ नहीं है। यहां एक बात स्पष्ट करनी होगी, किसी पूरे समुदाय को दोषी ठहराना न तो समाधान है, न ही न्याय। लेकिन यह सवाल पूछना पूरी तरह से जायज है कि कट्टर इस्लामी आतंकवाद के विरुद्ध मुस्लिम-बहुल देशों और समाजों में वैचारिक स्तर पर पर्याप्त प्रतिरोध क्यों नहीं खड़ा हो पाया है? क्यों आतंकवाद की स्पष्ट और एकस्वर से निंदा अक्सर राजनीतिक शर्तों में उलझकर रह जाती है? भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध अपना रुख स्पष्ट रखा है। सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने यह स्पष्ट संकेत दिए हैं कि, भारत अब केवल बयान नहीं देता, बल्कि निर्णायक कार्रवाई भी करता है। यह कार्रवाई किसी देश या नागरिक आबादी के विरुद्ध न होकर विशिष्ट आतंकी ढांचों के विरुद्ध होती है। अब भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपना ली है। भारत, संयुक्त राष्ट्र में सीसीआईटी जैसे प्रस्तावों के माध्यम से लगातार यह मांग करता रहा है कि आतंकवाद की एक सार्वभौमिक परिभाषा तय हो और उसके प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया जाए। 1996 में, भारत ने 'अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक अभिसमय का प्रस्ताव' संयुक्त राष्ट्र महासभा में रखा था, जिसका उद्देश्य सभी प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद को अपराध घोषित करना और आतंकवादियों, उनके वित्तपोषकों तथा समर्थकों को धन, हथियार और सुरक्षित आश्रयों से वंचित करना था। हैरानी वाली बात है कि 29 सालों के बाद भी आतंकवाद की परिभाषा पर सदस्य देशों के बीच असहमति के कारण यह प्रस्ताव अभी तक पारित नहीं हो सका है। केवल संवेदनाएं व्यक्त करने से न बोंडी बीच सुरक्षित होगा, न पहलगाम। निष्कर्षतः, बोंडी बीच से पहलगाम तक फैला यह खून का नक्शा एक चेतावनी है। आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब धर्म का नाम लेकर बार-बार निर्दोषों का कत्ल किया जाए, तो उस वैचारिक जड़ पर प्रहार अनिवार्य हो जाता है। भारत आज दुनिया से केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि स्पष्टता, साहस और कार्रवाई की अपेक्षा करता है। क्योंकि आतंकवाद यदि आज भारत का दर्द है, तो कल वह पूरी दुनिया का नासूर भी बन सकता है।

भारत के कश्मीर स्थित पहलगाम से ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर के बोंडी बीच जैसे सुरक्षित माने जाने वाले पर्यटन स्थल तक, हिंसा का पैटर्न एक जैसा है, भीड़, निहत्थे लोग और अंधाधुंध हमला। न कोई युद्धभूमि, न कोई सैन्य ठिकाना, फिर भी गोलियां चलती हैं, लाशें गिरती हैं और मानवता शर्मसार होती है। बोंडी बीच की घटना ने पश्चिमी दुनिया को झकझोर दिया है, तो पहलगाम घटनाक्रम भारत के लिए कोई नई त्रासदी नहीं थी। भारत दशकों से इस आग में जल रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि जो दर्द भारत लंबे समय से झेल रहा था, उसकी आंच अब वैश्विक चौखटों तक पहुंच चुकी है।

आप का नज़रिया

मौत की धुंध

उस घटना की कल्पना करके भी रूह कांप जाती है, जिसमें मथुरा के निकट, मंगलवार तड़के घने कोहरे के चलते कई वाहनों के आपस में टकराने से तेरह लोग जिंदा जल गए। घने अंधेरे में बड़ी संख्या में लोग आग में झुलसे और घायल हुए। मरने वाले निर्दोष लोग अपने-अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे। लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गये। मंगलवार को अमंगल का यह सिलसिला पंजाब तक चला, जहां सुबह घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। वहीं तपामंडी के व्यापारी की पत्नी व बेटी की मौत रास्ते में खड़े ट्रक से उनकी कार के टकराने से हुई। इससे पहले रविवार सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस व रोडवेज की बस की आमने-सामने की टक्कर में एक ग्यारहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं व शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाईवे 152-डी पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। निश्चय ही निर्दोष लोगों का यूं असमय काल-कवलित होना बेहद दुखद ही है। आखिर हर साल जाड़े के दिनों में धुंध या कोहरे की वजह से होने वाले हादसों के लिए हम क्यों अभिशप्त हैं? आखिर इन दुर्घटनाओं को टालने की गंभीर कोशिश सरकार, समाज व वाहन चालकों की तरफ से क्यों नहीं की जाती? विडंबना है कि जब हमने चांद व मंगल ग्रह तक दस्तक दे दी है, तो राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों के जानमाल की रक्षा के लिए धुंध से मुक्ति की तकनीक क्यों नहीं लगा पा रहे हैं? निश्चय ही प्रकृति की लीला का मुकाबला कर पाना संभव नहीं, लेकिन कमोबेश दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान-माल का नुकसान कम करने का प्रयास तो करें। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है। यात्रा के समय के चयन और धुंध के बीच वाहन चालन में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होती है। राष्ट्रीय राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे पर पर्याप्त रोशनी और धुंध में दृश्यता बढ़ाने के तकनीकी प्रयास किए जाएं। मौसमी बाधा के बीच दुर्घटना का एक बड़ा कारण राजमार्गों के किनारे अवैध रूप से जगह-जगह खोले गए ढाबे भी बनते हैं। दरअसल, होटल-ढाबों के पास वाहनों को अपने परिसर में खड़ा करने की जगह नहीं होती, जिसके चलते ट्रक व अन्य वाहन सड़कों में खड़े रहते हैं। जिसके चलते अक्सर तेजी से आने वाले वाहन दृश्यता की कमी से इन खड़े वाहनों से टकराकर दुर्घटना ग्रस्त हो जाते हैं। पिछले माह राजस्थान के फलोदी के निकट एक टेम्पो ट्रेवलर के सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर से टकराने से दस महिलाओं व चार बच्चों समेत पंद्रह लोगों की मौत हुई थी। इस घटना पर स्वतः संज्ञान सुप्रीम कोर्ट ने लिया। सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी दिखाई। कोर्ट ने लगातार हादसों की वजह बन रहे इन अवैध होटलों-ढाबों पर नियंत्रण हेतु पूरे देश के लिये दिशा-निर्देश जारी करने की जरूरत बतायी। कई अध्ययनों में हादसों की वजह सड़कों के डिजाइन में कमी को भी बताया गया। सवाल है कि जब देश में अच्छी-तेज सड़कों का जाल तीव्र गति से बिछाया जा रहा है तो सुरक्षित सफर सुनिश्चित करना भी तो नीति-नियंताओं की जवाबदेही बनती है? हादसों के लिए सिर्फ चालकों को जिम्मेदार नहीं बताया जा सकता। हां, इतना जरूर है कि वाहन चालकों को गति के साथ मति भी तेज रखनी होगी। यातायात नियमों का पालन करने में एक जिम्मेदार नागरिक का भी दायित्व निभाना होगा।

घने अंधेरे में बड़ी संख्या में लोग आग में झुलसे और घायल हुए। मरने वाले निर्दोष लोग अपने-अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे। लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गये। मंगलवार को अमंगल का यह सिलसिला पंजाब तक चला, जहां सुबह घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। वहीं तपामंडी के व्यापारी की पत्नी व बेटी की मौत रास्ते में खड़े ट्रक से उनकी कार के टकराने से हुई। इससे पहले रविवार सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस व रोडवेज की बस की आमने-सामने की टक्कर में एक ग्यारहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं व शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाईवे 152-डी पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। निश्चय ही निर्दोष लोगों का यूं असमय काल-कवलित होना बेहद दुखद ही है।

कुछ अलग

फुटपाथों पर गुम जिंदगी

आजकल हर बात को आध्यात्मिक तेवर देने का जमाना हो गया है। पहले इस संसार को मोह-माया कहते थे, और जीवन को क्षणभंगुर। इसी को अब जिंदगी में उतार लिया गया। इंटरनेट की ताकत मिलने के बाजे बजने लगे। इनसान से बड़ी उसकी बनाई मशीनें हो गईं, जिन्हें रोबोट कहते हैं। अपनी बुद्धि का इस्तेमाल न कर सकने वाले लोग कृत्रिम मेधा का आविष्कार करने चले हैं। आविष्कार तो हो गया, लेकिन उसने समस्या के समाधान से पहले गहरी बनावटी मशीनें इनसान को भेंट कर दीं। इसे 'डीप फेक' कहते हैं। इसे आभासी दुनिया कहते हैं अर्थात किसी भी व्यक्ति के मुंह से अपनी मर्जी के संवाद निकलवा कर, अपनी मर्जी की क्रिया करवा उसका चित्र बना कर आभासी दुनिया पैदा कर दो। इंटरनेट की ताकत मिली है। उससे अंतरराष्ट्रीय ज्ञान-विज्ञान चिकित्सा उपचार के स्थान पर ठगी अंतरराष्ट्रीय हो गई। हावर्ड और आक्सफोर्ड का ज्ञान तो आपकी नई पीढ़ी तक पहुंचा नहीं। हां, अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराधों ने अवश्य आपके दरवाजों पर दस्तक दे दी है।

दृष्टि कोण

आपराधिक मामलों के निपटान में देरी अन्याय जैसा

एक दिवंगत रेलवे टीटीई को 50 रुपये की रिश्वतखोरी के आरोप से मुक्त होने में 40 साल लग गए, जिसके कारण अपने जीवन-काल में उन्हें सरकारी नौकरी, सम्मान और मानसिक शांति खोने का दंश झेलना पड़ा था। मध्य प्रदेश राज्य सड़क परिवहन में तैनात लिपिक, जागेश्वर प्रसाद अवधिया को 100 रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तारी के 39 वर्ष बाद सर्वोच्च न्यायालय ने दोषमुक्त कर दिया। वर्ष 2005 और 2006 के सबसे चौंकाने वाले निठारी सीरियल किलिंग मामलों में नवम्बर, 2025 में सर्वोच्च न्यायालय ने सुरेन्द्र कोली और पंढेर को भी दोषमुक्त कर दिया है। वस्तुतः भारत में आपराधिक मामलों के निर्णय में देरी आपराधिक न्याय प्रणाली में अन्तर्निहित है, जिसके परिणाम स्वरूप गिरफ्तार किए गए सभी लोगों में से 46 प्रतिशत से अधिक को विचाराधीन कैदियों के रूप में विभिन्न अवधियों के लिए जेलों में सजायाफ्ता दोषियों की तरह कष्ट सहने को मजबूर होना पड़ रहा है। इस पृष्ठभूमि में, भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकान्त द्वारा लम्बित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का एजेंडा तय करना प्रशंसनीय पहल है। 29 अक्तूबर, 2025 को भी आरोप निर्धारण में अत्यधिक देरी पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गम्भीर चिन्ता व्यक्त की गई थी और इस समस्या के समाधान के लिए समुचित दिशा-निर्देश निर्धारित करने हेतु भारत के महान्यायवादी और सॉलिसिटर जनरल से सहयोग मांगा था। आपराधिक मामलों के निपटान में देरी महज आकस्मिक नहीं, जिसे दिशा-निर्देश बनाकर रोका जा सके, वास्तव में यह उभरती दरपेश परिस्थितियों से निपटने में संस्थागत विफलता का मामला है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के प्रकाशन 'भारत में अपराध-2023' के अनुसार, पिछले वर्ष के लम्बित 2,45,84,673 मामलों में इस वर्ष 8,25,681 और आपराधिक मामलों की बढ़ोतरी हुई, जिसके परिणाम स्वरूप वर्ष 2023 के अन्त तक देश में कुल 2,54,10,354 आपराधिक मामले निचली अदालतों में लम्बित हो गए। इस वर्ष न्यायालयों द्वारा 40,95,080 आपराधिक मामलों का ही निपटान सम्भव हो सका जबकि इस दौरान 49,20,771 नए मामले निर्णय के लिए अदालतों में प्राप्त हुए। इस प्रकार लम्बित मामलों की संख्या में प्रतिवर्ष औसतन 16 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। लम्बित आपराधिक मुकदमों के पीछे के कारणों को समझने के लिए गहन विश्लेषण और शोध की आवश्यकता है। इस बढ़ते रुझान को रोकने और लम्बित मामलों की संख्या को कम करने के लिए एक बहु-आयामी रणनीति अपनाने की जरूरत है। इस रणनीति में निम्नलिखित आयाम शामिल किए जा सकते हैं : पहला, इस मिथक को तोड़ने की आवश्यकता है कि एक पुलिस थाना क्षेत्र के मुकदमों की सुनवाई के लिए एक ही ट्रायल कोर्ट हो सकता है। लम्बित मुकदमों की संख्या के आधार पर एक थाना क्षेत्र में एक से अधिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए जाने चाहिए। कहने की आवश्यकता नहीं कि प्रत्येक ट्रायल कोर्ट में ढांचागत सुविधाओं के साथ-साथ कम से कम तीन स्टेनोग्राफर और दो लोक अभियोजकों की तैनाती का प्रावधान हो। जब तक नियमित पीठासीन अधिकारियों, अभियोजकों, सचिवीय कर्मचारियों की भर्ती नहीं हो जाती और अदालत कक्ष नहीं बन जाते, तब तक जिला जज को अदालतों के लिए भवन किराए पर लेने के लिए और अस्थायी अदालतों के संचालन हेतु सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को नियुक्त करने का अधिकार दिया जा सकता है। दूसरा, कई राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में एक ही न्यायाधीश आपराधिक और सिविल दोनों क्षेत्राधिकारों का प्रयोग कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज वित्तीय सुधार चाह रहें हैं तो मित्रों का सहयोग जरूर लें । स्थिति में सुधार आएगा । पडोस मे कुछ अच्छी खबर मिलेगी जिससे आप के परिवार मे भी खुशी का माहौल रहेगा सेहत के मामले में दिन ठीक नहीं है. पेट और कमर के रोग भी परेशान कर सकते हैं. वाणी पर संयम रखना आवश्यक है. नयी योजना को चालू करने के लिए और साझेदारी मे भी व्यापार करने के लिए समय श्रेष्ठ हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज व्यापार मे नयी साझेदारी का काम कर सकते हैं आप का विरोधी आप को कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. स्थिर आय आपको व्यवसायिक क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करेगी. यदि विवाह योग्य आयु है, तो विवाह हो सकता है. पारिवारिक जीवन शानदार रहेगा और बच्चे बहुत अच्छा फील करेंगे. स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि आप छोटी–मोटी बीमारियों का शिकार हो सकते हैं. यात्रा का योग रहेगा दही का सेवन करके ही यात्रा का आरंभ करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज के दिन शरीर मे उर्जा रहेगी दिन बढ़िया रहेगा. सभी काम में आपको सफलता हासिल होने के योग हैं. आपके मान–सम्मान में बढ़ोतरी होगी. आपके किसी समारोह में जाने की योजना बना सकते हैं. वहां पर आपकी किसी बचपन के मित्र से मुलाकात हो सकती है. जीवनसाथी आपकी ईमानदारी से प्रभावित हो सकते हैं. कुछ नए अनुभवों के लिए आपको तैयार रहना चाहिए. माता–पिता की सलाह आपके लिए लाभदायक हो सकती है. मंदिर में कुछ समय के लिए ध्यान मे जरूर समय बिताएं शरीर मे रोमांच होगा ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप को चाहिए अपनी दिनचर्या मे देव पूजन और दान कर्म जरूर करना चाहिए जिससे मानसिक लाभ और सामाजिक लाभ भी होगा लाभ के अवसर हाथ आएंगे. शत्रु परास्त होंगे. विवाद को बढ़ावा न दें. विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है. संतानों के लिए समय अनुकूल है. नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है. पद–ोन्नति के भी योग बन रहे हैं. निवेश करते समय सावधानी रखें. धार्मिक कार्यों के पीछे खर्च हो सकता है. दांपत्य जीवन की सभी जरुरतों को पूरा करना चाहिए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप कोई जरूरी कामकाज पूरा करेंगे योजना में प्रवेश कर सकते हैं. यदि आप एक साझेदारी में प्रवेश करना चाहते हैं, तो सकारात्मक विकास संभव है. राजनीति या सामाजिक कार्यों में शामिल लोगों को प्रतिष्ठा में वृद्धि देखने को मिलेगी और वह अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आप को दे सकते हैं नौकरी के सन्दर्भ में आप में से जो लोग बदलाव की तलाश कर रहे हैं, उन्हें नए अवसर प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है.परिवार में उत्सव का माहौल रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज मित्रों के साथ दिन व्यतीत होगा . दोस्त से मिलकर आप पूरा दिन खुश होंगे. ऑफिस में काम करते समय बचपन की कोई याद ताजा हो सकती है. काम को लेकर आपका आत्मविश्वास भी बहुत शानदार रहेगा. सीनियर्स आपसे खुश होंगे. आपको अचानक कहीं से धन लाभ हो सकता है. बिजनेसमैन को अपने कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि हाथ लग सकती है.श्रीं श्रीयै नम: मंत्र का जप करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप को अपनी सपनों की दुनिया से बाहर आना चाहिए .और अपनी आंतरिक शक्ति को जगाना होगा। खुला व्यवहार लोगों को अखरेगा. खर्च की चिंता से मन अशांत रह सकता हैं. बुजुर्गों का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद बढ़ सकते हैं. संचित धन में वृद्धि होगी। साथ काम करने वाले कुछ लोगों की मदद भी आपको मिल सकती है. परिवार में शांति का माहौल बना रहेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज गाय और नंदी को हरी सब्जी खिलाए सकारात्मकता रहेगी व्यापार में आपको बड़ी सफलता मिलेगी. नवीन सौदे लाभदायक रहेंगें और मददगार लोग आपको किसी भी मुश्किल पेंच को दूर करने में मदद करेंगे. छात्रों को अपने एका–ग्रता के स्तर पर ध्यान देने की आवश्यकता है. पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा. विवाह योग्य जातकों का विवाह संबंध निश्चित हो सकता है. स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरुरी हैं क्योंकि मौसमी बिमारी आप को परिवार को तकलीफ दे सकती हैं ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज रूके हुए कामों को पूरा करना हैं तो सुबह भोर मे जल्दी उठकर दिनचर्या को आरंभ करें आपको किसी मित्र की मदद भी मिल सकती है. साथ ही दोस्त से कोई खुशखबरी भी मिल सकती है. आज आपके पास कुछ नयी जिम्मेद–ारियां आयेंगी, जिन्हें पूरा करने में आप पूरी तरह से सफल होंगे. आप अपने करियर में सफलता के बेहद करीब होंगे. ऑफिस में साथ काम करने वाले लोगों से आपको पूरा–पूरा सहयोग प्राप्त होगा. आपके दिमाग में कुछ नए विचार आयेंगे, जिससे आप अपेन कार्यों को और अच्छे से पूरा कर पायेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धन के व्यय को लेकर चिंतित रहेंगे. नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें.सामाजिक कार्यों में शिरकत करेंगे परन्तु कार्य ख़र्चीले रहेगें. शारीरिक रूप से आज खुद को आप बेहतर महसूस करेंगे. दोपहर बाद अच्छी खबर मिल सकती हैं कुछ हल्का ही भोजन करें आप का बल्ड प्रेशर जरूर बढ सकता हैं शान्त रहने की आवश्यकता हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जोखिम लेने का दिन नही हैं अपनी दैनिक कार्य रफ्तार की पर अंकुश लगाना जरूरी हैं किन्तु आपने पहले से जो भी जोखिम उठाए हैं, उन्हें भी कुछ समय के लिए स्थगित करें निवेश समझदारी से करें अन्यथा आर्थिक पक्ष कमजोर हो सकता है. आपके भाई–बहनों के साथ आपकी हल्की नोंक–झोंक हो सकती है, किन्तु वे अपनी ज़िम्मेदारियों का वहन करने से पीछे नहीं हटेंगें आपको अपने परिवार के किसी छोटे सदस्य पर खर्चा करना पड सकता हैं यात्रा का योग भी बनेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप को सकारात्मक माहौल मिलेगा आपको जीवनसाथी का सहयोग मिल सकता है. घर में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है. बच्चों को दोस्तों के साथ बेहतरीन समय बीताने का मौका मिल सकता है. किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर आप माता–पिता से सलाह ले सकते हैं. उनकी सलाह आपके बहुत काम आयेगी. आप सही फैसला ले पायेंगे. पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे हैं, तो दिन मुनाफा दिलाने वाला हो सकता है. पीपल मे दूध जल चढाए , घी का दीपक प्रज्वलित करें ।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 दिसंबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष , शुक्ल पक्ष
तिथि : अमावस्या प्रात: 07:15 तक
नक्षत्र : मूल रात्रि 01:22 तक
योग : गंड सायं 04:16 तक
करण : नाग प्रात: 07:15 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 05:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 05:58 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 05:49 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 05:49 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 01:22 तक

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हमारी सरकार ने नीतियों एवं योजनाओं में महिला उत्थान को दी सर्वोच्च प्राथमिकता : भजनलाल

धौलपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधी आबादी के सशक्तीकरण से ही समग्र विकास का सपना पूरा किया जा सकता है। हमारी सरकार ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल में महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार अपनी नीतियों एवं योजनाओं के माध्यम से महिला उत्थान के लिए निरंतर निर्णय ले रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को साकार करने में हमारी आधी आबादी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

शर्मा ने राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत शुक्रवार को धौलपुर के पचगांव में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी शक्ति का सदैव सम्मान रहा है। शास्त्रों में भी कहा गया है, जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति को बनाया राष्ट्रीय प्रगति का आधार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की नारी शक्ति को सम्मान और गरिमा देने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। उन्होंने नारी शक्ति को राष्ट्रीय प्रगति का आधार बनाया है तथा स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, स्वच्छता, वित्तीय समावेशन और नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने वाली नीतियां लागू की हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत पिछले 11 वर्षों में 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए हैं। साथ ही, जल जीवन मिशन के तहत 13 लाख 59 हजार ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के माध्यम से समाज में बालिकाओं के प्रति भेदभाव की मानसिकता को समाप्त करने का काम किया है। इसी तरह उज्ज्वला योजना, सुकन्या समृद्धि, लखपति दीदी तथा महिलाओं के जन धन खाते खोलने जैसी योजनाओं से महिलाओं का आर्थिक भविष्य सुरक्षित हुआ है।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में भी हमारी सरकार ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और उनके सशक्तीकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 19 लाख 45 हजार महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 12 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गईं। साथ ही, लाडो प्रोत्साहन योजना से अब तक 4 लाख 60 हजार बालिकाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। इसी तरह 10 लाख 51 हजार साइकिलें और 39 हजार 586 स्कूटियां देकर बालिका शिक्षा को गति दी गई है। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत दी जाने वाली 5 हजार रुपये की राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया है। मा वाउचर योजना से अब तक 2 लाख 26 हजार महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा के लिए 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट तथा 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया गया है। हमारी सरकार के कार्यकाल में महिला अत्याचार के मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

ऑनलाइन दर्ज प्रकरणों का निस्तारण फॉलो अप शिविरों में किया जाए : झाबर सिंह खर्रा

जयपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने शुक्रवार को सुशासन सप्ताह के तहत कोटा विकास प्राधिकरण एवं नगर निगम कोटा द्वारा आयोजित शहरी समस्या समाधान शिविरों का अवलोकन किया। कोटा विकास प्राधिकरण में आयोजित शहरी समस्या समाधान शिविर का अवलोकन करने के बाद खर्रा ने कहा कि पूर्व में आयोजित शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से आई समस्याओं के निस्तारण में आई कठिनाईयों को दूर करने के लिए राज्य सरकार द्वारा दिशा–निर्देश जारी करते हुए प्रथम फॉलो–अप शिविर आयोजित किए गए। दूसरी बार आयोजित किए जा रहे फॉलो–अप शिविर में सभी शहरी नगर निकायों एवं शहरी विकास प्राधिकरणों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि ऑनलाइन दर्ज प्रकरणों क शत्–प्रतिशत निस्तारण इन फॉलो–अप कैम्पों में किया जाए। उन्होंने कहा कि जिनके आवेदन नियमानुसार हैं उनका शिविर में हर हाल में निस्तारण किया जाए। यदि किसी आवेदन में कोई कमी है तो संबंधित व्यक्ति को लिखित रूप से अवगत कराया जाए कि किन कमियों के कारण आवेदन का निस्तारण संभव नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऑनलाइन आवेदनों को समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित हो।

केडीए के शिविर का अवलोकन करने के बाद यूडीएच मंत्री खर्रा ने नगर निगम कोटा द्वारा आयोजित शहरी समस्या समाधान शिविर का भी अवलोकन किया और विभिन्न काउंटरों पर जाकर आमजन की समस्या के निस्तारण के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी ली। उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई स्टॉल का भी अवलोकन किया।

खर्रा ने कहा कि कोटा शहर स्वच्छ रहे और रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था हो यह नगर निगम एवं कोटा विकास प्राधिकरण द्वारा सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि बारिश का मौसम आने से पहले नालों पर अतिक्रमण हटाने के लिए कार्ययोजना बनाई जाए ताकि नालों को समय पर सफाई हो सके और शहर में जल भराव की स्थिति नहीं बने। उन्होंने लम्बित ऑनलाइन आवेदनों के समयबद्ध निस्तारण के भी निर्देश दिए।

शिविर के दौरान पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थी सब्जी विक्रेता दीपू जांगिड़ को 50 हजार रुपये की तीसरी किश्त, सब्जी विक्रेता मीना भार्गव को 25 हजार रुपये की द्वितीय किश्त तथा प्रेम बाई को 15 हजार रुपये की प्रथम किश्त का चेक सौंपा। नगर निगम आयुक्त ओम प्रकाश मेहरा ने बताया कि शहरी समस्या समाधान शिविर में पिछले तीन दिन में 64 आवेदन ऑनलाइन करवाए गए और 32 आवेदकों को पीएम स्वनिधि योजना की प्रथम किश्त 15 हजार स्वीकृत करते हुए कुल 4 लाख 80 हजार रुपये के ऋण वितरित किए गए।

एसकेआईटी जयपुर के छात्रों ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त कर रचा इतिहास

जयपुर, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वामी केशवानंद इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एसकेआईटी), जयपुर के छात्रों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और नवाचार क्षमता का लोहा मनवाते हुए स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2025 में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। हैदराबाद में आयोजित इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में एसकेआईटी की टीम 'इनोवेंटर्स' ने हार्डवेयर एडिशन में संयुक्त राष्ट्रीय विजेता (प्रथम स्थान) का खिताब अपने नाम किया।

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 का ग्रैंड फिनाले शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के नेतृत्व में देशभर के विभिन्न नोडल सेंटर्स पर आयोजित किया गया। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा में देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों की टीमों को पीछे छोड़ते हुए एसकेआईटी जयपुर की टीम ने अपने व्यावहारिक और नवोन्मेषी समाधान से निर्णायकों को अत्यंत प्रभावित किया।

हार्डवेयर एडिशन में विजेता बनी टीम 'इनोवेंटर्स' में उत्कर्ष जिंदल, महांश गौड़, तन्मय व्यास, अर्निम गोयल, अवनी श्रीमाली एवं गीतिका चौहान शामिल थे। टीम ने अपनी मजबूत इंजीनियरिंग स्किल्स, रचनात्मक सोच और प्रभावी समस्या–समाधान दृष्टिकोण के माध्यम से ऐसा समाधान प्रस्तुत किया, जो स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 की थीम हैक फॉर भारत, बिल्ड फॉर द वर्ल्ड को पूरी तरह सार्थक करता है।

इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे फैकल्टी मेंटर दिनेश कुमार तथा मेंटर्स हर्ष तिंगुरियाल एवं आदित्य रावत का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने तकनीकी मार्गदर्शन, रणनीतिक सुझाव और निरंतर सहयोग के माध्यम से टीम के विचार को एक वास्तविक, उपयोगी और प्रभावशाली समाधान के रूप में विकसित करने में अहम भूमिका निभाई।

यह राष्ट्रीय उपलब्धि न केवल छात्रों की कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिभा का प्रमाण है, बल्कि एसकेआईटी जयपुर को एक इनोवेशन–केंद्रित तकनीकी शिक्षा संस्थान के रूप में भी सशक्त पहचान दिलाती है। साथ ही यह शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल और एआईसीटीई द्वारा संचालित राष्ट्रीय नवाचार पहलों में एसकेआईटी की सक्रिय और प्रभावी भागीदारी को भी दर्शाती है। एसकेआईटी जयपुर की यह सफलता आने वाले समय में विद्यार्थियों को नवाचार, अनुसंधान और तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करेगी तथा संस्थान के शैक्षणिक गौरव में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ते हुए देशभर में इसकी प्रतिष्ठा को और मजबूत करेगी।

हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, चिकित्सकों और अस्पताल सुविधाओं में बड़ा सुधार : आरती राव

चंडीगढ़, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने कहा कि सरकार का मानना है कि 'स्वास्थ्य सबका अधिकार है' और इसी सोच के साथ नीतियां बनाई गई हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने विधानसभा में कांग्रेस विधायक पूजा चौधरी के सवाल के जवाब में राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने बीते वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं, जिससे आम जनता को बेहतर और सुलभ इलाज मिल रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हरियाणा में एलोपैथी डॉक्टरों की उपलब्धता के आंकड़ों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

आज राज्य में औसतन 1,225 लोगों पर एक एलोपैथी डॉक्टर उपलब्ध है। यदि इसमें आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक और यूनानी पद्धति के डॉक्टरों को भी शामिल कर लिया जाए तो यह अनुपात और बेहतर होकर 819 लोगों पर एक डॉक्टर का हो जाता है। यह स्थिति दर्शाती है कि राज्य में चिकित्सा सेवाओं की पहुंच पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है।

आरती राव ने अस्पतालों और बिस्तरों की संख्या में हुई बढ़ोतरी का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 11 साल पहले हरियाणा में केवल 700 अस्पताल बेड उपलब्ध थे, जबकि आज यह संख्या 2,710 हो चुकी है।उन्होंने कहा कि इसी तरह जिला अस्पताल और सब–डिविजनल अस्पतालों की संख्या पहले 56 थी, जो अब बढ़कर 74 हो गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की संख्या भी 109 से बढ़कर 122 तक पहुंच गई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि मौजूदा सरकार के गठन के बाद राज्य में मुफ्त डायलिसिस सेवा की शुरुआत की गई, जिससे किडनी रोग से पीड़ित मरीजों को बड़ी राहत मिली है।

रूस में फँसे भारतीय युवाओं की सुरक्षित वापसी की मांग को लेकर विदेश राज्य मंत्री से मिले सांसद दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा आज रूस में फंसे भारतीय युवाओं की सुरक्षित वतन वापसी की मांग को लेकर केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह से मिले और उन्हें जबरन रूसी सेना में शामिल किए गए भारतीय छात्रों की सुरक्षित वतन वापसी के गंभीर मुद्दे से अवगत कराते हुए रूस में फंसे भारतीय युवाओं की सूची और पत्र भी दिया। उन्होंने इस संबंध में विदेश मंत्रालय से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए तत्काल हस्तक्षेप करने और रूसी सरकार से उच्च स्तर पर बातचीत कर सभी भारतीय नागरिकों की तत्काल वतन वापसी सुनिश्चित कराने की मांग की। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने सभी की सुरक्षित वापसी का हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने विदेश राज्य मंत्री को बताया कि छात्र वीज़ा पर पढ़ाई के लिए रूस गए कई युवाओं को बहला–फुसलाकर कथित रूप से रूसी सेना में भर्ती कर दिया गया और यूक्रेन सीमा के पास युद्धक्षेत्र में भेज दिया। चिंता की बात यह है कि इनमें से अनेक छात्रों के लापता होने की खबर है। जिससे परिवारजन बेहद पीड़ा, भय और मानसिक तनाव में हैं। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि यह मामला भारत सरकार की विदेश नीति, कूटनीतिक प्रभाव और नागरिकों की सुरक्षा से सीधे जुड़ा है। सरकार का दायित्व है कि वह अपने नागरिकों को विपरीत परिस्थितियों में असहाय न छोड़े। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि अनेक युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें या तो विदेशों में बंधक बना लिया गया है या एजेंटों ने धोखे से उन्हें विदेशी सेना में भर्ती करवाकर रूस–यूक्रेन में झोंक दिया है।

हरियाणा सरकार ने मनरेगा का काम रोकने के आदेश क्यों जारी किए? सीएम श्वेत पत्र जारी करें : चौटाला

चंडीगढ़, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने प्रदेश की बीजेपी सरकार द्वारा मनरेगा का काम रोकने पर कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि मुख्यमंत्री श्वेत पत्र जारी करके हरियाणा की जनता को बताएं कि उन्होंने क्यों पत्र लिखकर आदेश जारी किए ? उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अभी तक मनरेगा समाप्त नहीं की गई है, लेकिन सीएम ने अनुमति के बाद ही दोबारा काम शुरू करने के आदेश दिए है। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि बीजेपी गरीब लोगों के रोजगार के अवसर छीनने में लगी हुई है। वे शुक्रवार को कुरुक्षेत्र, करनाल और कैथल में धन्यवादी दौरे के दौरान पत्रकारों से रूबरू थे। वहीं उन्होंने कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव को बेतुका बताया। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि बीजेपी सरकार में प्रदेश के हालात बद से बदतर हो गए है। उन्होंने कहा कि सरकार का न तो कानून व्यवस्था पर कोई कंट्रोल है और न ही सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों को मिल रहा। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि पूर्व गठबंधन सरकार ने बीपीएल परिवार की आय सीमा की शर्त को 1.20 लाख रुपए से बढ़ाकर 1.80 लाख रुपए किया था, जिसके चलते बीपीएल परिवारों की संख्या बढ़ी, लेकिन मौजूदा बीजेपी सरकार लाखों बीपीएल कार्ड काटकर गरीब लोगों के अधिकारों का हनन कर रही है।

सीएम सैनी का कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव पर तंज नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा ने ही नहीं किए हस्ताक्षर

चंडीगढ़ , 19 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन शुक्रवार को सदन में माहौल काफी गर्म रहा। कार्यवाही के दौरान कांग्रेस की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भले ही यह परंपरा के अनुरूप न हो कि चर्चा शुरू होने से पहले इस तरह अपनी बात रखी जाए, लेकिन मामला बेहद गंभीर है, इसलिए वह अध्यक्ष के सामने यह बात रखना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कल का दिन इस सदन के लिए बिल्कुल भी साधारण नहीं था। उन्होंने बताया कि दोपहर 12.20 बजे से लेकर 12.35 बजे तक जो कुछ भी सदन में हुआ, उसे पूरे हरियाणा की जनता ने देखा और सुना। वह कोई स्वस्थ संवाद या सकारात्मक चर्चा नहीं थी, बल्कि कुछ और ही तस्वीर सामने आई। जब उन्होंने विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा का सदन में स्वागत किया, तो हुड्डा साहब ने भी भावुक होकर कहा था कि उन्होंने आज तक कभी नहीं देखा कि किसी विपक्ष के नेता का इस तरह स्वागत हुआ हो।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अपने वक्तव्य के अंत में हुड्डा साहब ने यह उम्मीद भी जताई थी कि विपक्ष की आवाज को दबाया नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने खुद हुड्डा साहब को आश्वासन दिया था कि लोकतंत्र में किसी की आवाज दबाने का सवाल ही नहीं उठता। हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का अधिकार है और यही एक स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है। उन्होंने याद दिलाया कि विपक्ष के नेता ने यह भी कहा था कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए।

नायब सैनी ने कहा कि अध्यक्ष महोदय, उस भावपूर्ण संवाद से हरियाणा की जनता के मन में इस सदन के रचनात्मक भविष्य को लेकर एक सकारात्मक संदेश गया था। लोगों को लगा था कि सत्ता पक्ष और विपक्ष मिलकर पूरे मन से जनता के हित में काम करेंगे। लेकिन, महज दो घंटे भी नहीं बीते थे कि विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लेकर आ गया। उन्हें खुद इस बात पर विश्वास नहीं हुआ कि इतनी अच्छी शुरुआत के बाद अचानक अविश्वास प्रस्ताव आ गया।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कोडीन मामले पर सीएम योगी का समाजवादी पार्टी पर प्रहार, कहा– माफिया के संबंध सपा से रहे

लखनऊ,19 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के प्रारंभ से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोडीन कफ सिरप मामले पर समाजवादी पार्टी को घेरा। उन्होंने कहा कि माफिया के संबंध समाजवादी पार्टी से रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हमारी जांच अभी जारी है और अभी तक जितने लोग पकडे गए है उनके तार समाजवादी पार्टी से जुड़े हुए हैं। बहुत जल्द जांच की रिपोर्ट आ जाएगी और दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिन अभियुक्तों को एसटीएफ या यूपी पुलिस की ओर से पकड़ा गया है, उनके संबंध समाजवादी पार्टी से सामने आए हैं। समाजवादी पार्टी पहले से कुख्यात है और अब इस पूरे मामले में उसकी संलिप्तता सामने आएगी। इस पूरे मामले की जांच के लिए राज्यस्तरीय एसआईटी कार्य कर रही है। इसमें यूपी पुलिस और एफएसडीए से जुड़े अधिकारी मौजूद हैं। किन–किन लोगों को इसमें धन गया है, ये सारी बातें जांच में आएंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस विषय में पूरी रिपोर्ट आने के बाद ही अंतिम रूप से कुछ कहा जा सकता है, लेकिन इतना अवश्य कहा जा सकता है कि सपा प्रमुख द्वारा जो बातें कही जा रही हैं, उनकी स्थिति वही है, जैसा कि इस पंक्ति में कहा गया है: यही कसूर मैं बार–बार करता रहा, धूल चेहरे पर थी, आईना साफ करता रहा। यानी, जिन माफियाओं के साथ उनकी तस्वीरें सामने आ रही हैं, स्वाभाविक रूप से अवैध लेन–देन में उनकी संलिप्तता कहीं न कहीं सामने आएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जांच होने दीजिए, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोडीन एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत आने वाली एक औषधि है। इसका उपयोग कोडीन–युक्त कफ सिरप के निर्माण में किया जाता है, जो गंभीर खांसी के उपचार में प्रयुक्त होता है। इसका कोटा और आवंटन सेंट्रल नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा केवल अधिकृत औषधि निर्माण के लिए ही किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह कफ सिरप कई स्थानों पर नशीले पदार्थ के रूप में दुरुपयोग किया जा रहा था। अवैध तस्करी की शिकायतें मिलने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कार्रवाई की गई। उत्तर प्रदेश पुलिस और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) के नेतृत्व में इसे एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत मानते हुए कार्रवाई प्रारंभ की गई।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह कार्रवाई एफएसडीए, यूपी पुलिस और एसटीएफ द्वारा की जा रही है, जिसमें अब तक बड़े पैमाने पर अवैध तस्करी के मामलों का खुलासा हुआ है और व्यापक गिरफ्तारियां भी की गई हैं।

उन्होंने कहा कि 24 दिसंबर तक शीतकालीन सत्र में सभी सदस्यों को सदन में अपने मुद्दों को उठाने, प्रदेश की जनता के हित में और उत्तर प्रदेश के विकास से जुड़े विधायी कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए ये सत्र महत्वपूर्ण होगा। सरकार हर मुद्दे पर चर्चा कराने के लिए तैयार है। सरकार विकास से जुड़े हुए मुद्दों पर सकारात्मक रूख रखती है। सत्र सुचारू रूप से संचालित हो, इसके लिए हमें सभी दलों के सहयोग की अपेक्षा है।उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा विधानमंडल लगातार सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। जब लोकतंत्र से जुड़े पवित्र स्थल चर्चा और परिचर्चा के केंद्र बनते हैं, तब जनप्रतिनिधि जनविश्वास पर खरा उतरता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि सरकार की इच्छा थी कि सत्र अधिक दिनों तक चले, लेकिन वर्तमान में अधिकांश जनप्रतिनिधि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम से जुड़े कार्यों में व्यस्त हैं, जो लोकतंत्र की शुचिता और पारदर्शिता के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी कारण आवश्यक विधायी कार्यों, अनुपूरक मांगों और 'वंदे मातरम्' पर चर्चा के लिए सत्र अवधि आज से 24 दिसंबर तक निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि यह सत्र उत्तर प्रदेश विधानमंडल और राज्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

रेस्तरां–बार की लगातार जाँच, नए साल के जश्न से पहले हर विभाग से लेनी होगी मंजूरी

नोएडा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। गौतमबुद्ध नगर में इस बार 25 दिसंबर और नए साल के जश्न को लेकर तैयारी कर रहे होटल, रेस्टोरेंट, बार और अन्य स्थान के मालिकों को सभी विभागों से मंजूरी लेनी होगी। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो इस साल यह जश्न खटाई में पड़ सकता है और उनके ऊपर कड़ी कार्रवाई भी की जा सकती है। गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम ने एक आदेश जारी कर यह साफ कर दिया है कि ऑनलाइन आवेदन करने के साथ–साथ जीएसटी जमा कराकर कार्यक्रम की अनुमति लेनी होगी। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, जगह–जगह 25 दिसंबर और नए साल को लेकर मेले, प्रदर्शनियां, झूले और मनोरंजन गतिविधियों का भी आयोजन किया जा रहा है, जिनमें खेलकूद की प्रतियोगिताएं भी होंगी।अधिकारियों के मुताबिक इस तरीके के कार्यक्रमों के लिए अनुमति लेनी होगी। उत्तर प्रदेश चलचित्र विनियमन संशोधन अधिनियम 2017 के तहत अनुमति दी जाएगी। निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। विद्युत व अग्नि सुरक्षा, कानून व्यवस्था से लेकर अन्य सभी इंतजाम करने पड़ेंगे।दरअसल गोवा में हुए दर्दनाक हादसे के बाद नोएडा जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। शहर में संचालित रेस्तरां और बार की सुरक्षा को लेकर लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए जिलेभर के संबंधित विभागों की संयुक्त टीम भी गठित की गई है, ताकि सुरक्षा, फायर, बिजली और आबकारी से जुड़े सभी नियमों का सख्ती से पालन कराया जा सके। जांच अभियान में बिजली विभाग, फायर विभाग और आबकारी विभाग की टीमें शामिल हैं।अधिकारियों द्वारा रेस्तरां और बारों में फायर फाइटिंग इक्विपमेंट, आपात स्थिति में एंट्री–एग्जिट व्यवस्था, इलेक्ट्रिक वायरिंग और बार की एनओसी की गहन जांच की जा रही है। नोएडा शहर में कुल 163 रेस्तरां–बार संचालित हैं, जिन सभी को नियमों के दायरे में लाने के निर्देश दिए गए हैं।

फायर विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में नियम बेहद सख्त हैं और टेंट में बार संचालन की अनुमति नहीं है। जांच के दौरान यदि किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियमों की अनदेखी पाई गई तो संबंधित संचालकों को नोटिस जारी किया जाएगा।वहीं, गंभीर मामलों में बार लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी। आगामी 25 दिसंबर और 1 जनवरी के जश्न को देखते हुए प्रशासन पहले से ही संचालकों को जागरूक कर रहा है।अधिकारियों ने साफ निर्देश दिए हैं कि इलेक्ट्रिक फायर क्रैकर्स का किसी भी स्थिति में इस्तेमाल न किया जाए। इस संबंध में बार और रेस्तरां संचालकों से सीधे संवाद भी किया जा रहा है। जिला अधिकारी ने भी इस पूरे मामले को लेकर सख्त रवैया अपनाया है।

सपा विधायक आरके वर्मा का आरोप, सरकार ने दिया कोडीन कफ सिरप प्रकरण में शामिल लोगों को संरक्षण

लखनऊ, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के विधायक आरके वर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कोडीन कफ सिरप प्रकरण में समाजवादी पार्टी के कई लोगों के शामिल होने की बात कही थी। उन्होंने शुक्रवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में आरोप लगाया कि पिछले सात–आठ साल से कोडीन कफ सिरप प्रकरण में संलिप्त लोगों को राज्य सरकार संरक्षण देने का काम कर रही थी और अब जब यह बात उजागर हो गई कि इस सिरप में एक मानक से ज्यादा सल्फेट पाया गया। सल्फेट एक ड्रग है, जो दिमाग के नर्वस सिस्टम को डैमेज करता है। इससे देश के कई युवा नशे की गिरफ्त में फंस गए, लेकिन अफसोस सरकार इस संबंध में किसी भी प्रकार का जवाब नहीं देना चाहती। समाजवादी पार्टी के विधायक आरके वर्मा ने कहा कि जो लोग विभिन्न प्रकार की बीमारियों से जूझ रहे थे। उन्होंने इस कोडीन कफ सिरप का सेवन किया होगा और अगर उनकी मौत हो गई होगी, तो उनके चिकित्सकों को लगा होगा कि उनकी बीमारियों की वजह से मौत हुई है। उनके परिजनों को भी लगा होगा कि बीमारी की वजह से ही उनकी मौत हुई होगी। सरकार ने ऐसे लोगों का पोस्टमार्टम और विसरा टेस्ट नहीं कराया गया होगा। ऐसी स्थिति में सरकार यह दावा कैसे कर सकती है कि कोडीन कफ सिरप मामले में किसी की भी मौत नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि सरकार केवल अपनी विफलता को छुपाने के लिए समाजवादी पार्टी का नाम ले रही है। जब लोगों को पता चल गया है कि अवैध कारोबार करके अवैध संपत्तियों का सृजन हो गया, तो उनके ठिकानों पर बुलडोजर क्यों नहीं चलाया गया। इससे यह साफ जाहिर होता है कि बुलडोजर का ड्राइवर भी कोडीन कफ सिरप का सेवन करके नशे में धुत्त है। इस अवैध कारोबार में पूरी तरह से पर्दा डालने की कोशिश की जा रही है।

एनसीआर में जहरीली हवा का कहर, नोएडा सबसे अधिक प्रभावित, वर्क फ्रॉम होम की उठी मांग

नोएडा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली–एनसीआर एक बार फिर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) और आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली और नोएडा के अधिकांश इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 300 से 450 के पार पहुंच चुका है, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। हालात इतने खराब हैं कि लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है और आंखों में जलन, खांसी व सांस संबंधी बीमारियों के मामले बढ़ते जा रहे हैं। नोएडा में प्रदूषण का सबसे गंभीर स्तर है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, नोएडा के सेक्टर–1 में एक्यूआई 468 दर्ज किया गया, जो पूरे दिल्ली–एनसीआर में सबसे अधिक है। इसके अलावा, सेक्टर–125 में एक्यूआई 422, सेक्टर–116 में 420 और सेक्टर–62 में 366 रिकॉर्ड किया गया। यानी नोएडा के सभी सक्रिय स्टेशनों पर हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए नोएडा भी अब दिल्ली की तर्ज पर सख्त कदमों की मांग कर रहा है। दिल्ली के कई इलाकों में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में भी एक्यूआई गंभीर स्तर पर बना हुआ है।

आनंद विहार में 437, आर.के. पुरम में 436, विवेक विहार में 436, वजीरपुर में 404, रोहिणी में 396, अशोक विहार में 391 और चांदनी चौक में 386 एक्यूआई दर्ज किया गया। यहां तक कि अलीपुर, बुराड़ी क्रॉसिंग और डीटीयू जैसे क्षेत्रों में भी एक्यूआई 300 से ऊपर रहा। यह साफ संकेत है कि पूरी राजधानी और एनसीआर क्षेत्र प्रदूषण की चादर में लिपटा हुआ है।

आईएमडी के अनुसार, दिल्ली–एन–सीआर में सुबह के समय घना कोहरा छाया हुआ है। 19 दिसंबर को 'डेंस फॉग' की चेतावनी जारी की गई, जबकि आने वाले दिनों में भी मध्यम से घना कोहरा बने रहने की संभावना है। नमी का स्तर 95 से 100 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जिससे प्रदूषक तत्व हवा में लंबे समय तक टिके रह रहे हैं।प्रदूषण बढ़ने के बाद ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप –4) लागू किया गया है। नियमों के उल्लंघन पर प्रशासन ने सख्त अभियान चलाया। नोएडा में 10 स्थानों पर कार्रवाई कर 3.40 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया, जबकि ग्रेटर नोएडा में 46 स्थानों पर 49.45 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। दिल्ली–नोएडा बॉर्डर पर यातायात पुलिस बीएस –6 मानक से नीचे के वाहनों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोक रही है और उन्हें वापस लौटाया जा रहा है। इससे बॉर्डर पर ट्रैफिक भी प्रभावित हो रहा है।बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए लोग दिल्ली की तर्ज पर नोएडा में भी वर्क फ्रॉम होम की मांग कर रहे हैं। गौतमबुद्ध नगर जिले में बच्चों की पढ़ाई हाइब्रिड मोड में चलाई जा रही है, ताकि छात्रों की सेहत पर कम असर पड़े। साथ ही खेल–कूद और बाहरी गतिविधियों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

कानपुर रोडवेज की बड़ी तैयारी, माघ मेले के लिए दौड़ेंगी 270 बसें, 50 शटल बसें भी तैयार

कानपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ–2025 के सफल आयोजन के बाद योगी सरकार माघ मेले की तैयारी में जुट गई है। श्रद्धालुओं को मेला तक लाने–ले जाने के लिए कानपुर परिक्षेत्र से इस बार 270 माघ मेला स्पेशल बसें चलाई जाएंगी, जो 24 घंटे सेवा में रहेंगी। समय पर बसें मिलें, इसको लेकर भी योगी सरकार ध्यान दे रही है। इस बार 6 स्नान पर्वों पर इन बसों के जरिए श्रद्धालु सुगम आवागमन कर सकेंगे। कानपुर रोडवेज ने यात्रियों की भारी भीड़ को संभालने के लिए भी पुख्ता इंतजाम किए हैं। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, कानपुर परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार ने बताया कि कानपुर परिक्षेत्र से माघ मेले के लिए 270 बसों का संचालन यात्रियों की उपलब्धता के अनुसार किया जाएगा।

क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बसों का मुख्य केंद्र झकरकटी बस अड्डा होगा। यात्रियों की सुविधा के लिए संचालन को अलग–अलग डिपो में बांटा गया है। इसके तहत, माती डिपो (कानपुर देहात),फतेहपुर, और, उन्नाव डिपो की बसों को भी प्रयागराज रूट पर लगाया गया है।

महेश कुमार ने जानकारी दी कि केवल लंबी दूरी की बसें ही नहीं, बल्कि 50 विशेष शटल बसें भी चलाई जाएंगी। ये शटल बसें प्रयागराज के बाहरी स्टैंड से

श्रद्धालुओं को संगम क्षेत्र के निकटतम स्थानों तक छोड़ने और वापस लाने का काम करेंगी, ताकि बुजुर्गों और बच्चों को पैदल न चलना पड़े। परिवहन विभाग के मुताबिक, सभी बसों की कंडीशन अच्छी स्थिति में रहेगी और इन बसों में फॉग लैंप, हेडलाइट, विंडो कैचर, हॉर्न, सीटों की दशा व साफ–सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और सभी बसों में रूट के हिसाब से मेला स्टीकर लगाए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं में भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो और आसानी से वह अपने क्षेत्र की बसों में बैठ सकें। क्षेत्रीय प्रबंधक ने स्पष्ट किया कि माघ मेले के सबसे बड़े स्नान 'मौनी अमावस्या' के दौरान यात्रियों का दबाव सबसे अधिक रहता है। इसके लिए झकरकटी बस अड्डे पर अतिरिक्त काउंटर और हेल्प डेस्क की व्यवस्था की भी तैयारी है। बसों के फेरे इस प्रकार तय किए गए हैं कि किसी भी यात्री को बस स्टैंड पर 10–15 मिनट से ज्यादा इंतजार न करना पड़े। इसके साथ ही, बसों के सुचारू संचालन के लिए सभी डिपो प्रबंधकों को अलर्ट पर रखा गया है। खराब होने वाली बसों की जगह तुरंत दूसरी बस भेजने के लिए 'रिजर्व बेड़ा' भी तैयार है।

प्रमुख स्नान तिथियां जिन पर रहेगा विशेष फोकस

–मकर संक्रांति (14 जनवरी)

–मौनी अमावस्या (18 जनवरी) – इस दिन सबसे अधिक बसों के फेरे लगेंगे।

–बसंत पंचमी (23 जनवरी) क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार ने कहा, श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देना हमारी प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य है कि कानपुर और आसपास के जिलों से आने वाले किसी भी श्रद्धालु को प्रयागराज जाने के लिए इंतजार न करना पड़े। 270 बसों का बेड़ा तैयार है और अधिकारियों को रूट पर 24 घंटे निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। बसों का संचालन सुचारू रहे, इसके लिए सभी डिपो प्रबंधकों और टेक्निकल स्टाफ को मुस्तैद रहने के लिए कहा गया है। हमारी टीमें ग्राउंड पर तैनात रहेंगी ताकि यात्रा निर्बाध रहे।

नोएडा में होक्स मेल से मचा हड़कंप, कई स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नोएडा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। नोएडा में उस समय अफरा–तफरी मच गई जब शहर के नामी शिक्षण संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकी भरा होक्स ई–मेल मिला। सबसे पहले सेक्टर–126 थाना क्षेत्र स्थित स्टेप बाय स्टेप स्कूल को संदिग्ध मेल प्राप्त हुआ, जिसमें स्कूल परिसर में बम विस्फोट की धमकी दी गई थी। स्कूल प्रशासन द्वारा तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गईं। सूचना मिलते ही सेक्टर–126 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्कूल परिसर को घेरकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। एहतियातन स्कूल में मौजूद छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कदम उठाए गए। इसके बाद बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की मदद से पूरे स्कूल परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। कक्षाओं, गलियारों, बेसमेंट, खेल मैदान और अन्य संवेदनशील स्थानों की बारीकी से जांच की गई। जांच के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई, जिसके बाद पुलिस ने मेल को होक्स करार दिया। हालांकि, एहतियात के तौर पर कुछ समय तक पुलिस बल मौके पर तैनात रहा और स्थिति पर नजर बनाए रखी गई। इसी बीच जानकारी सामने आई कि केवल स्टेप बाय स्टेप स्कूल ही नहीं, बल्कि एमिटी स्कूल और शिव नादर स्कूल को भी इसी तरह के धमकी भरे होक्स मेल प्राप्त हुए हैं। तीनों प्रतिष्ठित स्कूलों को एक साथ धमकी मिलने से प्रशासन और अभिभावकों में चिंता का माहौल बन गया।

पुलिस ने तीनों स्कूलों में अलग–अलग टीमें भेजकर चेकिंग कराई और सुरक्षा का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह पूरी तरह से अफवाह फैलाने और दहशत का माहौल बनाने की कोशिश लग रही है। फिलहाल साइबर सेल की मदद से होक्स मेल के सोर्स और भेजने वाले की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मेल किस आईपी एड्रेस से भेजा गया, इसके पीछे कोई शरारती तत्व है या संगठित साजिश, इन सभी बिंदुओं पर जांच जारी है।

पुलिस ने कहा कि नोएडा स्थित कुछ स्कूलों को बम सम्बन्धित ई–मेल प्राप्त होने की सूचना मिली है। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस उच्चाधिकारीगण, स्थानीय पुलिस बल, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड, एंटी सबोटाज टीम द्वारा स्कूलों व आस पास के स्थानों, मेट्रो स्टेशन, बाजार व अन्य भीड़ भाड़ वाले स्थान पर गहनता से चेकिंग की गई है। प्राथमिक जांच में ई–मेल होक्स मेल पाए गए हैं। सूचना पर पूरी तरह सतर्कता बरती जा रही है एवं आवश्यक वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है।

नोएडा पुलिस ने स्कूल प्रशासन और आम लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध सूचना को हल्के में न लें, लेकिन अफवाहों पर भी ध्यान न दें। किसी भी तरह की धमकी या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। फिलहाल स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और सभी स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है।

4,09,444 किसानों से खरीदा गया धान, पारदर्शिता और किसान हितों पर प्रदेश सरकार का जोर

लखनऊ , 19 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान धान खरीद को लेकर योगी सरकार की नीतियों का असर धरातल स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। प्रदेश सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीद को किसान हितों से जोड़ते हुए न केवल खरीद प्रक्रिया को तेज किया है, बल्कि भुगतान व्यवस्था को भी अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाया है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि इस वर्ष धान खरीद में किसानों की भागीदारी बढ़ी है और ऑनलाइन केंद्रों के माध्यम से व्यवस्था और सुदृढ़ हुई है। किसानों की भागीदारी के लिहाज से भी यह वर्ष महत्वपूर्ण रहा है। वर्ष 2025-26 में धान खरीद से अब तक 4,09,444 किसान सीधे जुड़े हैं, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 3,73,840 थी। यह वृद्धि बताती है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार द्वारा बनाए गए भरोसे और सरल प्रक्रियाओं का सकारात्मक असर किसानों में दिख रहा है। अभी तक के आकड़ों पर गौर किया जाए तो वर्तमान विपणन वर्ष 2025-26 में अभी तक धान की खरीद का कुल आंकड़ा 2,50,2149.60 मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है। धान खरीद के साथ–साथ सरकार ने डिस्पैच व्यवस्था को भी प्राथमिकता दी है। किसान पंजीकरण और सत्यापन की प्रक्रिया को ऑनलाइन करने से बिचौलियों की भूमिका लगभग समाप्त हुई है। भुगतान के मोर्चे पर भी सरकार ने संतुलित और जिम्मेदार रुख अपनाया है। अब तक 5569.97 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है।

धान खरीद व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए प्रदेश में 4,743 ऑनलाइन खरीद केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जो पिछले वर्ष के 4,347 केंद्रों की तुलना में अधिक हैं। इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को उनके घर के निकट ही अपनी उपज बेचने की सुविधा मिल रही है।

किसान पंजीकरण की बात करें तो 19 दिसंबर 2025 तक धान के लिए कुल 8,82,988 किसानों का पंजीकरण हुआ, जिसमें से 6,68,698 किसानों का सत्यापन कार्य पूरा किया जा चुका है। पिछले वर्ष इसी समय सीमा में 7,13,600 किसानों का पंजीकरण हुआ था और 6,10,135 किसानों का सत्यापन किया गया था। इन आकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि इस वर्ष न केवल पंजीकरण बढ़ा है बल्कि सत्यापन की गति भी तेज हुई है।प्रदेश में वर्ष 2025-26 में अब तक 1,72,109.30 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद हो चुकी है, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 81,058.91 मीट्रिक टन था। बाजरे के कुल 41,568 किसानों ने चालू वर्ष में बिक्री की, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 15,096 थी।ज्वार की चालू वर्ष में खरीद 26,448.60 मीट्रिक टन रही। ज्वार के 7,814 किसानों ने इस वर्ष सरकारी खरीद प्रणाली के अंतर्गत फसल बेची जो पिछले वर्ष के 7,282 किसानों से अधिक है।

टेबल टेनिस : उत्तरा-नीता और प्रशांत-नीता की जोड़ी बनी चैंपियन

इंदौर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतर संस्थान टेबल टेनिस स्पर्धा के खिताबी मुकाबलों में शिक्षा विभाग के खिलाड़ियों ने शानदार सफलता अर्जित की है। अभय प्रशाल में खेली जा रही इस स्पर्धा के महिला युगल और मिश्रित युगल वर्ग में शिक्षा विभाग की जोड़ियों ने खिताब अपने नाम किए।

बीएसएनएल अंतर संस्थान स्पर्धा में शिक्षा विभाग का दबदबा; फाइनल में टीसीएस को दी शिकस्त

महिला युगल वर्ग के रोमांचक फाइनल मुकाबले में शिक्षा विभाग की उत्तरा पांसे और नीता वैष्णव की जोड़ी ने टीसीएस की दिव्या गेहलोत और प्रतिभा माहेश्वरी को कड़ी टक्कर देते हुए 3-2 से पराजित कर खिताबी जीत हासिल की। इसी प्रकार मिश्रित युगल वर्ग के फाइनल में प्रशांत महंत और नीता वैष्णव की जोड़ी ने अपनी लय बरकरार रखते हुए शिक्षा विभाग की ही दूसरी जोड़ी मनोज सोनगरा और उत्तरा पांसे को 3-1 से हराकर चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया।

इससे पूर्व खेले गए मिश्रित युगल के सेमीफाइनल मुकाबलों में प्रशांत महंत और नीता वैष्णव ने टीसीएस के तालिब कुरैशी और दिव्या गेहलोत को एकतरफा अंदाज में 3-0 से मात दी थी। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में मनोज सोनगरा और उत्तरा पांसे ने टीसीएस के शिवम माहेश्वरी और प्रतिभा ठाकुर की जोड़ी को 3-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

पुरुष टीम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में भी कड़ा संघर्ष देखने को मिला जहाँ आईसीएआई ने कॉग्निजेंट-ए को 3-1 से पराजित किया। शिक्षा विभाग-ए की टीम ने भी अपना विजय अभियान जारी रखते हुए टीसीएस-बी को 3-1 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

पुरुष एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के परिणामों पर नजर डालें तो एसबीआई के प्रथम बाथम ने गाबा अपेरल्स के राहुल जैन को 3-0 से, परांजपे फूड्स के नवीन नाथू ने टीसीएस के शिवम माहेश्वरी को 3-0 से, आईसीएआई के किशोर मोटवानी ने इंदौर डॉटकॉम के सुरेश जैन को 3-0 से और शिक्षा विभाग के प्रशांत महंत ने गाबा अपेरल्स के नितिन खाविया को 3-1 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

न्यूज ब्रीफ

ईशान ने सैमसन को पीछे छोड़ा

पुणे। झारखंड को अपनी कप्तानी में पहली बार मुश्ताक अली ट्रॉफी जिताने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने शतक के साथ ही एक नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है। अब ईशान ऐसे पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक शतक लगाये हैं। ईशान ने झारखंड के खिलाफ खिताब मुकाबले में 101 रन बनाये हैं। ईशान ने इसी के साथ ही विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन और ऋषभ पंत को पीछे छोड़ा। ईशान ने विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर पांचवां टी20 शतक लगाया है। इतने शक भारतीय टीम के किसी अन्य अन्य विकेटकीपर बल्लेबाज ने नहीं लगाये हैं। ईशान ने इसी के साथ ही अब तक 4 शतक के साथ नंबर एक पर चल रहे सैमसन को पीछे छोड़ दिया। सैमसन ने अब तक 4 शतक विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को मिलाकर लगाये हैं। वहीं ऋषभ ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी, टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट और आईपीएल मिलाकर 3 शतक लगाये हैं। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक विश्व के पहले ऐसे विकेटकीपर बल्लेबाज हैं, जिन्होंने विकेटकीपर के तौर पर टी20 क्रिकेट में 7 शतक लगाये हैं। 5 शतकों के साथ ही ईशान किशन संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर पाकिस्तान के कामरान अकमल हैं। और चौथे नंबर पर भारत के संजू सैमसन शामिल हैं। ईशान ने टी20 क्रिकेट में कुल 6 शतक लगाये हैं पर एक मैच में वे विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर नहीं खेले थे। 216 मैचों की 207 पारियों में ईशान ने कुल 5787 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 113 रन है।

गंभीर को कोच नहीं मैनेजर मानते हैं कपिल

कोलकाता। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि आज के समय को देखते हुए गौतम

गंभीर को आप कोच नहीं मैनेजर कह सकते हैं। गंभीर के कामकाज की हो रही आलोचनाओं के बीच ही कपिल ने कहा कि आज जो गंभीर या अन्य कोच कर रहे हैं। उसमें व मुख्य रुप से खिलाड़ियों को कोचिंग देने से ज्यादा उनका 'प्रबंधन' कर रहे हैं। गौरततब है कि दक्षिण फ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम की हार के बाद से ही गंभीर आलोचकों के निशाने पर हैं। उनके खिलाड़ियों में लगातार बदलाव करने और अधिक ऑलराउंडर खिलाड़ियों पर निर्भर रहने की रणनीति की भी आलोचना हुई है। कपिल ने कहा कि आज के समय में जो काम किया जा रहा है उसको देखें तो क्रिकेट में 'कोच' शब्द सही नहीं है। आज कोच केवल मैनेज कर रहे हैं, एक बल्लेबाज कैसे किसी विकेटकीपर या गेंदबाज को कुछ सिखा सकता है। इसलिए गंभीर को कोच नहीं कहा जा सकता है। वह टीम के मैनेजर हो सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब आप कोच कहते हैं तो कोच वह होता है जिससे मैं स्कूल और कॉलेज में सीखता हूं। वे लोग मेरे कोच थे। वे मुझे मैनेज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक मैनेजर के तौर पर आप उन्हें प्रोत्साहन देते हैं कि आप यह कर सकते हैं क्योंकि जब आप मैनेजर बनते हैं तो युवा लड़के आप पर भरोसा करते हैं।

राहुल और कृष्णा अब विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेगे

बेंगलुरु। भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा

अब विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे। इस टूर्नामेंट में बल्लेबाज मयंक अग्रवाल कर्नाटक की कप्तानी करेंगे जबकि करुण नायर उप-कप्तानी करेंगे। कर्नाटक की टीम ग्रुप ए के अपने मुकाबले 24 दिसंबर से अहमदाबाद में खेलेगी। टीम में युवा बल्लेबाज हर्षिल धरमानी और ध्रुव प्रभाकर को पिछले माह अंडर 23 में अच्छे प्रदर्शन के कारण शामिल किया गया है पर तेज गेंदबाज विद्वत कावेरप्पा और विद्याधर पटेल को मुख्य टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं बाएं हाथ के स्पिनर श्रीशा अचार को स्पिन गेंदबाज के रूप में शामिल किया गया है। येरे गौड़ मुख्य कोच होंगे, जबकि मंसूर अली खान और शबरीश मोहन क्रमश: गेंदबाजी और फील्डिंग कोच के रूप में काम करेंगे। कर्नाटक का मुकाबला ग्रुप ए में तमिलनाडु, राजस्थान, झारखंड, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, केरल और त्रिपुरा से होगा। कर्नाटक टीम : मयंक अग्रवाल (कप्तान), करुण नायर (उप-कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रविचंद्रन स्मरण, केएल श्रीजीत, अभिनव मनोहर, श्रेयस गोपाल, वी. वैशाक, मनवंत कुमार, श्रीशा अचार, अभिलाष शेट्टी, बी.आर. शरथ, हर्षिल धर्माणी, ध्रुव प्रभाकर, केएल राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा।

भारत ने लगातार 8वीं टी-20 सीरीज जीती

साउथ अफ्रीका को 5वें मुकाबले में 30 रन से हराया, तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या की शानदार फिफ्टी

चक्रवर्ती के 4 विकेट, बुमराह ने की सटीक गेंदबाजी

पंड्या की 16 गेंदों में फिफ्टी, भारत की दूसरी सबसे तेज अर्धशतकीय पारी

अहमदाबाद, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली है। अहमदाबाद में शुक्रवार को खेले गए पांचवें और अंतिम टी-20 मुकाबले में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को 30 रन से हराकर लगातार आठवीं टी-20 सीरीज जीतने का शानदार रिकॉर्ड कायम किया।

232 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन ही बना सकी। भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा। वरुण चक्रवर्ती ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि जसप्रीत बुमराह को 2 सफलता मिली। साउथ अफ्रीका की ओर से क्विंटन डी कॉक ने 35 गेंदों पर 65 रन की तेजतर्रार पारी खेली, लेकिन वह टीम को जीत तक नहीं ले जा सके।

इससे पहले भारतीय टीम ने तिलक वर्मा और कप्तान हार्दिक पंड्या के अर्धशतकों की बदौलत 20 ओवर में 5 विकेट पर 231 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। तिलक वर्मा ने 42 गेंदों पर 73 रन बनाए, जबकि हार्दिक पंड्या ने सिर्फ 25 गेंदों में 63 रन की विस्फोटक पारी खेली। संजू सैमसन ने 37 और अभिषेक शर्मा ने 34 रन का योगदान दिया।

हार्दिक पंड्या ने मात्र 16 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह भारत की ओर से टी-20 इंटरनेशनल में दूसरी सबसे तेज फिफ्टी है। भारत की ओर से सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम है, जिन्होंने 12 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

भारतीय टीम ने एक समय 115 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या ने चौथे विकेट के लिए 44 गेंदों में 104 रन की अहम साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

आखिरी टी-20 मैच के साथ साउथ अफ्रीका का 35 दिन का भारतीय दौरा समाप्त हो गया। इस दौरे की शुरुआत दो टेस्ट मैचों की सीरीज से हुई थी, जिसमें साउथ अफ्रीका ने भारत को 2-0 से क्लीन स्वीप किया था। इसके बाद भारत ने वनडे सीरीज 2-1 से जीती और फिर 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-1 से जीत दर्ज की। इस टी-20 सीरीज का एक मुकाबला कोहरे के कारण रद्द कर दिया गया था।

कॉनवे का दोहरा शतक, न्यूजीलैंड ने 8 विकेट पर 575 रन बनाकर की पारी घोषित, वेस्टइंडीज की मजबूत शुरुआत

माउंट माउंगानुई , 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

सलामी बल्लेबाज़ डेवोन कॉनवे के शानदार दोहरे शतक (227) की बदौलत न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 575 रन बनाकर घोषित कर दी। जवाब में वेस्टइंडीज ने दिन का खेल समाप्त होने तक बिना विकेट खोए 110 रन बना लिए हैं, लेकिन वह अब भी 465 रन पीछे है। वेस्टइंडीज के ओपनर ब्रैंडन किंग और जॉन कैंपबेल ने फीकी रोशनी में 23 ओवर संभलकर बल्लेबाजी की और न्यूजीलैंड के गेंदबाज़ों को कोई सफलता नहीं लेने दी। किंग 55 और कैंपबेल 45 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों ने सपाट बे ओवल विकेट पर नए गेंद को अच्छे से खेलते हुए तेजी से रन भी बटोरे। किंग ने अपनी अर्धशतकीय पारी में 62 गेंदों पर 9 चौके लगाए, जबकि कैंपबेल ने 60 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 45 रन बनाए। इससे पहले न्यूजीलैंड की पारी की रीढ़ बने डेवोन कॉनवे ने 227 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। उन्होंने 316 गेंदों में 28 चौकों की मदद से अपना दूसरा टेस्ट दोहरा शतक पूरा किया। रचिन रविंद्र ने अंत में आक्रामक बल्लेबाज़ी करते हुए 72 रन नाबाद बनाए, जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल थे। एजाज़ पटेल ने भी 30 रन की तेज पारी खेली। इन पारियों के दम पर कप्तान टॉम लैथम ने गेंदबाज़ों को एक घंटे से अधिक समय दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जस्टिन ग्रीव्स सबसे सफल गेंदबाज़ रहे, जिन्होंने 29 ओवर में 83 रन देकर 2 विकेट लिए।

जायडन सील्स और एंडरसन फिलिप ने भी दो-दो विकेट झटके। चोटों से जूझ रही वेस्टइंडीज टीम के लिए यह संघर्षपूर्ण प्रयास रहा। ग्रीव्स ने कहा कि कठिन हालात के बावजूद गेंदबाज़ों ने अच्छा प्रदर्शन किया। मैच के दौरान वेस्टइंडीज को कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। केमार रोच हैमस्ट्रिंग चोट के कारण फिट नहीं हैं और उनके बल्लेबाज़ी करने पर भी संशय है, जबकि शाई होप बीमारी के चलते टीम होटल में ही रहे। कैंपबेल भी दाहिने हाथ में चोट के बावजूद बल्लेबाज़ी के लिए उतरे। न्यूजीलैंड की पारी के दौरान वेस्टइंडीज ने कुछ मौके गंवाए। कवेम हॉज ने कॉनवे को 206 रन पर जीवनदान दिया, जबकि डेरिल मिचेल को भी शुरुआती स्कोर पर कैच छोड़ दिया गया।

यशस्वी को अस्पताल से छुट्टी मिली

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी की सेहत में अब सुधार आ रहा है। यशस्वी को मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान ही पेट दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें अस्पताल से तो छुट्टी मिल गई है पर उनका वजन अचानक ही घट गया है जिसके कारण डॉक्टरों ने उन्हें अगले एक सप्ताह के लिए आराम करने को कहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार पेट दर्द के बाद वह पुणे में खेले पर मैच के बाद उनका दर्द बहुत ज्यादा बढ़ गया। तब उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां जांच में पता चला कि गेस्ट्रोएंटेराइटिस के कारण उन्हें ये दर्द उठा है। बीमार होने के बाद से ही यशस्वी का वजन करीब 2 किलोग्राम कम हुआ है। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद अभी मुंबई में ही हैं। अब आगामी विजय हजारे ट्रॉफी में वह पहले मैच में नहीं खेल पायें। अगले महीने न्यूजीलैंड के साथ होने वाली एकदिवसीय सीरीज को देखते हुए बीसीसीआई की मेडिकल टीम यशस्वी के स्वास्थ्य पर नजर रख रही है।

एचआईएल दूसरा सीजन 28 दिसंबर से, झारखंड की ब्यूटी डुंगडुंग और संगीता कुमारी घरेलू दर्शकों का दिल जीतने को तैयार

झारखंड की होनहार खिलाड़ी ब्यूटी डुंगडुंग और संगीता कुमारी को अपने घरेलू दर्शकों के समर्थन का भरोसा

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

हीरो महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) का दूसरा सीजन 28 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है। इस लीग में रांची रॉयल्स की ओर से झारखंड की दो उभरती सितारा खिलाड़ी ब्यूटी डुंगडुंग और संगीता कुमारी अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए दर्शकों को रोमांचित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

संगीता कुमारी और ब्यूटी डुंगडुंग ने वर्ष 2021 में भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और इसके बाद से दोनों ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। संगीता अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 30 गोल दाग चुकी हैं, जबकि ब्यूटी ने 6 गोल कर टीम के लिए अहम योगदान दिया है। अब दोनों खिलाड़ी अपने घरेलू फ्रेंचाइज़ी रांची रॉयल्स के साथ हीरो एचआईएल में नए सफर की शुरुआत करने जा रही हैं।

अभियान को लेकर उत्साहित संगीता कुमारी 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, 'अपने घरेलू मैदान पर खेलना गर्व की बात है। रांची में खेलना हमेशा खास होता है और अब जब मैं रांची रॉयल्स का प्रतिनिधित्व कर रही हूं तो यह और भी खास है। यहां के दर्शक हॉकी को बेहद पसंद करते हैं, जिससे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ता है। मेरे लिए यह इसलिए भी खास होगा क्योंकि मेरा परिवार भी मुझे खेलते देखने आएगा।'

युवा खिलाड़ियों को सलाह देते हुए संगीता ने कहा, 'युवा खिलाड़ियों को अपने खेल का आनंद लेना चाहिए। यही सबसे अहम बात है। उन्हें अपनी तकनीक और कौशल पर भरोसा रखना चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए।' संगीता ने कहा, 'विदेशी खिलाड़ियों से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है और वे भी हमसे कई बातें सीखते हैं। हम उनसे बारीकियां समझने की कोशिश करते हैं और नई स्किल्स सीखते हैं। रांची रॉयल्स की ओर से अर्जेंटीना की अनुभवी खिलाड़ी अगुस्टीना अल्बर्टारियो और अगोस्टिना अलोंसो भी खेलेंगी, जिन्होंने 2022 टोक्यो ओलंपिक में रजत और 2024 पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है। इन खिलाड़ियों को लेकर संगीता ने कहा, 'अर्जेंटीना की खिलाड़ी काफी अनुभवी हैं। अगुस्टीना और अगोस्टिना के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना और उनके साथ खेलना मेरे लिए रोमांचक होगा। ब्यूटी डुंगडुंग ने भी घरेलू फ्रेंचाइज़ी के लिए खेलने को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'जब भी रांची में मैच होता है, स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा रहता है। यहां हॉकी के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।

ट्रैविस हेड के शतक से ऑस्ट्रेलिया मजबूत स्थिति में, एशेज पर पकड़ और मजबूत

एडिलेड, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

ट्रैविस हेड एक बार फिर इंग्लैंड के लिए दीवार बनकर खड़े हो गए। एडिलेड में खेले जा रहे एशेज टेस्ट में धूप से भरे एक और दिन हेड ने अपने घरेलू मैदान पर लगातार चौथा टेस्ट शतक जड़ते हुए ऑस्ट्रेलिया को मुकाबले में पूरी तरह नियंत्रण में ला दिया। हेड की नाबाद 142 रन की पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी की 85 रन की बढ़त को बढ़ाकर 356 रन की विशाल बढ़त में बदल दिया।

हेड ने पहले उस्मान ख्वाजा के साथ अहम साझेदारी निभाई और इसके बाद एलेक्स कैरी के साथ नाबाद शतकीय साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया की पकड़ और मजबूत कर दी। जैसे ही हेड तीन अंकों तक पहुंचे, एडिलेड की दर्शक दीर्घा तालियों से गूंज उठी, लेकिन इंग्लैंड के लिए यह पल किसी अनहोनी जैसा नहीं था। इससे पहले पर्थ में भी हेड ने उन्हें चोट पहुंचाई थी और यहां भी कहानी वही रही, हालांकि इस बार उनकी बल्लेबाजी ज्यादा संयमित और नियंत्रित दिखी।

यह हेड की मशहूर 'ट्रैवबॉल' शैली नहीं थी, बल्कि एक ऐसी पारी थी जिसमें धैर्य, सही शॉट चयन और हालात पर पूरा नियंत्रण नजर आया। 99 रन पर इंग्लैंड को एकमात्र मौका मिला, जब डीप पॉइंट फील्डर अंदर आया और हैरी ब्रूक ने गली में कैच टपका दिया। इसके अलावा हेड ने गैप्स में शॉट खेलते हुए और चौथे गेंदबाज विल जैक्स के खिलाफ चुनिंदा आक्रामकता दिखाते हुए आसानी से रन बटोरे।

इससे पहले इंग्लैंड की पारी में बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर ने संघर्ष जरूर दिखाया। तीसरे दिन की सुबह दोनों ने जुझारू अंदाज में बल्लेबाजी जारी रखी। स्टोक्स ने 159 गेंदों में अपना सबसे धीमा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया, जबकि आर्चर ने मौके मिलने पर आक्रामक शॉट लगाए। दोनों के बीच नौवें विकेट के लिए 106 रन की साझेदारी ने इंग्लैंड के घाटे को कुछ हद तक कम किया। आर्चर ने अपने टेस्ट करियर में पहली बार अर्धशतक भी लगाया।

हालांकि, यह प्रतिरोध ज्यादा देर नहीं चला। मिशेल स्टार्क ने स्टोक्स की रक्षा भेदते हुए उन्हें आउट किया और इसके बाद स्कॉट बोलैंड ने आर्चर को ड्राइव पर मजबूर कर इंग्लैंड की पारी का अंत कर दिया। दूसरी पारी में इंग्लैंड को तब थोड़ी उम्मीद जगी जब जोश टंग ने सटीक गेंदबाजी की और ऑस्ट्रेलिया 53 रन पर दो विकेट खो बैठा। लेकिन हेड ने जल्द ही वापसी की सारी संभावनाओं पर पानी फेर दिया। उन्होंने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही बेवजह जोखिम लिया। इंग्लैंड ने शॉर्ट गेंदों और ऑफ साइड में भारी फील्ड लगाने की कोशिश की, लेकिन हेड ने आसानी से गैप खोज लिए। बेहद महंगे साबित हुए विल जैक्स के ऑफ स्पिन ओवर, जिन्होंने 19 ओवर में 107 रन लुटाए। जैक्स ने ख्वाजा को जरूर आउट किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसके बाद एलेक्स कैरी क्रीज पर आए और दोनों दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने बिना किसी दबाव के नाबाद शतकीय साझेदारी पूरी कर ली। कैरी स्टंप्स तक 52 रन बनाकर नाबाद रहे। अब ऑस्ट्रेलिया ऐसी बढ़त पर पहुंच चुका है, जहां से इंग्लैंड के लिए वापसी बेहद मुश्किल नजर आ रही है।

संक्षिप्त स्कोर:

ऑस्ट्रेलिया: 371 और 271/4 (ट्रैविस हेड 142*, एलेक्स कैरी 52*; जोश टंग 2/59)।

इंग्लैंड: 286 (बेन स्टोक्स 83, जोफ्रा आर्चर 51; स्कॉट बोलैंड 3/45, पैट कमिंस 3/69)।

ऑस्ट्रेलिया की बढ़त: 356 रन।

डिजिटल लेनदेन में आई तेजी, सक्रिय क्यूआर कोड की संख्या 70.9 करोड़ हुई

मुंबई,19 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारत में डिजिटल लेनदेन तेजी से बढ़ रहा है और अब रोजमर्रा की खरीदारी में खासकर दुकानों पर लोग इसका ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। जुलाई से सितंबर के बीच यूपीआई क जरिए 59.33 अरब ट्रांजैक्शन हुए, जो पिछले साल के मुकाबले 33.5 फीसदी ज्यादा है। इस अवधि में कुल 74.84 लाख करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ, जो पिछले साल की तुलना में 21 फीसदी ज्यादा है। यह वृद्धि देश में डिजिटल पेमेंट्स के तेजी से बढ़ने को दिखाता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अब 70.9 करोड़ सक्रिय यूपीआई क्यूआर कोड हो गए हैं।

अब इसका इस्तेमाल किराना-दवाइयां दुकानों, बस-रेलवे स्टेशनों और गांवों तक पहुंचा

यह संख्या जुलाई, 2024 से अब तक 21 फीसदी बढ़ी है। इन क्यूआर कोड्स का इस्तेमाल अब किराना दुकानों, दवाइयों की दुकानों, बस-रेलवे स्टेशनों और गांवों तक पहुंच चुका है। इस रिपोर्ट के मुताबिक यूपीआई का इस्तेमाल अब दुकानों पर भुगतान के लिए ज्यादा हो रहा है। दुकानों पर होने वाले लेन-देन में 35 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो कि 37.46 अरब ट्रांजैक्शन तक पहुंच गई है। लोगों के बीच होने वाले लेन-देन में 29 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो कि 21.65 अरब ट्रांजैक्शन तक पहुंच गई। बता दें लोग अब यूपीआई का ज्यादा इस्तेमाल छोटी-मोटी खरीदारी जैसे खाना, यात्रा, दवाइयां और अन्य रोजमर्रा की चीजों के लिए कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों की संख्या भी बढ़ी है। ये मशीनें अब 35 फीसदी बढ़कर 12.12 मिलियन हो गई हैं। हालांकि, भारत क्यूआर की संख्या में थोड़ी कमी आई है, क्योंकि लोग अब यूपीआई क्यूआर कोड का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके साथ ही क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड से होने वाले लेन-देन में भी बदलाव आया है। क्रेडिट कार्ड से लेन-देन में 26 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि डेबिट कार्ड से लेन-देन में 22 फीसदी की कमी आई, क्योंकि लोग अब छोटी रकम के लेन-देन के लिए यूपीआई का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। मोबाइल और टैप आधारित पेमेंट्स भी तेजी से बढ़ रहे हैं। खासकर शहरों में और मेट्रो, टैक्सी जैसी सेवाओं में लोग अब बिना कार्ड स्वाइप किए मोबाइल से पेमेंट करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

चीन में लॉन्च हुआवे मेट 80 सीरीज ने बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। हाल ही में चीन में लॉन्च हुई हुआवे मेट 80 सीरीज ने जबर्दस्त रिकॉर्ड बनाया है। इस स्मार्टफोन ने अपने लॉन्च के कुछ ही समय में इस सीरीज की 7.5 लाख से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं। किसी भी फ्लैगशिप स्मार्टफोन के लिए इतनी तेज बिक्री बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इस जबरदस्त डिमांड ने न सिर्फ बाजार में हलचल मचा दी है, बल्कि हुआवे खुद भी इस प्रतिक्रिया से हैरान है। हुआवे मेट 80 सीरीज में हुआवे मेट 80, मेट 80 प्रो और मेट 80 प्रो प्लस जैसे मॉडल शामिल हैं। इन फोन्स को खासतौर पर दमदार परफॉर्मेंस, प्रीमियम डिजाइन और एडवांस कैमरा तकनीक के लिए पसंद किया जा रहा है। हुआवे का लेटेस्ट किरीन प्रोसेसर, एआई आधारित फीचर्स और बेहतर बैटरी मैनेजमेंट यूजर्स को काफी आकर्षित कर रहे हैं। कैमरा सेगमेंट में हुआवे पहले से ही मजबूत ब्रांड रहा है और इस सीरीज ने उसकी इस छवि को और मजबूत किया है। हालांकि, इतनी बड़ी सफलता के साथ कंपनी के सामने एक बड़ी चुनौती भी खड़ी हो गई है। भारी मांग के कारण सप्लाई चेन दबाव में आ गई है। कई ऑनलाइन और ऑफलाइन स्टोर्स पर फोन आउट ऑफ स्टॉक हो चुके हैं और ग्राहकों को लंबा वेटिंग पीरियड दिया जा रहा है। इसकी मुख्य वजह किरीन चिपसेट की सीमित प्रोडक्शन कैपेसिटी और हाई-एंड कैमरा व डिस्प्ले कंपोनेंट्स की कमी बताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर हुआवे सप्लाई को जल्द स्थिर कर लेता है, तो मेट 80 सीरीज आने वाले महीनों में बिक्री के और नए रिकॉर्ड बना सकती है।

नया स्मार्टफोन सैमसंग गैलेक्सी ए07 5जी चर्चा में

नई दिल्ली। साउथ कोरियाई कंपनी सैमसंग का नया स्मार्टफोन सैमसंग गैलेक्सी ए07 5जी चर्चा में आ गया है। यह फोन हाल ही में गिकबेंच जैसे बेंचमार्क प्लेटफॉर्म पर देखा गया है, जहां इसका मॉडल नंबर एसएम-ए076बी सामने आया है। इस डिवाइस को एंड्राएड 16 के साथ टेस्ट किया जा रहा है, जिससे संकेत मिलता है कि यह सैमसंग का अगला बजट-फ्रेंडली 5जी स्मार्टफोन हो सकता है। गिकबेंच लिस्टिंग से पता चलता है कि गैलेक्सी ए07 5जी में करीब 6जीबी रैम दी जा सकती है, जो इस सेगमेंट में बेहतर मल्टीटास्किंग अनुभव देगी। परफॉर्मेंस के लिए इसमें मीडियाटेक डायमेंसिटी 6300 प्रोसेसर मिलने की संभावना है, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल और 5जी कनेक्टिविटी के लिए उपयुक्त माना जाता है। रिपोर्ट्स यह भी बताती हैं कि सैमसंग के कई सपोर्ट पेजों पर इस फोन की जानकारी पहले ही लाइव हो चुकी है, जिससे इसके जल्द लॉन्च होने के संकेत मिलते हैं। माना जा रहा है कि यह फोन क्यू4 2025 या क्यू1 2026 में बाजार में आ सकता है। कीमत की बात करें तो गैलेक्सी ए07 5जी को सैमसंग बजट 5जी सेगमेंट में उतार सकती है। भारत में इसकी शुरुआती कीमत 11,000 से 13,000 रुपये के बीच हो सकती है, जबकि 6जीबी रैम वेरिएंट 14,000 रुपये के आसपास आ सकता है। फोन में 50एमपी का प्राइमरी कैमरा, बड़ी डिस्प्ले, 5000 एमएएच की बैटरी और फास्ट चार्जिंग सपोर्ट मिलने की उम्मीद है। इस फोन की सबसे बड़ी खासियत यह मानी जा रही है कि सैमसंग इसमें 6 साल तक एंड्राएड ओएस और सिक्योरिटी अपडेट दे सकता है।

नया बीमा संशोधन विधेयक का असर! ज्यादा कमीशन वाले एजेंटों को हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली। नई दिल्ली में लागू हुए नए बीमा संशोधन विधेयक के बाद बीमा उद्योग में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। खास तौर पर अधिक कमीशन पाने वाले बीमा मध्यस्थों के भुगतान पर असर पड़ सकता है। इस विधेयक के तहत भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण को यह अधिकार दिया गया है कि वह बीमाकर्ताओं और मध्यस्थों द्वारा हासिल किए गए गैरकानूनी या अनुचित लाभों को वापस ले सके। साथ ही नियामक को कमीशन भुगतान की अधिकतम सीमा तय करने की शक्ति भी दी गई है। मतलब ज्यादा कमीशन वाले एजेंटों को हो नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन प्रावधानों का वास्तविक असर इस बात पर निर्भर करेगा कि इनके लिए किस तरह के नियम और दिशानिर्देश बनाए जाते हैं। बीमा मध्यस्थों में बैंकाश्योरेंस भागीदार, वाहन कंपनियों से जुड़े वितरण चैनल और अन्य हाई-वॉल्यूम नेटवर्क शामिल हैं, जहां आमतौर पर ज्यादा कमीशन दिया जाता है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, अधिक कमीशन की होड़ में कई बार पॉलिसीधारकों के हितों से समझौता किया जाता है ।

टीवीएस आईक्यूब ने स्कूटर बाजार में खुद को बनाया और भरोसेमंद

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय बाजार में टीवीएस आईक्यूब ने खुद को एक भरोसेमंद और लोकप्रिय स्कूटर के रूप में स्थापित किया है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 95,372 रुपये है, वहीं कंपनी ने हाल ही में अपने पोर्टफोलियो को नए 'ऑर्बिटर' के साथ अपडेट भी किया है।

हालांकि, दूसरे इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की तरह टीवीएस आईक्यूब की बैटरी रिप्लेसमेंट लागत अब भी ग्राहकों के लिए एक बड़ा सवाल बनी हुई है। टीवीएस आईक्यूब तीन वैरिएंट आईक्यूब, आईक्यूब एस और आईक्यूब एसटी में उपलब्ध है। इनमें 2.2 केडब्ल्यूएच और 3.4 केडब्ल्यूएच के बैटरी पैक दिए जाते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अलग-अलग क्षमता के नए बैटरी पैक की कीमत 60,000 से 70,000 रुपये तक जाती है, जबकि आईक्यूब एसटी के बैटरी पैक की कीमत करीब 90,000 रुपये बताई जा रही है। कंपनी स्कूटर पर कई साल की वारंटी देती है, लेकिन फिजिकल डैमेज की स्थिति में यह वारंटी लागू नहीं होती। रनिंग कॉस्ट के मामले में टीवीएस आईक्यूब को बेहद किफायती बताया जा रहा है। कंपनी के अनुसार, पेट्रोल स्कूटर से 50,000 किलोमीटर चलने में करीब 1 लाख रुपये का खर्च आता है, जबकि आईक्यूब से इतनी ही दूरी तय करने में सिर्फ 6,466 रुपये का खर्च होता है। सर्विस, मेंटेनेंस और जीएसटी में बचत को मिलाकर कुल बचत लगभग 93,500 रुपये तक पहुंच जाती है। फीचर्स की बात करें तो टीवीएस आईक्यूब में 7-इंच टीएफटी टचस्क्रीन, क्लीन यूआई, वॉयस असिस्ट, एलेक्सा सपोर्ट, ओटीए अपडेट, ब्लूटूथ और क्लाउड कनेक्टिविटी, फास्ट चार्जिंग और 32 लीटर का स्टोरेज स्पेस जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे सेगमेंट में मजबूत विकल्प बनाते हैं। कंपनी का दावा है कि आईक्यूब को एक बार चार्ज करने में करीब 19 रुपये का खर्च आता है। आईक्यूब एसटी मॉडल करीब 4 घंटे 6 मिनट में फुल चार्ज होकर 145 किलोमीटर तक की रेंज देता है। रोजाना 30 किलोमीटर चलाने पर सप्ताह में दो बार चार्ज करना पर्याप्त है, जिससे महीने का औसत खर्च करीब 150 रुपये ही आता है।

पैसिव फंडों में बढ़ोतरी सोने-चांदी के मजबूत निवेश के आने से आई

नई दिल्ली। वर्ष 2024 में आई गिरावट के बाद म्युचुअल फंड उद्योग में पैसिव फंडों में फिर बढ़त देखने को मिल रही है और 2025 में कुल प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) में उनका हिस्सा अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से सोना और चांदी एक्सचेंज-ट्रेडेड फंडों (ईटीएफ) में मजबूत निवेश आने से हुई। फंडों की कुल एयूएम में पैसिव फंडों की भागीदारी नवंबर 2025 तक बढ़कर 17.4 फीसदी हो गई जो दिसंबर 2024 के आखिर में 16.6 फीसदी थी। यह तेज बढ़ोतरी 2024 में आई गिरावट के बाद आई। तब ज्यादा जोखिम वाली सेक्रिय इक्विटी योजनाएं निवेशकों की मजबूत पसंद थीं। इस कारण इक्विटी फंडों ने बढ़त हासिल की थी। 2024 में ज्यादातर निवेश स्मॉलकैप, मिडकैप और थीमेटिक योजनाओं में हुआ था। 2025 में पैसिव फंडों का वृद्धि पर लौटने का कारण सुस्त इक्विटी बाजार और सोने-चांदी में शानदार तेजी है। मॉर्निंगस्टार में वरिष्ठ विश्लेषक, मैनेजर रिसर्च ने कहा कि इक्विटी ईटीएफ के जरिये लगातार संस्थागत भागीदारी, साथ ही टैक्टिकल हेज के तौर पर गोल्ड ईटीएफ में बढ़ती दिलचस्पी ने पैसिव परिसंपत्तियों में बढ़ोतरी को मजबूती प्रदान की है। जीरोधा फंड हाउस के सीईओ के मुताबिक सोने और चांदी के ईटीएफ में निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी का एक कारण कर बदलाव भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि खास बात यह है कि पिछले दो साल में जोड़े गए सभी नए ईटीएफ फोलियो में से करीब आधे सोने और चांदी ईटीएफ के हैं, जिसकी वजह कर में हुए फायदेमंद बदलाव हैं। दीर्घावधि पूंजीगत लाभ होल्डिंग अवधि को घटाकर एक साल कर दिया गया है और टैक्स दर को 12.5 फीसदी पर सीमित कर दिया गया है, जिससे विविधता और संपत्ति सृजन के लिहाज से उनका आकर्षण बढ़ा है। कराधान में बदलाव की घोषणा बजट 2024 में की गई थी।

फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्मों ने 2023-24 में 13.7 लाख कामगारों को प्रत्यक्ष रोजगार दिया

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारत में फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म सेक्टर ने 2023-24 में 13.3 लाख कामगारों को रोजगार दिया है और यह क्षेत्र 12.3 फीसदी सालाना वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ रहा है। दिल्ली के थिंक टैंक नैशनल काउंसिल ऑफ अप्लायड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) की ओर से जारी रिपोर्ट में यह सामने आया। भारत की अर्थव्यवस्था पर फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म सेक्टर का असर नाम से तैयार की गई रिपोर्ट के मुताबिक '2021-22 में फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्मों ने 10.8 लाख कामगारों को और 2023-24 में 13.7 लाख कामगारों को प्रत्यक्ष रोजगार दिया है। यह 2021-22 और 2022-23 में कुल कामगारों की संख्या का 0.2 फीसदी है। इस क्षेत्र में रोजगार 2021-22 और 2023-24 के बीच 12.3 फीसदी सीएजीआर से बढ़ा है, जबकि अखिल भारतीय सीएजीआर 7.9 फीसदी रहा है। नीति आयोग ने अनुमान लगाया है कि अर्थव्यवस्था में गिग वर्कर्स की कुल संख्या 2020-21 में 77 लाख रही, जिनकी कुल संख्या 2029-30 में बढ़कर 2.35 करोड़ होने का अनुमान है। अध्ययन में पूरी मूल्य श्रृंखला को एक साथ जोड़ा है, जो प्लेटफॉर्म के विकास और पेमेंट गेटवे से लेकर रेस्टोरेंट और घर तक डिलिवरी की लॉजिस्टिक्स सेवा तक फैली है। इसका मकसद फूड डिलीवरी को एक अलग आर्थिक क्षेत्र के तौर पर स्थापित करना है, जिसके आधिकारिक आंकड़े भारत में उपलब्ध नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस सेक्टर का आउटपुट मल्टीप्लायर सातवें शीर्ष स्तर पर है और इंप्लाइमेंट मल्टीप्लायर सेवा क्षेत्र में होटलों और रेस्टोरेंट के बाद दूसरे सर्वाधिक स्तर पर है। टैक्स मल्टीप्लायर अनुमानित रूप से 0.04 है। इसका मतलब यह हुआ कि फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म सेक्टर में 2021-22 के दौरान 10 लाख रुपए के उत्पादन पर करीब 40,000 रुपए अप्रत्यक्ष कर आया है। सेक्टर के सकल मूल्यवर्धन (जीवीए) में अप्रत्यक्ष कर की हिस्सेदारी 4.7 फीसदी है, जो अन्य क्षेत्रों की तुलना में दोगुना है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म सेक्टर के उत्पादन का सकल मूल्य (जीवीओ) 2021-22 के 61,271 करोड़ रुपए से दोगुना होकर 2023-24 में 1.2 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

शाओमी ने की टैबलेट्स की कीमतों में 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। चीन की दिग्गज टेक कंपनी शाओमी ने अपने लोकप्रिय टैबलेट्स की कीमतों में 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी है। शाओमी अकेली कंपनी नहीं है जिसने कीमतें बढ़ाई हैं। वीवो और रियलमी जैसी ब्रांड्स ने भी हाल ही में अपने कई स्मार्टफोन मॉडल्स के दाम 2,000 रुपये तक बढ़ाए हैं। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इसकी सबसे बड़ी वजह मेमोरी कंपोनेंट्स की बढ़ती लागत है। रैम और स्टोरेज चिप्स के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिसका सीधा असर डिवाइस की फाइनल कीमत पर पड़ रहा है। खासतौर पर एलपीडीडीआर 4 मेमोरी चिप्स की सप्लाई में कमी आने की आशंका जताई जा रही है। ग्लोबल लेवल पर कंपनियां अब एलपीडीडीआर 5 टेक्नोलॉजी की ओर तेजी से शिफ्ट हो रही हैं, जिससे पुरानी चिप्स की उपलब्धता घट रही है। इसका असर बजट और मिड-रेंज टैबलेट्स और स्मार्टफोन्स पर ज्यादा पड़ रहा है। इसके अलावा, लॉजिस्टिक्स लागत, मैन्युफैक्चरिंग खर्च और ग्लोबल सप्लाई चेन दबाव भी कीमत बढ़ने की वजह माने जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले महीनों में अन्य कंपनियां भी टैबलेट और स्मार्टफोन की कीमतों में इजाफा कर सकती हैं।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां) ।

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का दौर जारी है। सोना 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी में भी 200 रुपये की मामूली उछाल दर्ज की गई है। कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,34,850 रुपये से लेकर 1,35,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,23,610 रुपये से लेकर 1,23,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,11,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,35,000 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,23,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,34,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,34,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,23,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,34,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,23,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,34,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,34,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,23,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,35,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,23,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर खरीदारी होती हुई नजर आ रही है। अमेरिका में अनुमान से बेहतर महंगाई आंकड़े आने की वजह से अमेरिकी बाजार में लगातार चार कारोबारी दिन से जारी गिरावट के सिलसिले पर पिछले सत्र के दौरान ब्रेक लग गया। महंगाई के आंकड़े के साथ ही अमेरिकी इनिशियल जॉबलेस क्लेम के आंकड़े भी अनुमान से बेहतर रहे, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,784.23 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 311.14 अंक यानी 1.37 प्रतिशत उछल कर 23,004.46 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 342 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 48,293.85 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 9,837.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.79 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,150.64 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 238.91 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की छलांग लगा कर 24,199.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर उत्साह का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,584.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 131 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ 26,004 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,576.39 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 633.50 अंक यानी 1.29 प्रतिशत उछल कर 49,635 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 297.18 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 27,765.71 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.93 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,031.56 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 188.87 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,687 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.59 प्रतिशत की छलांग लगा कर 3,899.31 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,253.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 20 दिसंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

बाबू जगजीवनराम कॉलेज में उपभोक्ता जागरण सप्ताह का शुभारंभ

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नारायणगुड़ा में स्थित बाबू जगजीवन राम शासकीय स्नातक महाविद्यालय स्वायत्त में आज बड़े पैमान पर धूमधाम से उपभोक्ता दिवस के अवसर पर उपभोक्ता जागरण सप्ताह का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य कैप्टन डॉक्टर एम.विजयकुमार की अध्यक्षता में शुभारंभ किया गया है।

जिला राशन वितरण अधिकारी के. श्रीनिवास ने बतौर मुख्य अतिथि के रुप में पधारकर अपने संबोधन में कहा है कि राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वैसे तो प्रति वर्ष 24 दिसंबर को मनाया जाता है, इस वर्ष 19 दिसंबर आज से लेकर 24दिसंबर तक उपभोक्ता जागरण सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ तथा मंच प्रदान करने पर बीजेआर कॉलेज के लिए विशेष बधाई और आभार प्रकट किया तथा सिविल सप्लाई विभाग, उपभोक्ता जागरण के कार्यों का संचालन भी करता है, समय समय पर आवश्यकतानुसार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किए जाते हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमें ऑनलाइन खरीददारी में विशेष जागरूकता बरतने की आवश्यकता है, डिजिटल तकनीक का उपयोग होने के कारण तीव्र गति से क्रय-विक्रय में हो रही धांधलियों का पर्दाफाश कर समस्या का निवारण किया जा रहा है । हमें हर सामान खरीदते समय बिल लेना नहीं भूलना चाहिए।

इस उपलक्ष्य में सभाध्यक्ष प्राचार्य विजयकुमार ने कहा है कि जागरूक उपभोक्ता ही राजा है, अक्सर देखा जाता है कि कई व्यापार केंद्रों में हमारे लिए ग्राहक ही राजा है, ग्राहक ही देवता है, ग्राहक ही संतृप्ती ही हमारा उद्देश्य है आदि से ज्ञात होता है कि ग्राहक की कितनी प्रभानता है, ऐसे ग्राहक यूं ही कहीं न कहीं सामाग की सही जानकारी नहीं रखने से जल्द ठगा जाता है।

विद्यार्थी कल के भावी नागरिक व उपभोक्ता इन बारीकियों की जानकरी से जागृत हो कर समाज को जागृत करने की कोशिश करना चाहिए। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट इंस्पेक्टर ऑफ मीटरॉलोजी श्रीनिवास रेड्डी, डिस्ट्रिक्ट उपभोक्ता जागरण अभियान के चेयरमैन शंकरलाल चौरसिया, महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉक्टर कलवल श्रीनिवास राव, एम पंडरीनाथ, पी. चंद्र शेखर, गौरीशंकर आदि ने उपभोक्ता जागरण के विषय में मूल्यवान संदेश व अनुभव साझा किया।

इस कार्यक्रम में डॉ एच. नरसिम्श्रीहुलु, पी गिरिधर, डॉ जे.गंगाधर, डॉ एन दीपिका, डॉ आधम,.प्रोफेसर गोविंद विठलराव देशमुख,.माधवाचारी, कल्याणी, श्रद्धा जायसवाल, संगीता, स्वाती, डॉ वेणु आदि अध्यापकों ने भाग लिया। जन गण मन राष्ट्र गान के कार्यक्रम का समापन हुआ।

राजस्थानी स्नातक संघ की बैठक में आरजीए वार्षिक व्याख्यान कार्यक्रम को अंतिम रूप

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी स्नातक संघ द्वारा रविवार दि. 21 दिसंबर को सायं 6.00 बजे से एफटीसी में आयोजित होने वाले आरजीए वार्षिक व्याख्यान कार्यक्रम को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं और आयोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया।

इस अवसर पर राजस्थानी स्नातक संघ के अध्यक्ष मनोज गोयल, उपाध्यक्ष आनंद शर्मा, मंत्री अजय कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संदीप झंवर, कार्यक्रम संयोजक रविन्द्र बजाज सहित कार्यकारिणी सदस्य सी. एस. गोविंद तोषनीवाल, पन्ना माहेश्वरी एवं विजय ओझा उपस्थित रहे।

राधे राधे ग्रुप सेवा, संस्कार और समर्पण का साझा परिवार है : रामप्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265-ए के पास राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से नियमित रूप से चल रहे अन्नदान कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे राधे ग्रुप केवल एक सेवा संगठन नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और समर्पण से जुड़ा हम सबका साझा परिवार है।

उन्होंने कहा कि यह पुण्य कार्य किसी एक व्यक्ति के प्रयास से संभव नहीं होता। सभी सदस्यों के सामूहिक सहयोग, विश्वास और निस्वार्थ भाव से ही यह सेवा निरंतर आगे बढ़ रही है। हम सभी तो केवल माध्यम हैं, वास्तविक संचालन और प्रेरणा ईश्वर की कृपा से ही संभव हो पाती है।

रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा धर्म है और इसी भावना के साथ राधे राधे ग्रुप समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाने का प्रयास कर रहा है। सदस्यों की एकजुटता और सेवा भावना ही

इस ग्रुप की वास्तविक शक्ति और पहचान है।

आज की सेवा सुबह की श्री मधुसूदन जी गुप्ता मैसेज इन्द्रलाल बालमुकुंद जायमान ज्वेलर्स की ओर से की गई।

इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, ई जगन चंपापेट, प्रतिका अग्रवाल, भगत राम गोयल, मनीष अग्रवाल, गोपाल गोयल,राजेश नथानी,अनीता नथानी, भगत राम कुमावत, कमला देवी, धर्मेंद्र गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, सुचि गुप्ता, मधु अग्रवाल, तिरिपति अग्रवाल, रुचि अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदूजा, अशोक गुप्ता आदि उपस्थित थे।

पित्ती ट्रस्ट, लोहिया समता न्यास तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा बालाश्रमों को चार लाख की सामग्री भेंट की गई

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, लोहिया समता न्यास तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा अनाथाश्रमों मे रह रहे बाल बालिकाओं की सुविधा हेतु चलाई जा रही सेवा योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न बालाश्रमों को उनकी आवश्यकता अनुसार चार लाख रूपये मूल्य की सामग्री प्रदान की गई।अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार नाइटीएंजेल होम फॉर गर्ल्स मुशीराबाद, आश्रिता होम फॉर बॉयज रानीगंज, आशा कुटीर फॉर ब्लाइंडस बेग़मपेट, डिजायर ओरफनेज बोलारम, चावडी आश्रमम फॉर बॉयज दीप्तिनगर मे रह रहे बाल बालिकाओं की सुविधा हेतु पित्ती ट्रस्ट, लोहिया समता न्यास तथा सेवा दल द्वारा लगभग चार लाख रूपये से अधिक के मूल्य की अलमारियां, कुर्सियां, टेबल्स, सीलिंग फैन्स, पेड़ेस्टल फैन्स, प्रिंटर्स, वॉटर फ़िल्टर्स, माइक सिस्टम, कंप्यूटर सिस्टम, साउंड सिस्टम, फ्रिज, वाशिंग मशीन, गीजर, सी सी टीवी कैमरा आदि सामग्री प्रदान की गई ख इस अवसर परअग्रवाल सेवा दल के संयोजक विनय सी अग्रवाल, दीपक गुप्ता, सुधीर गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, पित्ती ट्रस्ट के रत्नम राजू, नाईटँगल होम फॉर गर्ल्स मुशीराबाद की व्यवस्थापिका सदालक्ष्मी , आश्रिता होम फॉर बॉयज रानीगंज के व्यवस्थापक नरेश, आशा कुटीर फॉर ब्लाइंडस बेग़मपेटके व्यवस्थापक जीवन , डिजायर ओरफनेज बोलारम के व्यवस्थापक वेंकटेश, चावडी आश्रमम फॉर बॉयज दीप्तिनगर के व्यवस्थापक अनीश एवं अन्य उपस्थित थे ।

अग्रवाल समाज द्वारा अमावस्या पर अन्नप्रसाद का आयोजन

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की ओर से हर माह की तरह इस माह भी अमावस्या के पावन अवसर पर अन्नप्रसाद का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम दोमलगुडा स्थित अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक परिसर के बाहर श्रद्धा और सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ।

अन्नप्रसाद कार्यक्रम की शुरुआत से पूर्व रोशन लाल मित्तल, विजय कुंच्छल, विजय जिंदल, प्रदीप अग्रवाल, सरला अग्रवाल, प्रभावती अग्रवाल, सरला जिंदल सहित अन्य सदस्यों ने महाराज अग्रसेन जी की विधिवत पूजा-अर्चना की।

यह अन्नप्रसाद शाखा सदस्य विजय जिंदल एवं श्रीमती सरला जिंदल के सुपौत्र चि. दक्ष (सुपुत्र: योगेश-सुरभि) के जन्मदिन के शुभ अवसर पर उनके सौजन्य से आयोजित किया गया। इस सेवा कार्य में विकास-नेहा अग्रवाल, बाला मित्तल, दीपा गर्ग, प्रतीक-सोनाली अग्रवाल, अंकित-पायल गर्ग, जयप्रकाश-प्रभावती अग्रवाल, निरंजन-सुनीता अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, सुरेश धानुका, अजय गुप्ता, राजेन्द्र गुप्ता, मुरलीधर अग्रवाल (बांसवाले) सहित अन्य का सहयोग रहा।

इस अवसर पर अनिल गर्ग, डॉ. दिलीप पंसारी, श्याम लाल अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, रितेश-दिप्ती झुंझुनूंवाला, अजय-दीपा डालमिया, ज्योति धानूका, ज्योति गुप्ता, कुसुम अग्रवाल सहित समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

आईटीसी काकतीय में प्रभा खैतान फाउंडेशन एवं द राइट सर्कल द्वारा साहित्यिक कार्यक्रम का सफल आयोजन

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रभा खैतान फाउंडेशन के सहयोग से द राइट सर्कल द्वारा आईटीसी काकतीय में एक भव्य एवं प्रेरणादायक साहित्यिक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता प्रसिद्ध लेखक श्री हरिंदर सिंह सिक्का रहे।

कार्यक्रम के दौरान हरिंदर सिंह सिक्का ने अपने जीवन के अनुभवों और साहित्यिक यात्रा से जुड़े विचार उपस्थित साहित्यप्रेमियों के साथ साझा किए, जिन्हें श्रोताओं ने अत्यंत सराहा। उनकी प्रेरणादायक बातें कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहीं और श्रोताओं को गहराई से प्रभावित किया।

इस अवसर पर हरिंदर सिंह सिक्का ने अपनी चर्चित पुस्तक द चाबी मास्टर कार्यक्रम के प्रतिभागियों को भेंट स्वरूप प्रदान की, जिससे आयोजन और भी यादगार बन गया। कार्यक्रम के दौरान पूजा गुप्ता को श्री हरिंदर सिंह सिक्का द्वारा पुस्तक भेंट की गई, जो उपस्थित अतिथियों के लिए एक विशेष और प्रेरणादायक क्षण रहा।उल्लेखनीय है कि प्रभा खैतान फाउंडेशन एक प्रतिष्ठित गैर-लाभकारी ट्रस्ट है, जिसका मुख्यालय कोलकाता में स्थित है। इसकी स्थापना प्रख्यात साहित्यकार, उद्यमी एवं नारीवादी स्वर्गीय डॉ. प्रभा खैतान द्वारा की गई थी। यह फाउंडेशन सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियों के माध्यम से विचारों के आदान-प्रदान, महिला सशक्तिकरण और बौद्धिक संवाद को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, वक्ता और साहित्यप्रेमियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे साहित्यिक आयोजनों को जारी रखने का संकल्प दोहराया।

नरसिंग दास आत्माराम परिवार द्वारा अन्नप्रसाद वितरण

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नरसिंग दास आत्माराम, बड़ागांव वाले परिवार की ओर से बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेंपल में दिसंबर माह की पितृ देवता की अमावस्या के अवसर पर अन्न प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर लगभग 400 स्थानीय निवासियों को अन्न प्रसाद वितरित किया गया।

परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि यह परिवार द्वारा आयोजित 27वां अन्न प्रसाद वितरण कार्यक्रम है, जिसे प्रत्येक अमावस्या को निरंतर सेवा भाव से संपन्न किया जाता है। उन्होंने बताया कि यह परंपरा पिछले कई वर्षों से नियमित रूप से निभाई जा रही है। अन्न प्रसाद में बूंदी के लड्डू, चावल, चटनी, सांभर, मिक्स सब्जी एवं बटर मिल्क सहित पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन वितरित किया गया, जिसे श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रसन्नता के साथ ग्रहण किया। इस सेवा कार्य में परिवार के सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, ईश्वर लाल अग्रवाल, विष्णु गोपाल अग्रवाल, नयन अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, वंदना अग्रवाल एवं श्रद्धा अग्रवाल सहित अन्य ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

आईआरआईएसईटी-आईटीआई एमओयू के तहत रेलवे सिग्नलिंग पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियरिंग एवं दूरसंचार संस्थान (आईआरआईएसईटी), सिकंदराबाद ने रेलवे सिग्नलिंग के क्षेत्र में क्षमता निर्माण हेतु औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), मल्लेपल्ली एवं पाटनचेरु के साथ दिनांक 02.09.2025 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।उपरोक्त एमओयू के अनुसरण में, आईआरआईएसईटी द्वारा नामित सरकारी आईटीआई के संकाय सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिससे आईटीआई में आंतरिक विशेषज्ञता विकसित की जा सके। यह कार्यक्रम दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है, अर्थात् चरण-ख दिनांक 10.11.2025 से 14.11.2025 तक तथा चरण-खख दिनांक 15.12.2025 से 19.12.2025 तक। इस कार्यक्रम में दोनों आईटीआई से कुल 7 आईटीआई प्रशिक्षकों (संकाय सदस्यों) ने भाग लिया, जिनमें मल्लेपल्ली आईटीआई से चार तथा पाटनचेरु आईटीआई से तीन शामिल हैं।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य आईटीआई में रेलवे सिग्नलिंग विषय पर तीन माह (12 सप्ताह) का एक मॉड्यूल प्रारंभ करने में सहायक होना है।

उपरोक्त पहल का क्रियान्वयन आईटीआई में रेलवे से संबंधित मॉड्यूल प्रारंभ करने के संबंध में प्रधानमंत्री की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक के निर्णयों के अनुरूप किया जा रहा है। इससे रेलवे क्षेत्र के साथ-साथ अन्य संबंधित उद्योगों में भी अभ्यर्थियों (छात्रों) की रोजगार-क्षमता में वृद्धि होने की संभावना है।

खेलों से निखरता है व्यक्तित्व और पढ़ाई में आता है सुधार : साइना नेहवाल

नए बैडमिंटन कोर्ट का उद्घाटन, छात्रों संग खेला मैच

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जो छात्र खेलों में हिस्सा लेते हैं, वे पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करते हैं। खेल एक स्वस्थ और जीवंत समाज की नींव हैं और स्कूलों को खेलों को बढ़ावा देने में बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। यह विचार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, ओलंपिक पदक विजेता एवं पद्म भूषण से सम्मानित साइना नेहवाल ने व्यक्त किए।

साइना नेहवाल हैदराबाद के गुंडला पोचमपल्ली स्थित डीआरएसआईएस कैंपस में डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल के 23वें वार्षिक खेल समारोह के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य के अतिरिक्त डीजीपी डॉ. अनिल कुमार, डीआरएसआईएस के चेयरमैन दयानंद अग्रवाल, डायरेक्टर अंजनी कुमार अग्रवाल, संजय अग्रवाल, गर्व अग्रवाल, स्पोर्ट्स चीफ कोच डॉ. मुरमल्ला भरत कुमार, एडमिन हेड विनोद रंजन, वाइस प्रिंसिपल पूजा सक्सेना, हेड ऑफ बोर्डिंग राजेंद्र प्रसाद सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बोलते हुए साइना नेहवाल ने कहा कि खेल न केवल शरीर बल्कि दिमाग के विकास में भी मदद करते हैं। इससे जीवन कौशल बढ़ते हैं, अनुशासन और टीम वर्क की भावना विकसित होती है तथा एकता और नेतृत्व के लिए मंच मिलता है। उन्होंने कहा कि जो छात्र नियमित रूप से खेलों में भाग लेते हैं, वे पढ़ाई में भी बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान साइना नेहवाल ने स्कूल परिसर में नवनिर्मित बैडमिंटन कोर्ट का उद्घाटन किया और छात्रों के साथ बैडमिंटन खेला। इसके पश्चात उन्होंने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले और विजेता छात्रों को ट्रॉफी, कप और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

साइना नेहवाल ने कहा कि छात्र पूरे वर्ष स्कूल के स्पोर्ट्स डे का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि यह उनके लिए अपनी प्रतिभा, प्रतिस्पर्धी भावना और एकता को प्रदर्शित करने का बेहतरीन अवसर होता है। उन्होंने प्रत्येक छात्र, कोच और विशेष रूप से स्पोर्ट्स कैप्टन के सहयोग की सराहना की।

उन्होंने स्कूलों से आग्रह किया कि वे बच्चों के बीच खेलों को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएं, खेलों को दैनिक कार्यक्रम का हिस्सा बनाएं और नियमित रूप से खेल प्रतियोगिताओं व टूर्नामेंट का आयोजन करें।तेलंगाना के अतिरिक्त डीजीपी डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि यह सराहनीय है कि डीआरएसआईआईएस प्रबंधन खेलों के महत्व को समझता है और छात्रों को क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, एथलेटिक्स और तैराकी जैसे विभिन्न खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है, साथ ही उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भेजता है।जीवन के महत्वपूर्ण सबक सिखाते हैं खेल: दयानंद अग्रवालडीआरएसआईआईएस के चेयरमैन दयानंद अग्रवाल ने कहा कि प्रबंधन ने बच्चों में कम उम्र से ही खेलों के प्रति रुचि विकसित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि खेल टीम वर्क, टाइम मैनेजमेंट, लीडरशिप और सफलता-असफलता को संभालने जैसे जीवन के महत्व-पूर्ण सबक सिखाते हैं। छोटे-छोटे और लगातार प्रयासों से ही बड़ी सफलता हासिल होती है। उन्होंने छात्रों को इस प्रक्रिया के प्रति समर्पित रहने और अपने लक्ष्य पर डटे रहने की सलाह दी।

बेगम बाजार में किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में अमावस्या के अवसर पर बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने स्थित गौशाला के पास नियमित अन्नदान किया गया। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, रवि अग्रवाल, वंश अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, अनिल अग्रवाल, गोविंदराम पचेरिया, शिव भगवान,अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, पूजा संघी,मीना अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में पौष मास अमावस्या पर गौसेवा करते गोशाला के प्रभु दत्त महाराज, हरिकिशन मायच्छ, जयकिशन उपाध्याय, शिव कुमार उपाध्याय, सुरेश कोलारिया, लालचंद उपाध्याय, जगदीश उपाध्याय, आदित्या नारायण, सत्यनारायण मौसूण (पहलवान), पुरुषोत्तम अग्रवाल,पंकज वर्मा, शरद वर्मा, सुरेश वर्मा, काकू एवं अन्य।

बद्रूका कॉलेज 1983 बैच का स्नेह मिलन समारोह

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आबिद्स स्थित होटल रॉयलटन में आयोजित एक स्नेह मिलन समारोह में बद्रूका कॉलेज के वर्ष 1983 बैच के साथीगण वर्षों बाद एकत्र हुए और साथ बिताए पुराने दिनों को याद करते हुए समारोह का भरपूर आनंद लिया।

इस अवसर पर गिरधर प्रयाणी, सुरेश कुमार व्यास पारीख, पवन डालमिया, ओंकारनाथ, दामोदर मूंदड़ा, मोहन खटोड़, सुरेश तोषनीवाल, वेणुगोपाल लोया तथा रामस्वरूप अग्रवाल उपस्थित रहे। सभी साथियों ने अपने कॉलेज जीवन की यादों को साझा किया और एक-दूसरे से पुनः मिलकर खुशी व्यक्त की।

समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहां मित्रता, अपनापन और पुराने रिश्तों की गर्मजोशी साफ झलकती रही। उपस्थित सभी सदस्यों ने भविष्य में भी इस तरह के मिलन समारोह आयोजित करने का संकल्प लिया।

समाजसेवी अजय उपाध्याय का सिखवाल प्रगति समाज द्वारा स्वागत-सम्मान

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऋषि शृंग भवन में अजमेर मकरेड़ा के अध्यक्ष एवं कर्मठ समाजसेवी अजय उपाध्याय के नगरागमन पर सिखवाल प्रगति समाज की ओर से उनका शाल एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनका आत्मीय स्वागत करते हुए उनके सामाजिक योगदान की सराहना की। इस सम्मान समारोह में रामदेव नागला, भगवान नागला, कांतिलाल नागला, राधेश्याम नागला, जगमोहन तिवाड़ी, चंद्रमोहन तिवाड़ी, भगवान तिवाड़ी, किशनलाल तिवाड़ी, बालकिशन नागला, जयप्रकाश नागला, नर्सिंगप्रसाद उपाध्याय, श्रीनिवास नागला एवं श्याम ओझा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सौज्यन से इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर आज शुक्रवार को श्रीमती सोनम जी मित्तल की पुण्यतिथि पर नियमित अन्नदान किया गया। आज की सेवा मैसर्स सोनम वूमेन वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट सिकंदराबाद की ओर से की गई। इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता आदि उपस्थित थे ।

पिछले कई वर्षों से निरंतर सामाजिक एवं आध्यात्मिक सेवा में समर्पित योगदान देने के लिए श्री पुरुषोत्तम एवं श्रीमती राजकुमारी मिश्र का सम्मान किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित महेश बैंक के निदेशक अमित लड्डा (गग्गू), कैलाश मंत्री के साथ महेश बजाज एवं मनोज काकड़ा उपस्थित रहे। सभी ने श्री पुरुषोत्तम एवं श्रीमती राजकुमारी मिश्र के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बजरंग सेना द्वारा रानी पार्क कोठी में अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमावस्या के शुभ अवसर पर, बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष श्री एन.आर. लक्ष्मण राव द्वारा आज रानी पार्क, कोठी बैंक स्ट्रीट के पास स्थित नल्ला पोचम्मा मंदिर में एक भव्य अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस सेवा कार्यक्रम को सफल बनाने में कई प्रमुख व्यक्तियों और समर्पित स्वयंसेवकों ने अपना योगदान दिया। उपस्थित प्रमुख लोगों में राघव, सतीश, जगदीश, प्रवीण यादव, वीरेंद्र अवस्थी, रामेश्वर मिश्रा और नरेश शामिल थे।

बजरंग सेना पूरे तेलंगाना में अपनी सामाजिक और धार्मिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को लगातार जारी रखे हुए है, और इसी कड़ी में आज के इस सफल आयोजन को संपन्न किया गया।

विश्व मंगल गौशाला में पौष अमावस्या कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व मंगल गौशाला में पौष अमावस्या के पावन अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गौसेवा, भोजन प्रसादी एवं हरी घास का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गौभक्त उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में भोजन प्रसादी एवं हरी घास के लाभार्थी के रूप में सीताराम जांगिड़, भंवरलाल जांगिड़, राजेश यादव, बनवारीलाल जांगिड़, विनोद जांगिड़, मनीष दूत, प्रताप सिंह, रामनिवास, सुरेंद्र, अनिल जांगरा, सुनील कुमार, सुभाष नगर जीडीमेटला, नेमीचंद सुथार सहित अन्य ने सेवा का लाभ लिया।

इसके साथ ही लक्ष्मी माजीसा ग्रुप फतेहनगर की ओर से भी विशेष सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम में हंसाराम, दोलाराम, डूंगाराम सिरवी, ठाकराराम विश्नोई, गंगाराम, महेंद्र सिंह, विजेंद्र सिंह, मोहनलाल, लुंबाराम, पेमाराम, मगनाराम, जबरा राम, जामताराम, दलाराम, महेंद्र सुथार, जसराज सहित अनेक गौभक्त उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान भजन गायकों लोकेश नाथ, रेखा सिरवी, भेराराम एवं भूराराम सिरवी ने मधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लेते हुए गौमाता की सेवा में अपनी सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का समापन गौसेवा, प्रसादी वितरण और भक्ति भाव के साथ किया गया, जिसे सभी ने अत्यंत सफल और पुण्यदायी बताया।

श्री आईजी गौशाला में अमावस्या पर भजन-कीर्तन व महाप्रसादी का आयोजन

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में अमावस्या के पावन उपलक्ष में भजन-कीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गौमाता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात स्थानीय भजन गायकों ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित भक्तों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

इस अवसर पर अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष कालूराम काग, सह-सचिव ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार सहित समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में गौभक्त उपस्थित रहे। सभी ने भजन-कीर्तन में भाग लेकर गौसेवा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।महाप्रसादी का आयोजन नारायणलाल परिहार, प्रकाश राठौड़, सुखी बाई पंवार, स्व. सुगणा देवी परिहार (मुलुगु), रुपाराम सीरवी एवं अशोक सिंह द्वारा किया गया। इस दौरान अनेक श्रद्धालुओं ने गौसेवा कर पुण्य लाभ अर्जित किया।कार्यक्रम में महिला भजन मंडली गडीमैसमा एवं महिला भजन मंडली कुकड़पल्ली द्वारा दान-पुण्य का सहयोग प्रदान किया गया, जिसकी उपस्थित भक्तों ने सराहना की।इस अवसर पर भजन गायक ओमप्रकाश कुमावत, रमेश प्रजापत, श्री आईमाता जी भजन मंडली बालाजी नगर के भजन गायक अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल हाम्बड़, गिरधारीलाल प्रजापत, भेराराम सैणचा, लोकेश, पीटु सागर एवं लक्ष्मण सुथार ने अपने भजनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।कार्यक्रम का समापन श्रद्धा, सेवा और भक्ति भाव के साथ हुआ, जिसमें सभी ने गौमाता के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, SPURTI ROY KOLLI Daughter of Service No IC 42133X Col KOLLI JAGAN MOHAN ROY (Retd) Resident of Flat No.C-108, Patel's Bright View, Hislop Road, Kowkoor Village, Bollarum P.O, Secunderabad-500010, Telangana have changed my name from K SPURTI ROY to SPURTI ROY KOLLI vide affidavit dt:19-12-2025 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, RAMASHISH SINGH YADAV father of Service No. 15151208M Hav DINESH SINGH YADAV, Resident of Vill and P.O:Chak Abdul Sattar, Teh:Ghazipur, Dist:Ghazipur, Uttar Pradesh - 233001 have changed my name from RAMASHISH SINGH YADAV to RAMASHISH YADAV vide affidavit dt:19-12-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, MUGHUNI DEVI Mother of Service No. 15151208M Hav DINESH SINGH YADAV, Resident of Vill and P.O:Chak Abdul Sattar, Teh:Ghazipur, Dist:Ghazipur, Uttar Pradesh-233001 have changed my name from MUGHUNI DEVI to MUDHNI vide affidavit dt:19-12-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Service No.JC 732666Y Sub (Hony Lt) WAYADANDE DHANAJI JAGANNATH of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o. 56 APO that my wife name is changed from SAVITA to SAVITA DHANAJI WAYADANDE, Son name is changed from NIKHIL to NIKHIL DHANAJI WAYADANDE and another son name is changed from SWAROOP to SWAROOP DHANAJI WAYADANDE.

CHANGE OF NAME

I, Army No.JC 734931H Sub YADAV VINOD VASANT of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my mother name is changed from SUNANDA VASANT to SUNANDA VASANT YADAV.

CHANGE OF NAME

I Service No. 14672022H NK KHASIM KALAGOTLA Village- P Potti Reddy palli, Post- podalakonda palli Mandal -Komarole Dist Prakasam State Andhra Pradesh Pin 523373, have changed my Daughter name from K SAMEERA to KALAGOTLA SAMEERA add in my service documents vide affidavit date 19 Dec 2025 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

सरकार चेन्नूर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध : मंत्री विवेकानंद

चेन्नूर, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह बात राज्य के श्रम, रोजगार प्रशिक्षण, कारखाना, खान एवं भूमिगत सेवाओं के मंत्री गड्डम विवेकानंद ने कही। वे चेन्नूर मंडल मुख्यालय में अंबेडकर कम्युनिटी भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला कलेक्टर कुमार दीपक सहित कई अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मंत्री गड्डम विवेकानंद ने बताया कि डीएमएफटी फंड से 20 लाख रुपये की लागत से अंबेडकर कम्युनिटी भवन का निर्माण किया गया है। इसके विस्तार के लिए अतिरिक्त 20 लाख रुपये और स्वीकृत किए जाएंगे। साथ ही विभिन्न मंडलों में सामाजिक भवनों के निर्माण के लिए भी सरकार लगातार कदम उठा रही है।उन्होंने कहा कि चेन्नूर क्षेत्र में अब तक

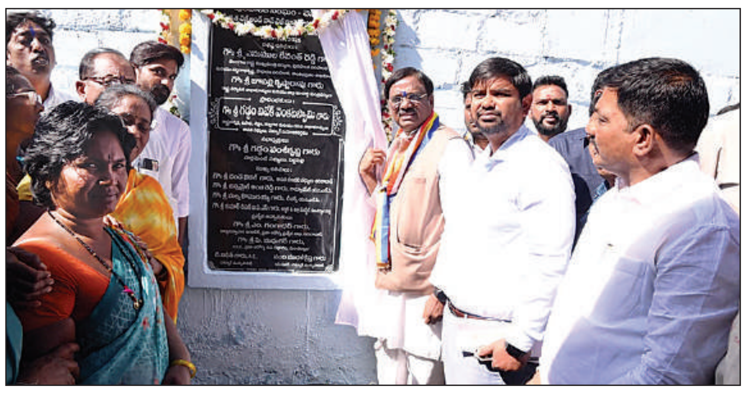

15 करोड़ रुपये से सड़कों एवं नालियों का निर्माण किया गया है, जबकि आगामी चरण में 70 से 80 करोड़ रुपये और मंजूर किए जाएंगे। अमृत योजना के तहत पेयजल आपूर्ति को मजबूत करने के लिए टंकियों का निर्माण एवं पाइपलाइनें बिछाई जा रही हैं, जिससे आम जनता को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

स्वास्थ्य सेवाओं पर जोर देते हुए मंत्री ने बताया कि चेन्नूर में 100 बिस्तरों वाले सरकारी अस्पताल का निर्माण कार्य मई माह तक पूरा कर लिया जाएगा। इस अस्पताल में डायलिसिस सेंटर की भी स्थापना की जाएगी। इसके अलावा 50 बिस्तरों वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को मातृ-शिशु अस्पताल में परिवर्तित किया जाएगा। इस मौके पर 9.55 करोड़ रुपये की लागत से बने एकीकृत सब्जी बाजार का भी उद्घाटन किया गया।

जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि अंबेडकर कम्युनिटी भवन को बहुउद्देशीय रूप से विकसित किया जाएगा और यहां एक पुस्तकालय की भी स्थापना की जाएगी, ताकि सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके।

कार्यक्रम के बाद मंत्री गड्डम विवेकानंद ने चेन्नूर नगर पालिका कार्यालय का निरीक्षण किया और चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इस कार्यक्रम में जयपुर एसीपी वेंकटेश्वरलू, चेन्नूर तहसीलदार मल्लिकार्जुन, संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

निजामाबाद में फर्जी नोटों से फसल ऋण चुकाने की कोशिश, बैंक से फरार हुआ किसान

निजामाबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। निजामाबाद जिले के वर्णी मंडल में एक बड़ा जाली नोटों का मामला सामने आया है, जहाँ बैंक अधिकारियों ने 2 लाख रुपये से अधिक के नकली नोट पकड़े हैं। यह घटना तब हुई जब एक स्थानीय किसान ने अपने फसल ऋण को चुकाने के लिए इन नकली नोटों का उपयोग करने का प्रयास किया।

जलालपुर गांव के किसान नरेडला चिन्नासाईलू गुरुवार शाम को वर्णी स्थित केनरा बैंक की शाखा में 2,08,500 रुपये लेकर पहुँचा। यह पूरी राशि 500 रुपये के नोटों में थी, जिसे उसने अपना कर्ज चुकाने के लिए जमा किया।

चिन्नासाईलू ने कैश काउंटर पर 500 रुपये के 417 नोट जमा किए। हालांकि, जब बैंक कर्मचारियों ने कैश-काउंटिंग मशीन के माध्यम से नोटों की प्रक्रिया शुरू की, तो मशीन ने संकेत दिया कि पूरी राशि नकली है। जब बैंक अधिकारियों ने इन नोटों के स्रोत के बारे में चिन्नासाईलू से पूछताछ की, तो वह तुरंत बैंक से फरार हो गया। बाद में जांच में पुष्टि हुई कि सभी 500 रुपये के नोटों पर एक ही सीरियल नंबर अंकित था, जिससे उनके नकली होने की पुष्टि हो गई।

बैंक अधिकारी पंकज की शिकायत के आधार पर वर्णी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार किसान की तलाश में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। ग्रामीण इलाकों में जाली नोटों के इस तरह के चलन ने वर्णी क्षेत्र में स्थानीय लोगों और प्रशासन के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है।

किसानों ने भक्ति भाव से मनाई मार्गशीर्ष अमावस्या

मदनूर, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मार्गशीर्ष माह की अमावस्या के अवसर पर संयुक्त मंडल तड़गुड़, अंतपुर सोमुर एवं डोंगली मंडल के विविध गांवों में किसानों ने भक्ति भाव के साथ परंपरागत रूप से अमावस्या का पर्व मनाया। इस अवसर पर स्थानिक किसानों ने अपने-अपने परिवार एवं सगे-सोयरे के साथ खेतों में स्थित खोपी में माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और आरती उतारी।पूजा-अर्चना के पश्चात सभी किसान परिवारों ने मिलकर स्नेह और भाईचारे के साथ सुरुचिपूर्ण भोजन किया। किसानों का मानना है कि इस दिन खेतों में माता लक्ष्मी की पूजा करने से फसल में समृद्धि आती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।शाम के समय किसान पूजा में प्रज्वलित लक्ष्मी के दीपक को अपने घर लेकर पहुंचे और उसे पूजा घर में स्थापित किया।

इसके बाद सभी ने श्रद्धा भाव से प्रणाम करते हुए इस वर्ष फसल अच्छी होने, मेहनत का उचित फल मिलने और गांव में खुशहाली की कामना की।यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है, जिसे आज भी किसान पूरी आस्था और विश्वास के साथ निभा रहे हैं। मार्गशीर्ष अमावस्या पर की जाने वाली यह पूजा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि किसानों के परिश्रम, प्रकृति और ईश्वर के प्रति उनके सम्मान को भी दर्शाती है।

आदिलाबाद में जंगू बाई जातरा के वॉल पोस्टर जारी

22 दिसंबर से शुरू होगा वार्षिक उत्सव

आदिलाबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केरामेरी मंडल के कोटापरंडोली गांव के जंगलों में स्थित देवी के गुफा मंदिर में वार्षिक जंगू बाई जातरा का आयोजन 22 दिसंबर से 17 जनवरी तक किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन के वॉल पोस्टर शुक्रवार को उत्नूर में आईटीडीए (खड़ग) के प्रभारी परियोजना अधिकारी युवराज सम्राट द्वारा जारी किए गए। आयोजन समिति के सदस्यों और पुजारियों ने बताया कि जंगू बाई जातरा का औपचारिक शुभारंभ पहले दिन देवी के प्रतीक के रूप में दीप प्रज्वलित करने यानी ङ्दिव्वे निक्स्वालफके अनुष्ठान के साथ होगा। श्रद्धालु विशेष मनैवेद्यमफतैयार करेंगे और पूजा-अर्चना कर देवी को अर्पित करेंगे। इसके बाद, कुछ श्रद्धालु अपने कल्याण के प्रति आभार व्यक्त करने के रूप में देवी मैसम्मा, पोचम्मा और राववुक को मुर्गियों और भेड़ों की बलि देते हैं। श्रद्धालुओं का आगमन: पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले के कई हिस्सों और पड़ोसी राज्यों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से आदिवासी बड़ी संख्या में मंदिर आते हैं और अपनी परंपराओं के अनुसार विशेष प्रार्थना करते हैं।पवित्र स्नान: श्रद्धालु देवी

के निवास स्थान में प्रवेश करने से पहले मटोपलाकासाफ नामक स्थानीय तालाब में डुबकी लगाते हैं। माना जाता है कि यह गुफा मंदिर लगभग 25,000 वर्षों से अस्तित्व में है।सांस्कृतिक जुलूस: भक्त अपने सिर पर बांस की टोकरियाँ रखकर, ढोल बजाते हुए और सन्नाई, कालिकोम और तुडुम जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाते हुए पवित्र स्थल पर पहुँचते हैं। इन टोकरियों में देवी को अर्पित किए जाने वाले व्यंजन और पूजा की सामग्री होती है।

यह मेला हिंदू कैलेंडर के पौष (पुष्य) महीने में मनाया जाता है। इस दौरान आदिवासी समुदायों के कलाकार नृत्य प्रदर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं, जो भक्तों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। सैकड़ों आदिवासियों के आगमन से इस मंदिर का पहाड़ी परिवेश जीवंत हो उठता है।

माइनमपल्ली के बाद अब वनपर्थी विधायक मेघा रेड्डी ने कहा-

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मुझे धोखा दिया

वनपर्थी, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व विधायक माइनमपल्ली हनुमंत राव के बाद, अब वनपर्थी विधायक टी. मेघा रेड्डी ने आर-ोप लगाया है कि पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें धोखा दिया और यह सुनिश्चित किया कि ग्राम पंचायत चुनावों में कांग्रेस अधिक सरपंच सीटों पर जीत हासिल न कर सके।

विधानसभा चुनाव के बाद से ही पूर्व विधायक जी. चिन्ना रेड्डी और मेघा रेड्डी के बीच कई मुद्दों पर अनबन चल रही है। दोनों नेताओं के बीच के मतभेद कई मौकों पर सामने आए हैं।

शुक्रवार को यहाँ एक संवाददाता सम्मेलन में मेघा रेड्डी ने दावा किया कि पार्टी ने 85 सरपंच पदों पर जीत हासिल की है, लेकिन लगभग 10 से 15 ग्राम पंचायतों में कुछ वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी के साथ विश्वासघात किया। गोपालपेट मंडल का तिरुमलापुर गांव: विधायक ने बताया कि यहाँ वरिष्ठ नेताओं द्वारा कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार खड़ा किया गया था। हालांकि, जैसे ही बीआरएस (BRS) समर्थित उम्मीदवार ने चुनाव जीता, परिणाम घोषित होने के एक घंटे के भीतर ही उसका कांग्रेस पार्टी में स्वागत कर लिया गया।

पेब्बैर का चिन्नगुमडम गांव: मेघा रेड्डी के अनुसार, ङ्कजब में चुनाव प्रचार के लिए गया, तो स्थानीय लोगों ने मुझे बताया कि एक वरिष्ठ नेता ने उन्हें फोन करके बीआरएस समर्थित उम्मीदवार का समर्थन करने का निर्देश दिया था। मेरे पास उस नेता द्वारा गांव के 130 से अधिक लोगों को किए गए फोन कॉल के सबूत हैं।

अन्य प्रभावित गांव: उन्होंने आरोप लगाया कि केवल इन दो गांवों में ही नहीं, बल्कि जंगायापल्ली, उप्परपल्ली, अप्पारेड्डीपल्ली, गोपालपेट और पोलिकापाडु में भी इसी तरह का मपीछे से वारफ (backstabbing) किया गया है। विधायक ने स्पष्ट किया कि ये आरोप निराधार नहीं हैं और सभी साक्ष्य सुरक्षित कर लिए गए हैं।

वनपर्थी के लोग उस वरिष्ठ नेता और उनकी राजनीतिक चालों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। विधायक ने कहा कि इस मुद्दे को पार्टी नेतृत्व के सामने गंभीरता से उठाया जाएगा और पार्टी आलाकमान के पास औपचारिक शिकायत भी दर्ज कराई जाएगी।

गौरतलब है कि पिछले हफ्ते पूर्व विधायक माइनमपल्ली हनुमंत राव ने भी आरोप लगाया था कि कांग्रेस में बीआरएस के कई कोवर्ट (गुप्त एजेंट) काम कर रहे हैं, जिनकी मौजूदगी के कारण सिद्दीपेट, मेडक और पड़ोसी इलाकों के कई गांवों में कांग्रेस चुनाव हार गई।

पुष्करम की व्यवस्थाओं का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करें

मंचेरियाल, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने गोदावरी पुष्कर-2027 और कृष्ण पुष्कर-2028 के आयोजन को श्रद्धालुओं के लिए सुगम और सुरक्षित बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि इन पुष्करों को इस तरह संपन्न किया जाए कि श्रद्धालुओं और नदी किनारे के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को कोई असुविधा न हो। गुरुवार को जिले के नासपुर स्थित एकीकृत जिला कार्यालय भवन परिसर के वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से राज्य बंदोबस्ती विभाग और अर्न्स्ट एंड यंग के प्रतिनिधियों के साथ पुष्करम के आयोजन पर आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में संयुक्त जिला बंदोबस्ती विभाग के अधिकारी नवीन कुमार और मंचेरियाल राजस्व मंडल के अधिकारी श्रीनिवास राव ने भाग लिया। वे अन्य अधिकारियों के साथ उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि राज्य के अधिकारियों ने पुष्करों के प्रबंधन पर कई सुझाव दिए थे और व्यवस्थाओं एवं समन्वय उपायों की समीक्षा की थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने

गोदावरी पुष्कर-2027 और कृष्ण पुष्कर-2028 को भक्तों के हित में, सुरक्षित और सुचारू रूप से आयोजित करने के उद्देश्य से सक्रिय कदम उठाए हैं। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि पुष्करों की योजना, समन्वय और कार्यान्वयन की जिम्मेदारी अर्न्स्ट एंड यंग को सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि आवश्यक विस्तृत जानकारी बंदोबस्ती विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी और पुष्कर घाटों पर जमीनी स्तर पर निरीक्षण पहले ही किए जा चुके हैं। पुष्कर व्यवस्थाओं का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित किया गया है।उन्होंने बताया कि इसे साकार करने के लिए जिला स्तर पर कदम उठाए गए हैं और पुष्करों की व्यवस्थाओं के लिए राजस्व मंडल अधिकारी को जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 11 क्षेत्रों में पुष्करा घाट हैं और इन घाटों को श्रद्धाल-ुओं की संख्या के आधार पर तीन स्तरों में विभाजित किया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों को संबंधित घाटों के विकास, बुनियादी ढांचे के निर्माण, मंदिरों के विकास, मंदिरों के जीर्णोद्धार, स्नान घाटों के विकास, सड़कों, पेयजल, स्वच्छता, बिजली, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए समन्वय में काम करना चाहिए। कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

मंचेरियाल में बीआरएस की जीत का भव्य जश्न

मंचेरियाल, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के कासिपेट मंडल के पेद्दनपल्ली ग्राम पंचायत में शुक्रवार को बीआरएस की जीत का जश्न मनाया गया। पेद्दनपल्ली के सरपंच चुने जाने के बाद कलवला सरथ कुमार का ग्रामीणों ने अभिनंदन किया। बाद में उन्होंने उपनिवेशों में विजय समारोह आयोजित किए और

घर-घर जाकर उन लोगों को धन्यवाद दिया जिन्होंने उन्हें जीत दिलाई थी। नेताओं ने स्पष्ट कर दिया कि अगली सरकार बीआरएस की सरकार होगी। इस कार्यक्रम में बीआरएस बोलू रमना रेड्डी, नेता गोंडी वेंकटरमण, पूर्व एमपीटीसी कोंडाबाथुला रामचंदर, चिंताला भीमया, सुधाकर रेड्डी, लंका लक्ष्मण, वेल्दी श्रवण, बंदरी विनय, शेखर, पुलिकोटा वामसी, रेड्डी कनकैया, जीदुला लक्ष्मण, गदाम संपत, महिला नेता राम लक्ष्मी, बच्चाला मनोहरा और गुर्रम वज्र ने भाग लिया।

आदिलाबाद में बचपन के दो दोस्त बने सरपंच, दोनों की जीत का अंतर भी रहा समान 43 वोट

आदिलाबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आदिलाबाद जिले में एक अद्भुत राजनीतिक संयोग देखने को मिला है, जहाँ बचपन के दो दोस्त, जो कभी सहपाठी थे और अब ऑटो ड्राइवर हैं, पड़ोसी गांवों में सरपंच पद पर विजयी हुए हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों की जीत का अंतर बिल्कुल एक समान43 वोटरहा।

तामसी मंडल के पोन्नारी गांव के तलारी भूमन्ना और आदिलाबाद मंडल के पोचरा गांव के कददरपु गंगन्ना की जीवन यात्रा काफी अनोखी और मिलती-जुलती है। दोनों ने पो-चरा के सरकारी हाई स्कूल में कक्षा 10 तक साथ पढ़ाई की और बाद में अपने परिवारों का भरण-पोषण करने के लिए ऑटो ड्राइविंग का पेशा अपनाया। अपने मिलनसार स्वभाव और ग्रामीणों के साथ गहरे जुड़ाव के कारण, दोनों ने अपने-अपने

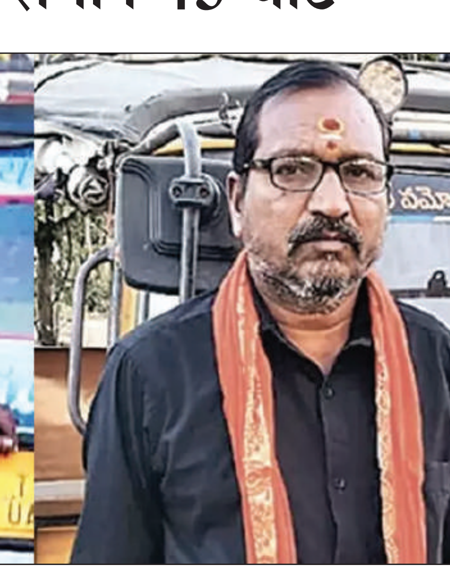

गांवों में काफी लोकप्रियता हासिल की।चूंकि पोन्नारी और पोचरा ग्राम पंचायतों में सरपंच का पद अनुसूचित जाति श्रेणी के लिए आरक्षित था, इसलिए दोनों मित्रों ने चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया।

14 दिसंबर को घोषित परिणामों में, भूमन्ना ने पोन्नारी सरपंच पद पर 43 वोटों के अंतर से जीत हासिल की।

दिलचस्प बात यह है कि जब 17 दिसंबर को पोचरा के नतीजे घोषित हुए, तो गंगन्ना ने भी ठीक 43 वोटों के ही अंतर से जीत दर्ज की।यद्यपि उन्होंने दो अलग-अलग गांवों से चुनाव लड़ा था, लेकिन उनके गांवों का पड़ोसी होना और जीत का अंतर एक समान होना इस संयोग को और भी प्रभावशाली बनाता है। सहपाठियों से लेकर ऑटो ड्राइवर और अब निर्वाचित ग्राम प्रधान तक की उनकी इस समानांतर यात्रा ने पूरे जिले में चर्चा छेड़ दी है। यह जीत इस बात का प्रतीक बन गई है कि कैसे जमीनी स्तर पर बनाई गई सद्भावना चुनावी सफलता में बदल सकती है।

नलगोंडा में कॉलेज छात्रा ने किया आत्महत्या का प्रयास, हालत गंभीर

नलगोंडा, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नलगोंडा जिले के चेर्लापल्ली स्थित सरकारी आवासीय महिला कॉलेज (गवर्नमेंट रेजिडेंशियल कॉलेज फॉर वूमेन) की एक छात्रा ने शुक्रवार तड़के कॉलेज परिसर में कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई है।19 वर्षीय यह छात्रा बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा है और नलगोंडा जिले के चंडूर मंडल के जोगीगुडेम गांव की रहने वाली है।पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि आत्मघाती कदम उठाने से पहले वह लगभग आधे घंटे तक कॉलेज के कॉरिडोर में रुकी रही। इस घटना में उसके सिर पर गंभीर चोट आई है और शरीर में कई फ्रैक्चर हुए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही कॉलेज स्टाफ ने उसे एम्बुलेंस के जरिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों के अनुसार उसकी स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है।पुलिस को छात्रा की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने लिखा है कि उसके इस कदम के लिए कोई भी जिम्मेदार नहीं है। नलगोंडा ग्रामीण पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और गहन जांच शुरू कर दी है।

एपी महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लि. के बंजारा हिल्स स्थित मुख्यालय में नवनिर्वाचित निदेशकों को बधाई देते हुए विभिन्न समाजों के पदाधिकारी, अंशधारक, शुभचिंतक, परिजन व अन्य। अवसर पर निदेशकों को कार्यभार सौंपते हुए हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त अधिकारी रामनारायण बुग्गा व एमडी वी. अरविंद। साथ में पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, वाईस चेयरमैन लक्ष्मीनारायण राठी।

कामाटीपुरा मंगलहाट स्थित अनिल मेडिकल हॉल के पास, फ्रेंड्स ग्रुप कामाटीपुरा मंगलहाट द्वारा अमावस्या के पावन अवसर पर भव्य अन्नप्रसाद का आयोजन किया गया। इस धार्मिक और सामाजिक सेवा कार्यक्रम में स्थानीय श्रद्धालुओं और राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मनोज अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, राजू भाई, यश अग्रवाल, महेश अन्ना, पप्पू महाराज, श्याम अग्रवाल और महेश भाई उपस्थित रहे। इनके साथ ही ग्रुप के अन्य सदस्यों ने भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आगामी 9 जनवरी से आयोजित श्री हैदराबाद कच्छ कड़वा पाटीदार समाज के स्वर्ण जयंति महोत्सव कार्यक्रम मे विशेष अतिथि के रूप मे भाग लेने का लव फॉर काऊ चेरमेन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, ब्राह्मण समाज के तरूण महेता, कच्छी मित्र मंडल के पंकज सावला, दिनेश गोसर को निमंत्रीत करते हुए शंकर पोकार, शंकरलाल रामाणी, विनोद पोकार, गोविंद चौधरी ।

यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोग भविष्य के लिये तैयार सिविल सेवाओं के निर्माण की कुंजी हैं : राष्ट्रपति मुर्मू

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को भारत के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने में संघ लोक सेवा आयोग (यूप-ीएससी) और राज्य लोक सेवा आयोगों (पीएससी) की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए सिविल सेवा भर्ती प्रकिया में ईमानदारी, पारदर्शिता और तकनीकी तैयारी पर अधिक जोर देने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने यहां रामोजी फिल्म सिटी में लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि एक ऐसे मंच में भाग लेना सौभाग्य की बात है जो देश भर से यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोगों के प्रमुखों को एक साथ लाता है।

राष्ट्रपति ने भारत में लोक सेवा आयोगों के लंबे और प्रतिष्ठित इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्रीय लोक सेवा आयोग की स्थापना एक अक्टूबर, 1926 को हुई थी और बाद में भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत संघीय और प्रांतीय लोक सेवा आयोगों का प्रावधान किया गया। 26 जनवरी, 1950 को भारत के गणतंत्र बनने के बाद, संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों ने अपनी वर्तमान संवैधानिक भूमिकाएँ ग्रहण कीं।

केन्द्रीय और राज्य लोक सेवा आयोगों के योगदान का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि लोक सेवा आयोगों ने सरकारी प्रशासन में समानता, निष्पक्षता और व्यावसायिकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन संस्थानों के माध्यम से चयनित सिविल सेवाएँ भारत के आर्थिक विकास, राजनीतिक स्थिरता और प्रशासन के लिए बहुत अहम रही हैं, जिससे संघ लोक सेवा आयोग देश के सबसे भरोसेमंद संस्थानों में से एक बन गया है।

श्रीमती मुर्मु ने इस बात पर जोर दिया कि कौशल की कमी को प्रशिक्षण के माध्यम से दूर किया जा सकता है, लेकिन सत्यनिष्ठा की कमी ऐसी चुनौतियाँ पैदा करती है जिन पर काबू पाना मुश्किल है तो ऐसे में भर्ती में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि लोक सेवा आयोगों को उम्मीदवारों के बीच नैतिक अभिविन्यास और संवेदनशीलता का आकलन करने के लिए बेहतर प्रक्रिया विकसित करनी चाहिए, विशेष रूप से समाज के हाशिए पर रह रहे और कमजोर वर्गों के प्रति।

राष्ट्रपति ने भविष्य की चुनौतियों पर जोर देते हुए लोक सेवा आयोगों से उभरते तकनीकी मुद्दों का अनुमान लगाने, पारदर्शिता को मजबूत करने और भर्ती प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ाने का आह्वान किया । उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सर्वोत्तम विधियों , विशेष रूप से प्रौद्योगिकी अपनाने, कानूनी ढांचे और प्रक्रिया सुधारों को साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।

उन्होंने भारत के तेजी से आर्थिक विकास और आने वाले दशकों में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की उसकी महत्वाकांक्षा का जिक्र करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि संघ लोक सेवा आयोग और राज्य लोक सेवा आयोग भविष्य के लिए तैयार ऐसी सिविल सेवा का पोषण करके राष्ट्र निर्माण में योगदान देना जारी रखेंगे जो स्थिरता को रचनात्मकता के साथ और निरंतरता को आधुनिकीकरण के साथ जोड़ती है।

श्रीमती मुर्मु ने संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों को उनके प्रयासों में लगातार सफलता मिलने की शुभकामनाएं दीं।

अशोक फाउंडेशन द्वारा अमावस्या पर भव्य भंडारा आयोजन

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अशोक फाउंडेशन कुंभ मेला अग्रवाल बंधु के तत्वावधान में शुक्रवार, दिनांक 19-12-2025 को भंडारा चौक0रिकाबगंज में अमावस्या के पावन अवसर पर भक्ति भाव के साथ भंडारा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अशोक फाउंडेशन के अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

भंडारा कार्यक्रम का शुभारंभ देवी अन्नपूर्णा एवं मां भगवती की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर पंकज कुमार अग्रवाल के साथ शीनिवास, सुनील कुमार, नीलेश एवं अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धा भाव से पूजा कर कार्यक्रम की सफलता की कामना की।

भंडारा कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने हर्षोल्लास के साथ सहभागिता की और प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजन स्थल पर भक्तिमय वातावरण बना रहा और सेवा भाव की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली।अशोक फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह भंडारा कार्यक्रम समाज सेवा, आपसी सहयोग और धार्मिक आस्था का सुंदर उदाहरण बना। उपस्थित लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए फाउंडेशन के सेवा कार्यों की प्रशंसा की।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा की मासिक सभा आयोजित की गई, जिसमें शाखा के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभा के दौरान समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित सदस्यों ने समाज की एकता, सेवा कार्यों और संगठनात्मक गतिविधियों को और सुदृढ़ करने पर बल दिया।

न्याय में देरी लोकतंत्र की नींव पर गहरा आघात : महेश कुमार गौड़

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी श्री महेश कुमार गौड़ ने न्याय की लालसा... जमानत से निरंतर इनकार और असहमति को कैद करना विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत की।

सभा को संबोधित करते हुए श्री महेश कुमार गौड़ ने कहा कि न्याय में देरी केवल किसी व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की नींव पर एक गहरा आघात है। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, जो हमेशा से लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवाधिकारों के प्रति समर्पित रही है, समाज के हाशिए पर रहने वाले और कमजोर वर्गों के साथ मजबूती से खड़ी रही है।महेश कुमार गौड़ ने 2014 में सत्ता में आने के बाद से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की शासन शैली की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार द्वारा संवैधानिक सिद्धांतों, लोकतांत्रिक संस्थाओं और मानवीय मूल्यों को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया जा रहा है।जब भी सरकार की जनविरोधी नीतियों पर सवाल उठाए जाते हैं, तो असहमति जताने वालों को देशद्रोही करार देना भाजपा के लिए एक नियमित अभ्यास बन गया है।

उन्होंने केंद्र की अधिनायकवादी कार्यशैली पर निशाना साधते हुए कहा कि आज के दौर में वैचारिक मतभेद रखने वालों की आवाज दबाई जा रही है और उन्हें लंबे समय तक जेलों में रखकर उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। उन्होंने न्याय प्रणाली में निष्पक्षता और शीघ्र न्याय की आवश्यकता पर बल दिया।

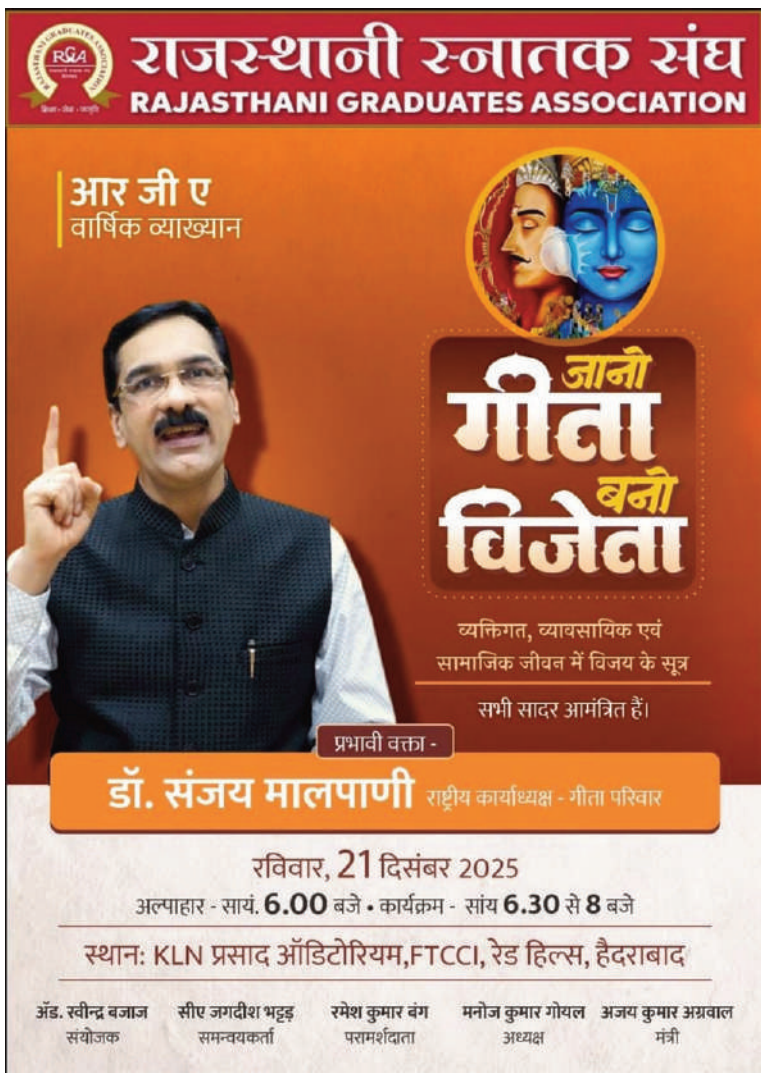

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.